●वर्ष : 16 ●अंक : 183 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08

RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

बुधवार 23 अक्टूबर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

यूपी में हिचकोले क्यों खा रहा है कांग्रेस-सपा गठबंधन

उपचुनाव नहीं लड़ेगी राहुल गांधी की पार्टी?

›› उत्तर प्रदेश में उपचुनाव

उत्तर प्रदेश में विधानसभा की नौ सीटों के लिए उपचुनाव की प्रक्रिया चल रही है.सपा ने कांग्रेस को लड़ने के लिए दो सीटें अलीगढ़ की खैर और गाजियाबाद सीट दी हैं. कहा जा रहा है कि कांग्रेस इससे खुश नहीं है. इन दोनों सीटों से कांग्रेस को काफी समय से जीत नहीं मिली है.साल 2022 के चुनाव में खैर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार मोनिका को केवल 1514 वोट मिले थे. वह चौथे स्थान पर रही थीं. वहीं गाजियाबाद सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार सुशांत गोयल को 11 हजार 818 वोट मिले थे. इस सीट पर भी कांग्रेस चौथे नंबर पर थी.इसे देखते हुए कांग्रेस दोनों सीटें सपा को वापस कर सकती है. अगर ऐसा होता है तो सपा इन सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारना पड़ेगा. लेकिन अभी इस पर कांग्रेस की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है. कांग्रेस की ओर से कहा जा रहा है कि सीटों को छोड़ने या चुनाव लड़ने का फैसला पार्टी आलाकमान को लेना है. सूत्रों का कहना है कि चुनाव लड़ने या न लड़ने पर फैसला मंगलवार तक हो सकता है।

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन खटाई में पड़ता हुआ दिख रहा है. उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में खटपट की खबरें हैं. सपा ने कांग्रेस को जो सीटें चुनाव लड़ने के लिए दी हैं, उससे वो खुश नहीं है. वह उत्तर प्रदेश में उपचुनाव न लड़ने का फैसला कर सकती है. इसके बाद अब सपा इन दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है. कांग्रेस के इस फैसले के पीछे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को कारण माना जा रहा है.सपा ने महाराष्ट्र में करीब 12 सीटों की मांग की है. उपचुनाव से कांग्रेस के हट जाने के बाद इस बात पर ही सवाल उठ रहे हैं कि सपा को कांग्रेस महाराष्ट्र में सीट देगी भी या नहीं। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में जिन नौ सीटों पर उपचुनाव हो रहा है,उनमें से चार सीटों की मांग कर रही थी. लेकिन सपा ने कांग्रेस से राय-मशविरा किए बगैर छह सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए. सपा ने यह कदम हरियाणा विधानसभा चुनाव के नजीते आने से पहले ही उठाया था.इसके बाद उपचुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद सपा ने मीरापुर सीट पर अपना उम्मीदवार उतार दी. उसने खैर और गाजियाबाद सीट कांग्रेस के लिए छोड़ दी थी.कांग्रेस इससे खुश नहीं है, उसे लग रहा है कि उसने अगर आज सपा का यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया तो उसे 2027 के विधानसभा चुनाव में भी सपा के भरोसे ही रहना पड़ेगा. इससे उसके मनोबल पर असर पड़ेगा.अगर वह उपचुनाव की दोनों सीटें हार गई तो विधानसभा चुनाव में वह सपा से अधिक सीटें नहीं मांग पाएगी। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार और शनिवार को महाराष्ट्र का दौरा किया. सपा महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी से 12 सीटों की मांग की है।

›› हिचकोले खाता सपा-कांग्रेस का गठबंधन

सपा-कांग्रेस गठबंधन ने लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी को उत्तर प्रदेश में मात दी थी.इस गठबंधन ने 43 सीटों पर जीत का परचम लहराया था.सपा जहां 37 सीटें जीतकर संसद में तीसरे नंबर की पार्टी बन गई थी.वहीं कांग्रेस के हिस्से में छह सीटें आई थीं. लेकिन सपा-कांग्रेस का गठबंधन ठीक से नहीं चल रहा है. लोकसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में समझ में आया था.वहां कांग्रेस ने सपा को एक भी सीट नहीं दी थी.इसी तरह कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस को एक भी सीट नहीं दी थी. हालांकि ऐसी खबरें थीं कि सपा हरियाण में चुनाव लड़ने की इच्छुक है, खासकर अहीरवाल बेल्ट में. अहीरवाल बेल्ट में कांग्रेस सबसे कमजोर हालत में यह यादव बहुल इलाका है, सपा को वहां अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी. इसी तरह से सपा-कांग्रेस का यह गठबंधन जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में भी नहीं दिखाई दिया.कांग्रेस ने नेशनल कॉन्फ्रेंस, माकपा और पैंथर पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा. इस गठबंधन में सपा को जगह नहीं मिली. मजबूरी में सपा ने राज्य की 16 सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ा।

96 साल के लालकृष्ण आडवाणी को बीजेपी ने क्यों बनाया सक्रिय सदस्य?

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सदस्यता अभियान का दूसरा फेज 1 अक्टूबर 2024 से शुरू हुआ. इस दौरान अब तक पार्टी ने 10 करोड़ से ज्यादा सदस्य जोड़ लिए हैं. देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को मंगलवार को पार्टी का सक्रिय सदस्य बनाया गया. बीजेपी के तीन नेता विनोद तावड़े, अरुण सिंह और शोभा कंरदलाजे ने 96 साल के आडवाणी को सक्रिय सदस्य बनाया. इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा भी सक्रिय सदस्यता ले चुके हैं. आइए जानते हैं कि 96 साल के लालकृष्ण आडवाणी को बीजेपी का क्यों सक्रिय सदस्य बनाया गया है? भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का सक्रिय सदस्यता का अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा. इसके तहत शीर्ष नेतृत्व से लेकर आम कार्यकर्ता को सक्रिय सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया जाता है। 16 अक्टूबर को जेपी नड्डा और विनोद तावड़े ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सक्रिय सदस्यता दिलाई थी. आज बीजेपी के तीन राष्ट्रीय महासचिव लाल कृष्ण आडवाणी के घर पहुंचे और उन्हें सक्रिय सदस्य बनाया। बीजेपी के सक्रिय सदस्यता का अभियान एक ऐसा अभियान है, जिसमें ये दिखाया जाता है कि संबंधित सदस्य उम्र के किसी भी पड़ाव पर हो, वो पार्टी का एक सक्रिय सदस्य है. सक्रिय सदस्य बनने वाला अपने स्तर से 50 और लोगों को पार्टी का सदस्य बनाता है। सक्रिय सदस्य पार्टी के लिए एक समर्पित सदस्य होता है. वह इसके बाद बीजेपी के मंडल लेवल से लेकर जिला स्तर तक का कोई भी चुनाव लड़ सकता है. 100 रुपये का प्राथमिक शुल्क देकर कोई भी इखढ का सक्रिय सदस्य बन सकता है. लेकिन 50 सदस्यों को जोड़ने के बाद ही आपको सक्रिय सदस्य माना जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों, गृहमंत्री अमित शाह हों या पूर्व उप-प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी हों... ये सभी पार्टी के प्रभावशाली नेता हैं. जाहिर तौर पर अगर ये नेता किसी को सदस्यता दिलाने की कोशिश करेंगे, तो लोग उनके आकर्षण में खींचे चले आएंगे. इसलिए लाल कृष्ण आडवाणी को 96 साल की उम्र में भी इखढ ने सक्रिय सदस्य बनाया है। इसी साल जुलाई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल कृष्ण आडवाणी को उनके घर जाकर भारत रत्न से सम्मानित किया था. 2015 में आडवाणी को भारत के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

आखिर कब तक थमेंगे जम्मू-कश्मीर में हो रहे आतंकी हमले?

लीजिए, जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकवादी हमला हो गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग मारे गए। यह नृशंस वारदात किसकी शह पर हुई और किसकी नीतिगत लापरवाही से हुई, यह पुनः विमर्श का विषय है! क्योंकि हमारे देश में ऐसी घटनाएं आए दिन की बात हो चली हैं और राष्ट्र के किसी न किसी हिस्से में घटित होती रहती हैं। आखिर इस घटना के क्या मायने हैं, इस पर विचार करने से पहले एक सुलगता हुआ सवाल मेरे मनमस्तिष्क में कौंध रहा है कि आखिरकार 'खूनी होते जा रहे लोकतंत्र' और इसको 'संरक्षित करने वाले संवैधानिक तंत्र' के पास ऐसी वहशी वारदातों को रोकने के लिए अबतक कोई स्थायी मूलमंत्र क्यों नहीं मिला है? आखिर कब तक ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के खात्मे होंगे और इसे प्रोत्साहित करने वाले लोगों और उन्हें रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई कबतक सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी वारदातों पर पूर्ण विराम लग सके! यदि नहीं, तो क्यों नहीं? आम जनता को जवाब चाहिए। क्योंकि इस बद से बदतर स्थिति के लिए हमारी राजनीति और उसके इशारे पर थिरकने वाला प्रशासन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार अवश्य है। बस इसके न्यायसंगत पड़ताल की जरूरत है, जो बीते कई दशकों से नहीं हो पा रही है! उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में आतंकियों ने एक और कायराना हमला करते हुए 7 मेहनतकश लोगों की उस वक्त जान ले ली, जब वो खाना खाने के लिए मेस में बैठे हुए थे। इस आतंकी वारदात में मरने वालों में एक स्थानीय डॉक्टर और टनल निर्माण में लगे 6 कर्मचारी भी शामिल हैं, जिनमें से 5 लोग बाहरी राज्यों से थे। उनमें 2 अधिकारी वर्ग के और 3 श्रमिक वर्ग के थे। वहीं, इस नृशंस हमले में 5 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हमला सोनमर्ग इलाके में हुआ और घटना के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए आतंकी हमले में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

SYED ZAKI HAIDER

(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

सांप के डसने से मां और दो बच्चों की मौत

हापुड़

जनपद की तहसील गढ़मुक्तेश्वर के थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव सदरपुर में बीती रात्रि पति की दीर्घायु की कामना करते हुए करवा चौथ का पूजन कर व्रत खोलकर मजदूर रिंकू की पत्नी पूनम (30 वर्षीय) अपनी बेटी साक्षी (10 वर्ष) और बेटे कनिष्क (9 वर्ष) के साथ घर में फर्श पर सोई हुई थी।

जिसके चलते तकरीबन सुबह तीन बजे सांप ने पूनम और उसकी बेटी साक्षी व बेटे कनिष्क को डस लिया। जिनकी चीख पुकार सुनकर रिंकू पुत्र करतार ने परिजनों की मदद से आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचा। तब तक बेटा-बेटी की मौत

हो चुकी थी और चिकित्सकों ने पत्नी पूनम का नाजुक हालत मे उपचार शुरू किया। उपचार के दौरान पूनम की भी मौत हो गई।

आतंकी हमले रोके पाक, तभी बातचीत : फारूक

● श्रीनगर,

जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि अगर इस्लामाबाद भारत के साथ दोस्ताना संबंध रखना चाहता है तो उसे यहां आतंकी घटनाएं रोकनी होंगी।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों में बातचीत कैसे हो सकती है? आप (पाकिस्तान) हमारे निर्दोष लोगों को मारते हैं और फिर बातचीत के लिए कहते हैं। जब तक पड़ोसी देश जम्मू-कश्मीर में हत्याएं बंद नहीं करता, तब तक नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच कोई बातचीत नहीं हो सकती। अब्दुल्ला ने कहा कि मैं पाकिस्तान के शासकों से कहना चाहता हूं कि अगर वे वाकई भारत से दोस्ती चाहते हैं, तो उन्हें यह सब बंद कर देना चाहिए। कश्मीर कभी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा। अब्दुल्ला की ये बात 20 अक्टूबर की रात गांदरबल

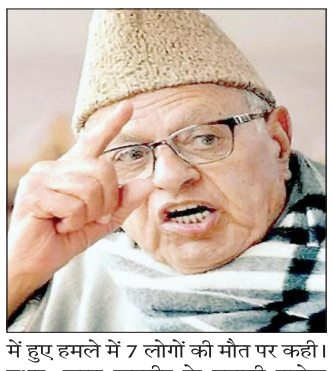

में हुए हमले में 7 लोगों की मौत पर कही। उधर, जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने भी आज कहा कि सुरक्षाबल गांदरबल हमले में मरने वालों का बदला लेंगे और ऐसी कीमत वसूलेंगे जिसे आतंकवादी आने वाले समय में याद रखेंगे।

बोले- कश्मीर कभी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा, गांदरबल में सात लोगों की हुई टारगेट किलिंग

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि गांदरबल की घटना दर्दनाक है। गरीब मजदूर यहां आजीविका के लिए आते हैं ताकि वे अपने परिवार का पेट भर सकें। इन दरिंदों ने उन्हें शहीद कर दिया। उनके साथ हमारे एक डॉक्टर भी थे जो लोगों की सेवा करते थे। उन्होंने भी अपनी जान गंवा दी। अब्दुल्ला ने कहा कि अगर आतंकवादियों को लगता है कि वे इस तरह की हरकतों में शामिल होकर जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी हुकूमत स्थापित कर सकते हैं, तो वे गलत हैं। इन दरिंदों को क्या मिलेगा?

कश्मीर हमला- लश्कर के संगठन टीएफआर ने ली जिम्मेदारी

गांदरबल के गगनगीर इलाके में आतंकी हमले के बाद से सर्च ऑपरेशन जारी है। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में रविवार देर रात हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीएफआर) ने ली है। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि टीएफआर चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड था। गांदरबल के गगनगीर इलाके में श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे की टनल कंस्ट्रक्शन साइट पर आतंकियों ने फायरिंग की। हमले में बडगाम के डॉक्टर शहनवाज मीर और पंजाब-बिहार के 6 मजदूरों की जान चली गई।

अदम गोंडवी ने चलाए अपनों पर भी तंज के तीर...

सार संक्षेप

अधिशासी अधिकारी की पत्नी ने की आत्महत्या

सिद्धार्थनगर : उत्तर प्रदेश में सिद्धार्थनगर जिले की नगर पंचायत इटवा में तैनात अधिशासी अधिकारी (ईओ) की पत्नी ने सोमवार को फांसी लगा कर आत्म हत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इटवा नगर पंचायत में तैनात अधिशासी अधिकारी (ईओ) संदीप कुमार की पत्नी अंशु सोनी (28) ने सोमवार को सदर थाना क्षेत्र के इंद्रानगर मोहल्ले में पंखे से फंदा लगा कर आत्म हत्या कर लिया है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस को शव के पास से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें मृतका ने स्वयं को गलत मानते हुए आत्महत्या का कारण लिखा है। पुलिस मौके पर जांच पड़ताल कर रही है।

दिवाली से पहले उत्तर प्रदेश के कर्मचारियों को मिलेगा वेतन

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार के कर्मचारियों को रोशनी के त्योहार दिवाली से पहले अक्टूबर माह के वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। इस संबंध में सरकार ने शासनादेश जारी कर दिया है। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने दीपावली से पहले राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों को वेतन भुगतान के आदेश जारी किए हैं। 31 अक्टूबर को दीपावली, 02 नवंबर को गोवर्धन पूजा और तीन नवंबर को भाई दूज एवं चित्रगुप्त जयंती के अवकाश के चलते राज्य कर्मचारियों को वेतन का भुगतान 30 अक्टूबर को कर दिया जाए।

जूनियर डॉक्टर्स ने भूख हड़ताल खत्म की

कोलकाता : कोलकाता में महिला डॉक्टर्स से रेप और उसकी हत्या के विरोध में जारी जूनियर डॉक्टर्स की भूख हड़ताल 17 वे दिन खत्म हो गई है। इसके साथ ही डॉक्टरों की मंगलवार को होने वाली हेल्थ स्ट्राइक भी वापस ली गई है। सोमवार शाम डॉक्टरों के पैनल की सीएम ममता के साथ नबन्ना स्थित सचिवालय में करीब 2 घंटे चर्चा हुई। 5 अक्टूबर से भूख हड़ताल पर बैठे जूनियर डॉक्टर ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में न्याय की मांग कर रहे थे। साथ ही वे राज्य के हेल्थकेयर में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

मानहानि केस में केजरीवाल की याचिका खारिज

नई दिल्ली, : गुजरात यूनिवर्सिटी मानहानि केस से जुड़ी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो गई। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने सोमवार को कहा संजय सिंह के खिलाफ भी इसी केस से जुड़ी याचिका लगाई गई थी, जो 8 अप्रैल को खारिज कर दी गई थी। हमें इस याचिका को लेकर भी एक जैसी अप्रोच रखनी होगी। दरअसल, अरविंद केजरीवाल और अअढ नेता संजय सिंह ने मार्च 2023 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री को लेकर सवाल उठाए थे। ये डिग्रियां गुजरात यूनिवर्सिटी से जारी की गई थीं। गुजरात यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार ने दोनों नेताओं के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया था, जिसे लेकर अहमदाबाद की निचली अदालत ने केजरीवाल को समन भेजकर कोर्ट में पेश होने के लिए कहा था। समन के खिलाफ केजरीवाल गुजरात हाईकोर्ट पहुंचे थे, जहां उनकी याचिका खारिज हो गई थी।

सलमान के घर पर फायरिंग करने वाले की याचिका खारिज

मुंबई, वार्ता : सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने के आरोपी विक्की गुप्ता की जमानत याचिका मकोका कोर्ट ने खारिज कर दी है। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम की विशेष अदालत ने कहा कि अगर आरोपी को रिहा किया गया, तो वह भविष्य में दोबारा ऐसी घटना को अंजाम दे सकता है। आरोपियों की मंशा सलमान खान की हत्या करने की थी। कोर्ट ने गुरुवार (17 अक्टूबर) को ही याचिका खारिज कर दी थी। इसकी कॉपी सोमवार को रिलीज की गई है। विक्की ने अपने बचाव में कहा कि मैं तो सिर्फ बाइक चला रहा था, शूटर मेरे पीछे बैठा था। सलमान को नुकसान पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। मैं बस परिस्थितियों का शिकार हुआ हूं, लगातार हिरासत में रखना सही नहीं है। कोर्ट ने माना कि आरोपियों ने गोली वहीं चलाई, जहां सलमान अक्सर फैंस का अभिवादन करते हैं ऑर्डर पढ़ते हुए जस्टिस बीडी शेल्के ने सलमान खान द्वारा किए एफआईआर का जिक्र किया।

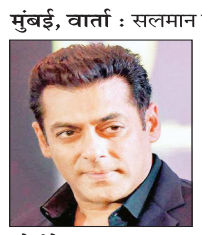

मुलाकात

सोमवार को वायनाड में अपना नामांकन और चुनाव प्रचार शुरू करने से पहले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करतीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी।

अगर आस्था है, तो भगवान रास्ता निकालेंगे : सीजेआई

राम जन्मभूमि केस के वक्त मैं भगवान के सामने बैठा, कहा- आप ही समाधान दीजिए

● पुणे, वार्ता

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि अगर आस्था हो तो ईश्वर कोई भी रास्ता निकाल देते हैं। राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए मैंने भी ईश्वर से प्रार्थना की थी।

दरअसल, सीजेआई पुणे के खेड़ तालुका में अपने पैतृक गांव कन्हेरसर में लोगों को संबोधित कर रहे थे। जहां उन्होंने 2019 को सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से जुड़ा किस्सा शेयर किया। तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली 5 जजों की बेंच ने 9 नवंबर, 2019 को राम मंदिर-बाबरी विवाद का निपटारा किया था। सीजेआई उसी बेंच का हिस्सा थे। बेंच ने यह फैसला भी सुनाया था कि अयोध्या में ही वैकल्पिक पांच एकड़ के भूखंड पर मस्जिद बनाई जाएगी। अयोध्या बाबरी विवाद पर फैसला सुनाने वाली 5 जजों की बेंच

में जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस एस बोबडे, तत्कालीन उखकरंजन गोगोई, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एस अब्दुल नजीर शामिल थे। सीजेआई ने कहा कि अक्सर हमारे पास फैसलों के लिए मामले आते हैं, लेकिन हम किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाते। अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ। केस 3 महीने तक मेरे सामने था। मैं ईश्वर के सामने बैठा और कहा कि आपको समाधान ढूंढना होगा। मेरा यकीन करें, यदि आपको भरोसा है, तो ईश्वर ही कोई रास्ता निकाल देंगे। 6 अगस्त से 16 अक्टूबर तक इस मामले पर 40 दिन सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। संविधान पीठ द्वारा शनिवार को 45 मिनट तक पढ़े गए 1045 पन्नों के फैसले ने देश के इतिहास के सबसे अहम और एक सदी से ज्यादा पुराने विवाद का अंत कर दिया। इसके मुताबिक चीफ जस्टिस ने कहा कि ढहाया गया ढांचा ही भगवान राम का जन्मस्थान है और हिंदुओं की यह आस्था निर्विवादित है। अयोध्या की 2.77 एकड़ की पूरी विवादित जमीन राम मंदिर निर्माण के लिए दे दी गई।

रामगोपाल यादव की सीजेआई पर अभद्र टिप्पणी

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद राम गोपाल यादव ने देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को लेकर पर अभद्र टिप्पणी की हैं। रामगोपाल यादव से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमें कोई टिप्पणी नहीं करनी है। जब भूतों को जिंदा करते हो, मुर्दों को करते हो, तो वह भूत बन जाते हैं और जस्टिस के पीछे पड़ जाते हैं। अब कहां हैं, आपको अभी भी बाबरी मस्जिद और मंदिर दिख रहा है। अरे छोड़ो, तमाम ये इस तरह की बातें करते रहते हैं तो क्या मुझे उन्हें संज्ञान में लेना चाहिए। राम गोपाल यादव ने बहराइच की घटना को लेकर कहा कि यहां कोई सांप्रदायिक दंगा हो नहीं हुआ बल्कि दंगा कराया गया।

24 को ओडिशा के तटों से टकराएगा साइक्लोन दाना

नई दिल्ली, वार्ता : अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान दाना 23 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी पहुंच जाएगा। 24 अक्टूबर को यह ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तट से टकराएगा। मौसम विभाग ने साइक्लोन के लैंडफॉल की जानकारी नहीं दी है। अनुमान है कि यह पुरी से टकरा सकता है। तूफान का दाना नाम सऊदी अरब ने दिया है। दाना का मतलब उदारता होता है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 23 अक्टूबर से ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर हवा की रफ्तार 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंचने का अनुमान है, जो 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह तक बढ़कर 120 किमी प्रतिघंटा हो जाएगी। महानिदेशक मृत्युंजय ने कहा कि तूफान के टकराने से एक दिन पहले यानी 23 को ही भारी बारिश शुरू हो जाएगी।

दिल्ली

शहादत के बाद पुलिस व उनके परिजनों को भी मिले सेना जैसा सम्मान: वीरेश शांडिल्य

एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया व विश्व हिन्दु तख्त के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने आज अंबाला शहर पुलिस लाइन में जाकर पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदी स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की, शीश नवाया व वीरेश शांडिल्य ने हरियाणा पुलिस सहित देश के तमाम उन पुलिस अधिकारियों को सलाम किया जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपनी शहादत दी। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने शहीदी स्मारक पर ही पत्रकारों से बातचीत करते हुए गीत की लाइनें सुनाई ह्यह्यऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी, जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुबार्नी उन्होंने देश की खाकी को सलाम किया और कहा कि देश में अपराध व अपराधी खाकी से कांपते हैं अगर खाकी न हो तो जंगल राज हो जाए। वीरेश शांडिल्य ने कहा कि कोरोना महामारी में में देश की पुलिस ने यह साबित किया कि खाकी देश की जनता का सुरक्षा कवच भी जरूरत पड़ने पर बन सकती है और दिन रात कोरोना काल में पुलिस ने सेवा की। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने कहा कि संविधान, कानून को लागू जमीनी स्तर पर पुलिस ही करती है और आज पुलिस स्मृति दिवस पर मैं देश के तमाम उन पुलिस अधिकारियों, कर्मियों को नमन करता हूं जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। वीरेश शांडिल्य ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह से मांग की है कि देश की पुलिस के लिए भी सेना जैसी सुविधाएं, शहादत के बाद सेना जैसा सम्मान व परिजनों को सेना के शहीद जवानों जैसी सुविधाएं मिले।

सुल्तान उल कोम महाराजा जस्सा सिंह अहलूवालिया की पुण्यतिथि पर उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया

महाराजा जस्सा सिंह अहलूवालिया जी की फोटो पर फुलार्पित कर नमन करते हुए।

नारायणगढ़ : महाराजा जस्सा सिंह अहलूवालिया जी की पुण्यतिथि पर अहलूवालिया सभा नारायणगढ़ द्वारा कार्यक्रम का आयोजन कर उनके दिखाएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर अहलूवालिया सभा के संरक्षक रोशन वालिया ने कहा कि महाराजा जस्सा सिंह अहलूवालिया का जीवन और योगदान सिख साम्राज्य की समृद्धि, एकता और स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने महाराजा जस्सा सिंह अहलूवालिया को नमन करते हुए कहां की हमें सदैव अपने महापुरुषों को याद रखना चाहिए और उनकी जीवनी से बच्चों और युवा पीढ़ी को अवगत करवाना चाहिए। इस अवसर पर अहलूवालिया सभा के प्रधान मुकेश वालिया ने बताया कि महाराजा जस्सा सिंह अहलूवालिया का जन्म 1718 में हुआ था और वे सिख समाज के महान योद्धाओं में से एक माने जाते हैं। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारीयों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर अहलूवालिया बिरादरी के सभी गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

क्षेत्र में फसल अवशेष जलाने के मामले में प्रशासन सख्त, 5 किसानों की हुई गिरफ्तारी

गन्नौर : प्रशासन ने फसल अवशेष को जलाने वाले किसानों के खिलाफ अब सख्ताई बरतनी शुरू कर दी है। थाना गन्नौर पुलिस फसल में आग लगाने के आरोप में 5 किसानों को गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि किसानों को जमानत पर छोड़ दिया गया है। गन्नौर थाना प्रभारी सतेंद्र कुमार ने बताया कि पराली जलाने की शिकातय पर पर थाना गन्नौर पुलिस ने पांच अलग-अलग किसानों के खिलाफ मामले दर्ज किए थे। 5उन्होंने किसानों से अपील करी कि वे पराली में आग लगाने की बजाय उनका उचित प्रबंधन करें, जिससे वातावरण में प्रदूषण न फैले।

राशिफल 22-10-2024 (मंगलवार)

मेष
कारोबार में लगे बकाए धन की प्राप्ति, यश-मान प्रतिष्ठा परक कृत्य संपन्न, आपसी सलाह से कामयाबी मिलने की ओर, विचाराधीन योजना मूर्तरूप में परिणित।

वृषभ
पूंजी का प्रतिफल आशानुकूल, नौकरी में पदोन्नति, पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति, परोपकार की भावना जागृत, निजी जिंदगी में नवीन उपलब्धि हासिल होने की ओर।

मिथुन
किसी योजना की शुरुआत हेतु प्रयत्नशील, आय के नवीन स्त्रोत, स्थान परिवर्तन का कार्यक्रम उपस्थित, आहार-विहार में नवीनता, दर्शनीय स्थलों की यात्रा में मन प्रफुल्लित।

कर्क
विचाराधीन योजना का कार्य रूप में परिणित, वाद-विवाद का समापन, वैवाहिक जीवन में सुख शांति का वातावरण, दर्शनीय स्थलों की यात्रा का प्रसंग उपस्थित होगा।

सिंह
पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति,विनियोजित धन का प्रतिफल आशानुकूल प्राप्त, दूसरों के आश्वासन से मानसिक राहत, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ होंगे।

कन्या
व्यापारिक लाभ के रास्ते खुलेंगे, शुभ भावनाओं के उदय से आत्मविश्वास बढ़ेगा, मान-सम्मान युक्त कार्य पूरा होगा, गृहस्थ जीवन में मधुरता, राजकीय पक्ष से सहयोग।

तुला
मित्रों के सहयोग से कार्य संपन्न होने की ओर, वाद-विवाद का समापन पक्ष में, प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता, राजकीय पक्ष से सहयोग, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ।

वृश्चिक
घरेलू समस्याओं से चिंतित, धन का अभाव, किसी मुद्दे पर तनाव, दूसरों की गलतफहमी के शिकार, पारस्परिक संबंधों में मनमुटाव, प्रतियोगिता में विफलता की आशंका।

धनु
व्यापारिक लाभ के रास्ते खुलेंगे, शुभ भावनाओं के उदय से आत्मविश्वास बढ़ेगा, मान-सम्मान युक्त कार्य पूरा होगा, गृहस्थ जीवन में मधुरता, राजकीय पक्ष से सहयोग।

मकर
अधूरी योजना प्रगति पर, घरेलू वातावरण सुखद, परोपकार की भावना जागृत, सुसंदेश मिलने से खुशी, दर्शनीय स्थलों की यात्रा का प्रसंग, उत्तरदायित्व की पूर्ति भी।

कुंभ
लाभ का सुअवसर, अधीनस्थ सहयोगियों से सहयोग, भौतिक सुख के साधन सुलभ, जन कल्याण की ओर रुझान, इच्छित पद की प्राप्ति, उपस्थित व्यवधान समाप्त, यात्रा भी।

मीन
आर्थिक पक्ष में असंतोष, सिद्धि का प्रयास निष्फल, बात-बात पर क्रोध, भुगतान को लेकर परेशान, मित्रों से अनबन, व्यर्थ की भागदौड़ में समय नष्ट, हानि भी।

सुडोकू

4	1		2	3		8		
	3	9						
				8				5
6		1						
7			3		1			6
						1		9
3				6				
						7	4	
		8		4	5		9	3

सुडोकू- कल का उत्तर

8	1	9	3	4	7	6	5	2
6	4	7	2	5	9	3	8	1
3	2	5	8	6	1	9	4	7
9	3	6	7	1	8	4	2	5
2	8	1	5	3	4	7	6	9
7	5	4	6	9	2	8	1	3
4	9	8	1	7	5	2	3	6
1	7	3	4	2	6	5	9	8
5	6	2	9	8	3	1	7	4

आड़े, खड़े व 3x3 के वर्ग में 1 से 9 तक के अंक इस प्रकार भरें कि किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो। पहेली के एक से अधिक हल हो सकते हैं।

विक्रमी संवत 2081, शके 1946, सूर्य दक्षिणायण, शरद ऋतु, कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की षष्ठी तत्पश्चात सप्तमी, आर्द्रा नक्षत्र तत्पश्चात पुनर्वसु नक्षत्र, पारिघ योग तत्पश्चात शिव योग, चन्द्रमा मिथुन राशि में विद्यमान।

राहुकाल: दोपहर 02:55 से 04:19 बजे तक।

बजरंग पुनिया ने संभाला किसान कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार

नई दिल्ली। 22 अक्टूबर पहलवान बजरंग पुनिया ने मंगलवार को किसान कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर अपना पदभार ग्रहण किया। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में उनके पदभार ग्रहण करने के दौरान किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल खैरा, कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह, विधायक विनेश फोगाट, किसान कांग्रेस के वाइस चेयरमैन अखिलेश शुक्ला और अनंत दहिया मौजूद रहे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा कि अब बजरंग पुनिया कांग्रेस पार्टी में नई भूमिका अदा करेंगे और देश के किसान एवं खेत मजदूर की आवाज को बुलंद करेंगे। देश के नौजवानों और किसानों को पुनिया से बहुत उम्मीदें हैं। सैलजा ने आगे कहा कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था का आधार किसान और खेत मजदूर हैं, मगर इनकी तरफ भाजपा सरकार उदासीन है। हरियाणा और पंजाब की मंडियां बदहाली का शिकार हैं। बजरंग पुनिया को शुभकामनाएं देते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि आज देश में राजनीतिक तौर पर किसानों की लड़ाई लड़ने की जरूरत है, इसके लिए किसानों को कांग्रेस के झंडे के नीचे इकट्ठा करना होगा। अनेक यूनियनों में बंटे किसान एक साथ आकर राजनीतिक तौर पर लड़ाई लड़ेंगे, तब ही किसानों को देश और दुनिया की अर्थव्यवस्था में हिस्सा मिल पाएगा। वहीं किसान कांग्रेस के अध्यक्ष सुखपाल खैरा ने पुनिया को पदभार संभालने पर अपनी बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुनिया हरियाणा के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों में किसान और खेत मजदूर के मुद्दे उठाकर पार्टी के आधार को मजबूत करेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि पंजाब में पुराने स्टॉक से भरे गोदामों को तुरंत खाली करवाया जाए और किसानों से धान की नई फसल सही दामों में खरीदी जाए।

पीयूष मिश्रा ने बल्लिमारन बैंड संग 'उड़नखटोला' अंतर्राष्ट्रीय टूअर से उठाया पर्दा, कहा कामयाबी से ज्यादा अपनी संगीतमय विरासत खड़ी करने में करते हैं यकीन

बैंड की ओर से नवंबर में की जाएगी अंतर्राष्ट्रीय टूअर की शुरूआत और इस टूअर के अंतर्गत

कनाडा। अमेरिका और यूके में होंगे कंसर्ट्स एक उम्दा कलाकार के रूप में अपनी पहचान रखने वाले पीयूष मिश्रा एक हरफनमौला किस्म की शख्सियत हैं जिनके हुनर का कोई सानी नहीं है. वो ऐसे लेखक, गीतकार, संगीतकार और अदाकार हैं जो उम्र और कला संबंधी किसी भी तरह की बंदिशों को नहीं मानते हैं. ऐसे में पीयूष मिश्रा ने अपने बैंड बल्लिमारन के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय टूअर 'उड़नखटोला' का ऐलान एक स्पेशल कर्टन रेंजर इवेंट के जरिए किया. इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में किया गया था। उल्लेखनीय है कि पीयूष मिश्रा और उनका बैंड बल्लिमारन एक विशेष 'उड़नखटोला' टूअर बस में सवार होकर वेन्यू पर पहुंचे थे. यह बस औचक रूप से संगीत प्रस्तुतियां करने, गहन विचार-विमर्श करने और टूअर से संबंधी बैंड के संगीतमय सफर से जुड़े किस्सों को सुनाने का एक बढ़िया जरिया है. इसके बाद दिग्गज कलाकार के रूप में पीयूष मिश्रा के साथ एक विचारोत्तक वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने? अपने दिल की बात बयां करते हुए अपनी कला, अपनी लोकप्रियता और अपने करियर के बारे में विस्तार से बातचीत की। अपने संगीत के जरिए पुरानी पीढ़ी के साथ-साथ आज की युवा पीढ़ी का दिल जीतने वाले पीयूष मिश्रा ने कहा कि 62 साल की उम्र में एक रॉकस्टार के रूप में मशहूर होना कोई आम बात नहीं है. वे कहते हैं, "मुझ जैसे 62 साल के शख़्स को लोग रॉकस्टार बुलाते हैं लेकिन अगर मैं ईमानदारी के साथ कहूं तो मैं सिर्फ. काम और रचनात्मकता चीजें करना चाहता हूं. इस दुनिया का मुझ पर जो कर्ज. हैं, मैं अपने काम के जरिए उस कर्ज.को उतारने की ख़्वाहिश रखता हूं. मैं कामयाबी के फेर में नहीं पड़ना चाहता हूं. मैं इस उम्र में अपना डेब्यू एलबम लॉन्च करने जा रहा हूं और साथ ही इस अंतर्राष्ट्रीय टूअर का हिस्सा हूं जो काम के प्रति मेरी मेहनत और लगन को दशार्ता है।

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के मद्देनजर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक कर दिए सख्त कदम उठाने के निर्देश

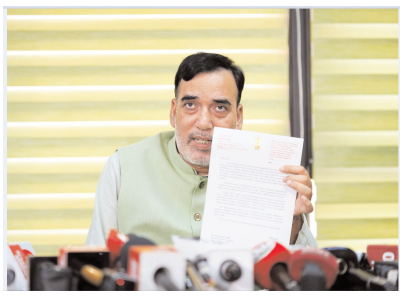

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर 2024 के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में ठंड बढ़ने और हवा की गति कम होने के कारण दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है। तेजी से तापमान कम हो रहा है और हवा की गति भी काफी कम है। सीएक्यूएम ने ग्रेप-2 लागू करने का निर्देश दिया था जिसे दिल्ली में लागू किया गया है। दिल्ली में कई जगहों पर एक्यूआई का स्तर काफी बढ़ रहा है। उसे कैसे नियंत्रित किया जाए और ग्रेप-2 के नियमों को और सख्ती से कैसे लागू किया जाए, उसके लिए मंगलवार को सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त मीटिंग की। मंत्री गोपाल राय ने बताया कि हॉटस्पॉट पर सघन निगरानी का निर्देश दिया गया है। डस्ट सप्रेसेंट मिलाकर हॉट स्पॉट पर पानी के छिड़काव करने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली में सड़कों की सफाई के लिए एम सी डी के 6200 सफाई कर्मचारी को लगाया जाएगा। साथ ही यातायात के सुचारू प्रवाह और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर 1800 ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है। सभी सरकारी विभागों, प्राइवेट एजेंसी, कंस्ट्रक्शन साइट को निर्देश दिया गया है कि रात की ड्यूटी पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड को हीटर उपलब्ध करवाएं। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन मेट्रो और सी एन जी /इलेक्ट्रिक बस सेवा की फ्रीक्वेंसी बढाई जाएंगी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि वाटर स्प्रिकलिंग करने वाले सभी संबंधित विभागों को आदेश दिया गया है कि वे पानी के छिड़काव में तेजी लाएं और डस्ट सप्रेसेंट्स मिलाकर हॉटस्पाट में छिड़काव करें। पीडब्ल्यूडी को आदेश दिया है कि वे मोबाइल एंटी स्मॉग गन की तैनाती निर्माण कार्य स्थलों तथा धूल वाले स्थलों पर भी करें। उन्होंने आगे कहा कि हॉट स्पॉट पर कोऑर्डिनेशन टीम को प्रतिदिन दौरा करने का निर्देश दिया गया है। एंटी डस्ट टीम को प्रतिदिन कम से कम दो सी एंड डी साइट का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि ह्यग्रेप 2 के कार्यान्वयन के तहत डीटीसी और मैट्रो को फ्रीक्वेंसी और फेरे बढ़ाने के निर्देश जारी किए गए। इसी क्रम में डीटीसी ने फ्रीक्वेंसी बढ़ाई है, मेट्रो ने 40 फेरे बढ़ा दिए हैं। मेट्रो को आगे और ज्यादा फेरे बढ़ाने के लिए कहा गया है। मंत्री गोपाल राय ने बताया कि यातायात के सुचारू प्रवाह और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर 1800 ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है। निजी परिवहन को हतोत्साहित करने के लिए वाहन पार्किंग शुल्क में वृद्धि को लेकर संबंधित विभाग को जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। गोपाल राय ने कहा कि सरकारी विभागों, प्राइवेट एजेंसी, कंस्ट्रक्शन साइट और रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों को सुरक्षा कर्मचारियों को आवश्यक रूप से इलेक्ट्रिक हीटर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है जिससे कि वो सर्दियों के दौरान खुले में बायोमास नहीं जलाएं। इसके लिए राजस्व विभाग और डीपीसीसी को जरूरी निर्देश जारी करने का आदेश दिया गया है। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर अलग-अलग जो हाटस्पाट हैं उनके निरीक्षण के दौरान मैंने यह देखा कि आनंद विहार में ए.क्यू.आई. 400 से अधिक है जबकि अन्य हॉट स्पॉट पर यह 300 के आस-पास है। इस बढ़ते ए.क्यू.आई. का मूल कारण पास के राज्यों से दिल्ली में आने वाली डीजल की बसें हैं। दिल्ली में जो बसें चलती हैं वह सीनएजी और इलेक्ट्रिक हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली से सटे राज्यों की सरकारों को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया है कि जबतक दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है, वे अपनी डीजल बसों के स्थान पर सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसों को ही भेजें।

सभी धर्म के लोगों ने उठाया फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का फायदा

नोएडा। सेक्टर 50 शिया जामा मस्जिद में अंजुमन नासिराने अहलेबैत वह फ्लेक्स हॉस्पिटल की द्वारा एक हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया जिसमें सभी धर्म के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया इस कैंप का आयोजन सुबह 11:00 से शाम 4:00 बजे तक के लिए किया गया था परंतु लोग सुबह ही आना शुरू हो गए और शाम 5:30 बजे तक यह कैंप चला लगभग 163 लोगों ने इस कैंप का फायदा उठाया, इस कैंप में आए हुए सभी डॉक्टर ने कहा कि बहुत ही सफलता पूर्वक यह कैंप रहा सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि इस कैंप में सभी धर्म के लोगों ने एक साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बहुत बड़ी तादात में इस कैंप का हिस्सा बने. अंजुमन के सदर एस ए आर जैदी ने इस कैंप के आयोजन व सभी वॉलंटर का शुक्रिया अदा किया अंजुमन के जनरल सेक्रेटरी कमर अब्बास आए हुए सभी डाक्टर व मेहमानों का शुक्रिया अदा किया और कहा कि जल्दी इस तरह का कैंप दोबारा फिर लगाएंगे. बाद में सभी ने इस कैंप के आयोजक हसन मेहंदी नकवी साहब का शुक्रिया अदा किया।

टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी संघर्ष,सादगी व ईमानदारी के लिए प्रसिद्ध:आजाद।

अरविंद पाठक
वरिष्ठ पत्रकार

दरभंगा, 22 अक्टूबर 2024 (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर एवं सांसद कीर्ति आजाद ने कहा है,कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी संघर्ष,सादगी व ईमानदारी के लिए प्रसिद्ध है। वह कभी जाति एवं धर्म की राजनीति नहीं करती है। श्री आजाद ने कल यहां यह बात कही। उन्होंने कहा कि वहीं भाजपा जाति एवं धर्म की राजनीति करती है और संविधान, देश एवं समाज को कमजोर करने में लगी है। रसायन एवं उर्वरक संसदीय समिति के अध्यक्ष श्री आजाद ने कहा कि भाजपा के केंद्रीय मंत्री द्वारा धर्म आधारित स्वाभिमान यात्रा पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। श्री आजाद ने कहा कि केंद एवं बिहार में सरकार जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार की बैसाखी पर चल रही है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री की इस यात्रा पर राज्य के मुख्यमंत्री श्री कुमार से तुरंत रोक लगाने की मांग की है। एल.एस।

मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

अंबाला शहर, अक्तूबर, अंबाला शहर थाना पुलिस ने मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के एक मामले में कानूनी कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान आदर्श उर्फ आदि निवासी हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी अंबाला शहर व रोहित निवासी प्रीत नगर अंबाला शहर के रूप में हुई। इस मौके पर पुलिस जांच अधिकारी ने बताया कि इस मामले के संबंधित शिकायतकर्ता शेखर निवासी पुरानी बकरा मंडी अंबाला शहर ने 20 अक्तूबर को पुलिस थाना अंबाला शहर में शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें बताया गया था कि बीते 19 अक्तूबर को अंबाला शहर के प्रेम नगर में आरोपी आदर्श, रोहित व अन्य लोगों ने उससे व उसके दोस्तों से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तुरंत कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को काबू किया है।

जांच अधिकारी ने बताया कि बरहाल मामले से जुड़े दोनों आरोपियों का जांच में शामिल किया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। मारपीट व जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सार्वजनिक सुरक्षा के लिए सड़क के नीचे पुल पर बाढ़ गेज की स्थापना

बाढ़ गेज की स्थापना के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक मंदीप सिंह भाटिया साथ अन्य अधिकारीगण।

अम्बाला छावनी, अक्टूबर : सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने और जल संचय के कारण होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयास में, उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल ने जीटी रोड को मंडल रेल प्रबंधक परिसर और आसपास की निजी कॉलोनियों से जोड़ने वाले रोड अंडर ब्रिज पर एक स्व-व्याख्यात्मक बाढ़ गेज विकसित और स्थापित किया है। पैदल चलने वालों, दोपहिया वाहनों और मोटर वाहन चालकों की सहायता के लिए डिजाइन किया गया बाढ़ गेज, पैरों में पानी की गहराई का स्पष्ट संकेत प्रदान करता है, जो मानव शरीर की ऊंचाई के संबंध में दर्शार्या जाता है।

यह सरल लेकिन प्रभावी उपकरण यात्रियों को जलभराव की स्थिति के दौरान पुल पार करने के बारे में सूचित निर्णय लेने की अनुमति देता है।

बाढ़ गेज की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं :

ऊंचाई संकेतक : आसान मूल्यांकन के लिए मानव ऊंचाई के संबंध में पानी की गहराई प्रदर्शित करना।

रेट्रो-रिफ्लेक्टिव डिजाइन : रात के समय या कम रोशनी की स्थिति में उच्च दृश्यता सुनिश्चित करना।

यह अभिनव उपाय दुर्घटनाओं के जोखिम को काफी कम कर देगा और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, खासकर भारी बारिश या बाढ़ के दौरान। हम पैदल यात्रियों और मोटर चालकों से आग्रह करते हैं कि वे इस प्रणाली का उपयोग करें और यदि पानी का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक हो तो पुल पार करने से बचें। यह प्रयोगात्मक आधार पर किया गया है. समीक्षा के बाद इसे पूरे मंडल में लागू किया जायेगा.

त्यौहारी सीजन में मिठाइयों की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल, सो रहा विभाग

, नारायणगढ़ : त्यौहारी सीजन में आमजनता के अधिकारों व जरूरतो का ध्यान रखने के साथ शहर में विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर भी खासकर त्यौहारी सीजन में प्रशासन के लिये किसी चनौती से कम नही है । इस महिने होने वाली त्योहारो की बोछार के चलते मिठाईयों की निर्माण मे गुणवता परखने के लिय प्रशासन ने अब तक कोई खास अभियान नही चलाया है। मिठाईयों का त्यौहार दीवाली अब मिलावटी मिठाईयों के लिए प्रसिद्ध होता जा रहा है। जैसे जैसे मिठाईयों की मांग बढ़ती जा रही है मिलावट खोरों के होंसले भी बुलंद होते जा रहे हैं क्योंकि इस बार उन्हे सैंपलिंग का कोई डर भय नही। नारायणगढ़ में एक बार भी सैंपलिंग नही हो पाई। इसकी वजह आम नागरिक नही समझ पा रहा। कुछ भी हो मिलावट खोरों की इस समय चांदी ही चांदी है। अब कि बार विभाग कही सौ रहा हैं।

पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने किया सनातन धर्म आरोग्य केंद्र व जिम का उद्घाटन

छात्रा से रिबन कटवाकर सनातन धर्म आरोग्य केंद्र व जिम का उद्घाटन करते असीम गोयल। (सवेरा)

अंबाला शहर, अक्तूबर : पूर्व विधायक एवं परिवहन मंत्री असीम गोयल ने एमडीएसडी कॉलेज अंबाला सिटी के प्रांगण में नवनिर्मित श्री सनातन धर्म आरोग्य केंद्र का अपने कर कमलों से उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने कॉलेज में नवनिर्मित जिम एवं आरोग्य केंद्र का मुआयना भी किया व आरोग्य केंद्र में लगाई गई एक्यूप्रेशर मशीन, जकूजी और सोना बाथ की भी जांच की। उन्होंने इस नव निर्माण के लिए कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी और कॉलेज के रेड क्रॉस यूनिट के इंचार्ज डॉ सीमा सिंघल,डॉक्टर जसप्रीत कौर एवं कुलभूषण सहगल की प्रशंसा की। पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल के सम्मान में श्री सनातन धर्म सभा अंबाला शहर और कॉलेज के यूथ रेड क्रॉस क्लब के द्वारा शिलान्यास कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था, जिसमें श्री सनातन धर्म सभा के प्रधान नरेश अग्रवाल, एमडीएस कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान अरविंद अग्रवाल, सेक्रेटरी संतलाल,ट्रेजरर अनित बिंदल, एमडीएस कॉलेज की प्राचार्य कर्मजीत कौर और श्री सनातन धर्म सभा के गणमान्य सदस्य गिरधारी लाल, हिमांशु अग्रवाल, अनुभव अग्रवाल, अनुज अग्रवाल व अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज की छात्राओं द्वारा रंगारंग हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति द्वारा की गई। इसके बाद कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अंबाला जोन के जोनल यूथ फेस्टिवल की एमडीएस कॉलेज की विजेता भांगड़ा टीम ने मनमोहक प्रस्तुति दी जिसमें मंच का संचालन डॉक्टर नीलम ने किया। शिलान्यास कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असीम गोयल ने सनातन धर्म सभा अंबाला शहर को उनके लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए बधाई दी और उन्होंने अपने संबोधन में प्राकृतिक चिकित्सा को भारत के ऋषि मुनियों की पूरे विश्व को अनमोल देन बताया। नरेश अग्रवाल ने कहा कि श्री सनातन धर्म आरोग्य केंद्र का उद्घाटन करने के बाद इसे जनता की सेवा में समर्पित कर दिया गया है। कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान अरविंद अग्रवाल, सनातन धर्म सभा अंबाला शहर के प्रधान नरेश अग्रवाल, कॉलेज की प्रिंसिपल एवं वाइस प्रिंसिपल क्रमश कर्मजीत कौर और निशु बंसल, कॉलेज रेड क्रॉस यूनिट के इंचार्ज डॉक्टर सीमा सिंघल एवं डॉक्टर जसप्रीत कौर ने शाल भेंट करके कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असीम गोयल का सम्मानित किया।

इस दौरान सौ गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम में शिरकत की और कॉलेज की रेड क्रॉस सोसाइटी और अन्य सोसाइटी के 300 से अधिक विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

3 वाहन चोर गिरफ्तार, कोर्ट में पेश कर जेल भेजा

सोनीपत : जिले के थाना शहर सोनीपत की पुलिस टीम नें गाड़ी चोरी करने की घटना में संलिप्त तीन आरोपियों अक्षत पुत्र दिनेश निवासी मयूर विहार सोनीपत, विजय पुत्र सुनील निवासी मुरथल जिला सोनीपत व अंकुश पुत्र राजसिंह निवासी फरमाना हाल शास्त्री कॉलोनी सोनीपत को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दिनांक 18 अक्टूबर को मोहित पुत्र सुमेर चंद निवासी वेस्ट राम नगर सोनीपत नें थाना शहर सोनीपत में शिकायत दी कि मेरे पास एक गाडी महिंद्रा थार जिसका रंग काला है। यह गाडी मेरे सगे भाई रोहित के नाम पर है। इस थार गाडी को मैं ही प्रयोग करता था। दिनांक 17.10.2024 की शाम करीब 9.00 थार गाडी को लेकर मैं जिंदल यूनिवर्सिटी गया हुआ था जो मैं बुकिंग छोड कर करीब 12.45 रू पर घर पहुंचा फिर अपनी गाडी अपने घर के सामने गली में खडी कर दी और.सोने के लिए मकान में चला गया। फिर सुबह करीब 6 बजे उठ कर मैने देखा तो मेरी थार गाडी गली में खडी नही मिली। मेरी गाडी को नाम पता न मालुम व्यक्ति चोरी करके ले गया है। इस घटना का भारतीय न्याय सहिंता की धारा के तहत थाना शहर सोनीपत में मामला दर्ज किया गया। थाना शहर सोनीपत की पुलिस टीम में नियुक्त मुख्य सिपाही प्रवीन ने अपनी पुलिस टीम के साथ घटना में संलिप्त तीन आरोपियों अक्षत पुत्र दिनेश निवासी मयूर विहार सोनीपत, विजय पुत्र सुनील निवासी मुरथल जिला सोनीपत व अंकुश पुत्र राजसिंह निवासी फरमाना हाल शास्त्री कॉलोनी सोनीपत को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से चोरीशुदा गाड़ी सहित घटना में प्रयुक्त गाड़ी को भी बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेशकर न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत जेल भेज दिए गए है।

योजनाओं के शीघ्र और प्रभावी क्रियान्वयन करने के कड़े दिशा निर्देश

(कौशल रस्तोगी)

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने मंगलवार को विधानसभा सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर उन्होंने विभागीय योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने, लंबित मामलों के निस्तारण और योजनाओं के प्रचार-प्रसार को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर देरी अस्वीकार्य होगी और अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि हर योजना का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचे। उन्होंने योजनाओं की धनराशि खर्च न करने पर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगायी और निर्देश दिया कि योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि समय से सदुपयोग करते हुए लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाये। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अंतर्गत चल रही योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कम्प्यूटर प्रशिक्षण (ट्रिपल सी/ओ लेवल) के प्रशिक्षार्थियों की शुल्क प्रतिपूर्ति पर जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि सभी लाभार्थियों को उनके व्यक्तिगत बैंक खातों में धनराशि शीघ्र हस्तांतरित की जाए। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 में शादी अनुदान योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए, मंत्री ने समयबद्ध तरीके से सभी आवेदकों को भुगतान सुनिश्चित करने का आदेश दिया। मंत्री ने छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की जनपदवार स्थिति पर भी विशेष ध्यान दिया, यह सुनिश्चित करते हुए कि आवेदन और भुगतान की प्रक्रिया में कोई रुकावट न हो। उन्होंने कहा कि विभाग में रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाए ताकि योजनाओं के सुचारू कार्यान्वयन में कोई बाधा न आए। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए प्रेषित धनराशि की जानकारी जनपद और मण्डलीय अधिकारियों को भी समय पर दी जाए, ताकि किसी भी स्तर पर देरी न हो। वेबसाइट की धीमी गति से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, उन्होंने अधिकारियों को इसका तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। विभाग की समीक्षा में, मंत्री कश्यप ने दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और उनके लिए अधिक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने वर्ष 2024-25 के बजट के उपयोग की समीक्षा करते हुए विभागीय निर्माण कार्यों और संचालित विद्यालयों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने के आदेश दिए। दिव्यांगजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मोबाइल कोर्ट की व्यवस्था शुरू करने का निर्देश दिया, ताकि उनके मुद्दों का तुरंत निपटारा हो सके। इसके अलावा, उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए कार्यशालाओं का आयोजन कर उनकी भागीदारी और जागरूकता को बढ़ाने के निर्देश दिए। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सभी योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें और दिव्यांगजन एवं पिछड़ा वर्ग के हितों में तत्परता से काम करे।

के जी एम यू में नए बैच का आगमन समारोह

(कौशल रस्तोगी)

लखनऊ, आज दिनांक 22/10/2024 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय पैरामेडिकल विज्ञान संकाय में नए प्रवेशित बैच 2024 के लगभग 570 छात्र/छात्राओं के आगमन समारोह (Induction Ceremony) का आयोजन अपराह्न 12:00 बजे कलाम सेंटर के कक्ष संख्या 606 में किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कि रूप में कुलपति महोदया प्रो० सोनिया नित्यानन्द एवं सम्माननीय अतिथि के रूप में प्रति कुलपति महोदया प्रो० अपजीत कौर एवं प्रोफेसर अमिता जैन डीन एकैडमिक उपस्थित रहीं। कुलपति ने छात्र/छात्राओं को इस संस्थान में प्रवेशित होने की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की एवं छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक अच्छे हेल्थ केयर सिस्टम को बनाने कि लिये पैरामेडिकल प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है जिसके लिए के० जी० एम० यू० एवं पैरामेडिकल विज्ञान संकाय निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने पैरामेडिकल विज्ञान संकाय के विकास एवं नये बैचलर पाठ्यक्रम प्रारम्भ कराने हेतु पूर्ण आश्वासन दिया जिससे पैरामेडिकल विज्ञान संकाय नित नई ऊंचाइयों पर पहुंच सके प्रति कुलपति ने छात्र/छात्राओं को विश्वविद्यालय की गरिमा को बरकरार रखने तथा अनुशासन का वातावरण बनाए रखने के लिए निर्देशित किया। एवं उन्होंने तीमारदारों तथा अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ उचित व्यवहार रखने की भी नसीहत दी, जिससे कि अस्पताल में किसी भी प्रकार की कठिनाइयां उत्पन्न न हो। सभा में उपस्थित प्रोफेसर अमिला जैन डीन एकैडेमिक ने संबोधित करते हुए पैरामेडिकल छात्र/छात्राओं को चिकित्सा शिक्षा के महत्व के बारे में बताया तथा डॉक्टर व स्टॉफ के साथ सहभागिता कर कार्य सीखने एवं रोगी उपचार प्रदान करने हेतु प्रेरणा दी। अधिष्ठाता पैरामेडिकल विज्ञान संकाय प्रोफेसर अनिल निश्चल द्वारा स्वागत सम्बोधन में पैरामेडिकल संस्थान की कार्यप्रणाली एवं छात्र/छात्राओं के शिक्षण-प्रशिक्षण की जानकारी दी गयी उन्होंने संस्थान द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न Skill Development, Personality Development, Co-Curricular एवं Extra Curricular Activities के बारे में बताया एवं छात्र/छात्राओं की प्रतिभागिता को प्रेरित किया जिससे उनका सम्पूर्ण विकास हो सके। सहायक अधिष्ठाता प्रो० अतिन सिंघई द्वारा प्रतिज्ञा समारोह संपन्न किया गया, जिसमें नए प्रवेशित लगभग 570 छात्र/छात्राओं ने प्रतिज्ञा समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन सहायक अधिष्ठाता डॉ० अनित परिहार द्वारा दिया गया एवं उन्होंने छात्र/छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। समारोह में पैरामेडिकल विज्ञान संकाय में संचालित पाठ्यक्रमों के नोडल ऑफिसर डॉ० अपर्णा शुक्ला, डॉ० अरविन्द सोनकर, डॉ० नवीन, डॉ० एस. के. भास्कर, डॉ० दुर्गेश द्विवेदी उपस्थित रहे तथा समारोह में डीन स्टूडेन्ट वेलफेयर प्रोफेसर आर० ए० एस० कुशवाहा, चिकित्सा अधिक्षक ट्रॉमा सेंटर डॉ० प्रेमराज, के०जी०एम०यू० मीडिया प्रभारी डॉ० सुधीर कुमार, प्रो० सरिता सिंह, एनेस्थेसिया विभाग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन शिवानी वर्मा एवं आयोजन वीनू दुबे, शिवानी श्रीवास्तव, श्यामजी राम मिश्रा, विवेक गुप्ता, शाम्भवी मिश्रा, विपांशु यादव, मनीष कुमार एवं शिवांगम गिरी द्वारा किया गया।

अनस पब्लिक स्कूल हसनपुर में प्रियांशी बनी एक दिन की प्रधानाचार्य

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को नारी शक्ति सम्मान कार्यक्रम के तहत नगर के चामुंडा मंदिर शोहरका रोड पर संचालित अनस पब्लिक स्कूल में विद्यालय की वर्तमान प्रधानाचार्य अलीजवा ने प्रियांशी को एक दिन की प्रधानाचार्य नियुक्त किया, प्रधानाचार्य बनकर प्रियांशी ने बच्चों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया बोली प्रतिदिन समय से विद्यालय आए, बता ते चले कि कक्षा 7 की छात्रा प्रियांशी एक दिन की प्रधानाचार्य बनकर प्रफुलित नजर आई, वही सर्वप्रथम प्रियांशी ने प्रधानाचार्य बनकर स्कूल के रजिस्टर एवं बच्चों की उपस्थिति चेक की, तथा बच्चों को अनुशासन का पाठ पढ़ाते हुए समय से विद्यालय आने, होमवर्क पूरा करने, साफ सफाई आदि के प्रति उन्हें जागरूक किया, इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर, देश में सुख शांति की कामना की गई

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को नगर में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया तथा देश में सुख शांति की कामना की गई, बताते चले की नगर की समाजसेवी संस्था श्री शिव कावड़ बेड़ा संघ हसनपुर द्वारा एवं श्री राम सेवा समिति द्वारा प्रत्येक मंगलवार को सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया जाता है इसी क्रम में श्री शिव कावड़ बेड़ा संघ ने नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर पर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया जिसमें पाठ के उपरांत हनुमान जी की आरती भी की गई एवं प्रसाद का भी वितरण किया गया, हनुमान चालीसा में विशेष रूप से छोटे उम्र के बच्चे शामिल हुए जिन्हें विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकताओं द्वारा सनातन धर्म के प्रति जागृत किया जा रहा है , इस मौके पर विपिन हिंदुस्तानी, राहुल हिंदुस्तानी, अंकुर प्रजापति, गिरजा शंकर बंसल, निशांत चौहान, अभिषेक ठाकुर, बबलू प्रजापति, अंकित, महेश शर्मा, पूजा प्रजापति, गोलू ,छोटू , मोनू , दिव्यांश प्रियांशु आदि शामिल रहे, उधर श्री रामसेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने नगर के शिव मंदिर पर पहुंचकर हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया और देश में सुख शांति की कामना की इस मौके पर मुख्य रूप से श्रीराम सेवा समिति के जिला अध्यक्ष पंकज भटनागर, रानू रस्तोगी, बबलू पाल, मोहित सुशील अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, मुकुल अग्रवाल, विजय पारछा, आयुष रस्तोगी आदि दर्जनों श्री राम सेवा समिति के सदस्य मौजूद रहे।

करवा चौथ पर भारत विकास परिषद मैत्री अमरोहा की महिला सदस्यों ने किया सखी मिलन कार्यक्रम

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। भारत विकास परिषद मैत्री अमरोहा की महिला सदस्यों द्वारा करवाचौथ के शुभ अवसर पर सोमवार को शहर के एक होटल में सखी मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भारत विकास परिषद की सभी महिलाओं ने खूब उल्लास के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आरम्भ गुंजन माहेश्वरी व ममता अग्रवाल द्वारा वंदे मातरम गीत से किया गया। करवा चौथ कार्यक्रम में शिल्पा माहेश्वरी ने स्पेशल तंबोला गेम खिलवाया।जिस में महिला सदस्यों ने जम कर ईनाम जीते । आभूषण पर आधारित गीतों की सरगम गेम में यशी माहेश्वरी प्रथम व योगेश मालीवाल द्वितीय रहीं। मोनिका रस्तोगी,गीता अग्रवाल, संगीता माहेश्वरी, माधवी गुप्ता, ने सुंदर गीत प्रस्तुत किए। दिल खोल कर डांस गेम प्रतियोगिता में उर्वशी जौहरी, ममता गोयल, गीता गोयल, रुचि रस्तोगी,वर्षा माहेश्वरी, निधि माहेश्वरी, शिवांगी जिंदल, वंदना गोयल , प्रियंका खंडेलवाल, नीरू अग्रवाल ने गजब का समा बांध दिया। सरप्राइस सवालों का चक्रव्यूह प्रतियोगिता में नीतू रस्तोगी,पिंकी बाहेती, अंशू चौधरी,शालू रस्तोगी ने बाजी मारी। वही झुमका ठुमका गेम में बानी माहेश्वरी प्रथम, मोनिका गुप्ता द्वितीय रहीं। सुंदर सजीले मेंहदी रचे हाथ में गीता विरमानी, मोनिका गुप्ता,पूजा अरोड़ा, कावेरी सक्सेना, शशि चतुर्वेदी ने भाग लिया। महिला संयोजिका शिल्पा माहेश्वरी ने इस अवसर पर सभी सखियों को 16 श्रृंगार के साथ आने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आप का उत्साह व जोश ही कार्यक्रम की सफलता की कुंजी है। इस मोके पर प्रियंका खंडेलवाल, मोनिका रस्तोगी, गीता अग्रवाल, संगीता महेश्वरी, माधवी गुप्ता, उर्वशी जोहरी, ममता गोयल, गीता गोयल, नीरू अग्रवाल, निधि महेश्वरी, वर्षा गोयल, कावेरी सक्सेना, पिंकी बाहेती, मोनिका गुप्ता, शशि चतुर्वेदी, पूजा अरोड़ा आदि मौजूद रही।

महाकुंभ में धर्म और आध्यात्म के साथ शहीदों के बलिदान की गाथा के भी दर्शन कराएगी कुम्भ नगरी

प्रयागराज,22 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक तरफ महाकुंभ जैसी सनातन धर्म की धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण का कार्य कर रही तो वहीं देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों की बलिदान की गाथा को भी जन-जन तक पहुंचाने में जुटी है। शहीद चंद्र शेखर आजाद की शहादत स्थली प्रयागराज में गुमनाम शहीदों की स्मृति में 'शहीद वॉल' का निर्माण इसी का हिस्सा है। ये ऐतिहासिक स्मारक महाकुंभ के दौरान पर्यटकों को प्रयागराज के बलिदानी सपूतों की स्मृति से परिचित कराएगा।

3.5 करोड़ के बजट शहीद वॉल बनकर तैयार

कुंभ नगरी प्रयागराज में आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक इस बार महाकुंभ में आध्यात्मिक अनुभूति के साथ शहीदों के बलिदान की गाथा से भी रूबरू हो सकेंगे। इसी क्रम में प्रदेश की योगी सरकार ने प्रयागराज में देश की आजादी में अपना बलिदान करने वाले गुमनाम बलिदानियों को चिन्हित कर उनके बलिदान की गाथा लोगों के बीच पहुंचाने के लिए शहीद वॉल का निर्माण कराया है। प्रयागराज स्मार्ट सिटी की तरफ से इसका निर्माण किया गया है। निर्माण पूरा होने के बाद इसमें अब फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। शहर के सिविल लाइंस स्थित महात्मा गांधी मार्ग पर ?3.5 करोड़ की लागत से इसका निर्माण किया गया है। महाकुंभ के पहले इसका लोकार्पण किए जाने की संभावना है।

›› स्वतंत्रता के गुमनाम शहीदों को समर्पित है शहीद वॉल

कुंभ नगरी प्रयागराज का स्वतंत्रता आंदोलन में अहम योगदान रहा है। शहर में कई अमर शहीदों की शहादत निशानियां अभी भी मौजूद हैं। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की शहादत स्थली आजाद पार्क और ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान की गवाह मलाका जेल इनमे प्रमुख हैं। इन अमर शहीदों के अलावा जिले में ऐसे कई गुमनाम शहीद भी हैं जिनके बलिदान से नई पीढ़ी अभी भी परिचित नहीं है। इन्हीं गुमनाम शहीदों की बलिदान की गाथा को प्रकाश में लाने के लिए योगी सरकार की तरफ से शहीद वॉल का निर्माण कराया गया है। शहर के सिविल लाइंस में 108 लंबी यह भव्य शहीद वॉल में प्रयागराज के गुमनाम 29 शहीदों को समर्पित है। वॉल में शहीदों के 29 छोटे म्यूरल्स से फोटो बनाए गए हैं। साथ ही उनका परिचय भी रेड सैंड स्टोन में लिखा हुआ है। इसके अलावा, आठ बड़े म्यूरल्स भी यहां पर लगाए गए हैं। इनके नीचे शहीदों की शहादत की कहानियां भी स्टोन में उकेरी गई हैं। शहीद वॉल में दो वॉटर कूलर और वॉटर फाउंटेन भी बनाए गए हैं। इसमें पांच परगोला भी बनाए गए हैं। एलईडी फ्लड लाइट्स भी इसमें प्रकाश व्यवस्था के लिए लगाई गई है। वॉल के चारों तरफ ग्रीनरी और हॉर्टिकल्चर का काम भी किया गया है। वॉल के किनारे साइनेज भी लगाए गए हैं। इसमें बैठने के लिए स्पेस भी है जो खास फ्लोर स्टोन से बनाया गया है।

मथुरा का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकताः सीएम योगी

मथुरा, 22 अक्टूबरः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को एकदिवसीय दौरे पर मथुरा पहुंचे। उन्होंने उत्तर प्रदेश ब्रजतीर्थ विकास परिषद की सातवीं बोर्ड बैठक ली। साथ ही जनपद के विकास कार्यों तथा कानून व्यवस्था के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। बैठक में ब्रजतीर्थ पथ परियोजना, मथुरा वृन्दावन में गोवर्धन कनेक्ट परियोजना, मथुरा-वृन्दावन रेल बस मार्ग के स्थान पर यातायात के वैकल्पिक साधन विकसित करने तथा यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा मथुरा में राया अर्बन नोड विकसित किये जाने का प्रेजेन्टेशन प्रस्तुत किया।

›› जनपद का हो समग्र विकास, अफसरों की टीम अयोध्या व काशी का करे भ्रमण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि जनपद में समग्र विकास की व्यवस्था होनी चाहिए। अधिकारियों की टीम अयोध्या एवं काशी का भ्रमण करे और नये विकास के आयामों को विकसित करें। उन्होंने जनपद के विकास हेतु बेहतर रोड, रेल, रोप वे, वॉटर वे आदि की कनेक्टिविटी बढ़ाने के निर्देश दिये। जनपद में श्रद्धालुओं हेतु पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था , अच्छे होटल एवं रेस्टोरेंट होने चाहिए। पीपीटी मॉडल पर समाजसेवियों का सहयोग लेते हुए पौराणिक कुण्डों का जीर्णोद्धार कराना सुनिश्चित करें। यमुना जी के शुद्धिकरण पर कठोर कार्यवाही करें। नाले सीधे यमुना जी में न गिरें। नगर निगम एवं जिला पंचायत कार्यों के लोकार्पण शिला पट्टिका में सांसद एवं विधायकों के नाम अंकित करें। आईजीआरएस एवं सीएम हेल्प लाइन पर फर्जी निस्तारण न करें, फर्जी निस्तारण करने वालों की जिम्मेदारी तय की जाये। सभी विभाग अपने नोडल अधिकारी नामित करें। मुख्यमंत्री जी ने सख्त निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत खुदी हुई सड़कों की मरम्मत ससमय न किये जाने पर फर्म तथा जल जीवन मिशन के अधिकारियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करायी जाये। यदि खुदी हुई सडकों के कारण दुर्घटना होती हैं, तो संबंधित फर्म एवं विभाग के विरूद्ध एफआईआर करायें (सुरक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं)। जिलाधिकारी ये भी सुनिश्चित करें कि उक्त पाइप लाइन कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाये। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिये कि सुरक्षा हेतु पैदल गस्त, पीआरवी एवं मोटर साइकिल से पैट्रोलिंग बढ़ाई जाये।

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकताओं ने विभाग बैठक में किया प्रतिभा

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

संभाल। मंगल वार को जनपद संभल में विश्व हिंदू परिषद की विभाग बैठक संपन्न हुई बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई तथा देश में चल रहे विश्व हिंदू परिषद एवं उनकी शाखों द्वारा किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला गया बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर रूपरेखा तैयार की गई, इस मौके पर हसनपुर नगर के विश्व हिंदू परिषद प्रखंड अध्यक्ष मोहित अग्रवाल एवं प्रखंड संयोजक बजरंग दल राहुल हिंदुस्तानी, नगर मंत्री अमित शर्मा एवं अन्य कार्यकर्ता सम्मिलित हुए, वही बैठक में दिनेश उपाध्याय केंद्रीय मंत्री विश्व हिंदू परिषद, राजकुमार डूंगर प्रांत मंत्री मेरठ प्रांत, जितेंद्र चौधरी प्रांत सहमंत्री एवं विभाग पलक, सोहन सोलंकी क्षेत्रीय संगठन मंत्री, आदि ने विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सनातन धर्म की रक्षा के लिए तत्पर रहने का आह्वान किया और देश की सुरक्षा के लिए सनातन धर्म के लोगों को जागृत करने की शपथ दिलाई ' बैठक में मुख्य रूप से गौरव प्रताप, अशोक सैनी, विपिन शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, विश्व हिंदू परिषद हसनपुर नगर अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, बजरंग दल हसनपुर संयोजक राहुल हिंदुस्तानी, अमित शर्मा आदि सहित सैकड़ो की संख्या में विश्व हिंदू परिषद एवं विजेंद्र के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दीपोत्सव की सफलता के लिए राम की पैड़ी पर हुआ पूजन-अर्चन

अयोध्या, 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में आठवें दीपोत्सव को भव्य और दिव्य बनाने की तैयारी पूरी कर ली गयी है। इसी क्रम में डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने दीपोत्सव-2024 को ऐतिहासिक बनाने के लिए मंगलवार को प्रातः 7 बजे राम की पैड़ी पर मुख्य यजमान के रूप में वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजन अर्चन किया। इस पूजन में सरयू मन्दिर के पुजारी नेत्रजा मिश्र सहित अन्य ने विधि विधान से दीपोत्सव की सफलता के लिए पूजन कराया। कुलपति ने बताया कि प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से प्रांतीय दीपोत्सव का विश्व रिकॉर्ड बनेगा। श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद का होने वाले इस पहले दीपोत्सव के लिए भारतीय जनमानस सहित देश-दुनिया के लोग बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षारत हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन दीपोत्सव की तैयारियों के दे रहा अंतिम रूप

विश्वविद्यालय प्रशासन दीपोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है जिससे दीपोत्सव के वॉलेंटियर्स व पदाधिकारी 30 अक्टूबर को पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व पटल पर नया रिकॉर्ड स्थापित करेंगे। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में दीपोत्सव को और भव्य बनाने के लिए 28 लाख से अधिक दीए सजाने के साथ 25 लाख से अधिक दीए प्रज्ज्वलित किए जायेंगे।

इस कार्य में आवासीय परिसर, संबद्ध महाविद्यालयों, इण्टर कालेज एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के 30 हजार वॉलेंटियर्स लगाए जा रहे हैं। कुलपति के अनुसार, सभी के सहयोग से आठवें दीपोत्सव में सातवीं बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करायेंगे।

पूजन कार्यक्रम में यह भी रहे उपस्थित...

इस दीपोत्सव पूजन कार्यक्रम में विवि के कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र, परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र, प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, प्रो0 गंगाराम मिश्र, प्रो0 अनूप कुमार, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 अंशुमान पाठक, प्रोग्रामर रवि मालवीय, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजेश पाण्डेय व पूर्व अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह, अभियंता आरके सिंह, आशीष मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

शानदार जल प्रबंधन के लिए उत्तर प्रदेश को मिला राष्ट्रीय जल अवार्ड

लखनऊ, 22 अक्टूबरः सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जल प्रबंधन और जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय जल पुरस्कार से नवाजा गया है। ग्रामीण इलाकों में घर-घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने के साथ जल संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में शानदार काम के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरा स्थान मिला है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार कार्यक्रम में इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तर प्रदेश को सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश की ओर से नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव और आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने पुरस्कार ग्रहण किया। सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उड़ीसा को पहला और गुजरात-पुडुचेरी को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला।

राष्ट्रपति ने की यूपी के कार्यों की तारीफ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तर प्रदेश में हर घर तक नल से जल पहुंचाने की मुहिम में किए गए कार्यों और जल संरक्षण की दिशा में किए गए अभिनव प्रयोगों की तारीफ की। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने भी उत्तर प्रदेश द्वारा बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में घर-घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने और जल संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों को सराहा।

इस उपलब्धि के लिए उत्तर प्रदेश को मिला पुरस्कार

जल संरक्षण और जल प्रबंधन के साथ-साथ उत्तर प्रदेश ने 2023 में सबसे तेजी से 17,900 गांवों को हर घर नल से जल पहुंचाने का कीर्तिमान स्थापित किया था। योगी सरकार के निर्देश पर 2023 में डायरेक्टर ग्राउंड वॉटर-सचिव नमामि गंगे रहते हुए डॉ. बलकार सिंह ने जल संरक्षण और जल प्रबंधन के लिए कई अभिनव प्रयोग किए थे। जिसका लाभ जल प्रबंधन के साथ-साथ किसानों को सिंचाई में भी मिला। प्रदेश में सिंचाई की व्यवस्था बेहतर करने के लिए कुल 6000 से अधिक चेक डैम और 1000 तालाबों का निर्माण किया गया। इसके अलावा जल संरक्षण के लिए 31360 सरकारी भवनों पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण किया गया। 2022 से 2023 में पांच ब्लॉक अतिदोहित और क्रिटिकल श्रेणी से हटाए गए। साथ ही 34 शहरों के औसत भूजल स्तर में सुधार हुआ। प्रदेश में 27,368 पारंपरिक जल निकायों का पुनरोद्धार किया गया। 17279 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया गया। यही वजह थी कि राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार ग्रहण करने के लिए अपर मुख्य सचिव नमामि गंगे के साथ तत्कालीन डायरेक्टर ग्राउंड वॉटर, सचिव नमामि गंगे डॉ बलकार सिंह मौजूद थे।

2.27 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंच चुका नल कनेक्शन

गौरतलब है कि योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना के तहत उत्तर प्रदेश 22 अक्टूबर, 2024 तक 2 करोड़ 27 लाख 77 हजार 194 ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन पहुंचा चुका है। इससे 13.66 करोड़ ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो रहा है। इससे पहले हाल ही में राज्य स्वच्छता एवं पेयजल मिशन को इंटरनेशनल ट्रेड शो में बेस्ट डिस्प्ले अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था।

जनपदों में बांदा सर्वश्रेष्ठ, दुर्गाशक्ति नागपाल ने ग्रहण किया पुरस्कार

पूरे देश में जल संरक्षण में बांदा को जनपदों की श्रेणी में पहला पुरस्कार मिला। बांदा की तत्कालीन जिलाधिकारी (वर्तमान में लखीमपुर डीएम) दुर्गाशक्ति नागपाल ने मंगलवार को राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया। जल संरक्षण व हर घर तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाने के लिए उन्होंने वहां शानदार कार्य किया था।

सीएम योगी ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर नवाया शीश

मथुरा, 22 अक्टूबरः मथुरा के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर दर्शन-पूजन किया। इसके पहले 26 अगस्त को मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर यहां पहुंचकर आराधना की थी। उस समय दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे सीएम ने बांके बिहारी के दरबार में भी मत्था टेका था। मुख्यमंत्री मंगलवार को मथुरा पहुंचे। यहां उन्होंने उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक ली। इसके बाद सीएम ने विकास कार्यों व कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक भी की। यहां के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रीकृष्ण जन्म स्थान गए, वहां दर्शन-पूजन व आरती भी की। सीएम ने यहां केशव देव, योगमाया, गर्भगृह, भागवत भवन आदि के दर्शन किए। मंदिर की तरफ से सीएम का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। सीएम ने यहां उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया।

लखनऊ आर डी एस एस महत्वाकांक्षी योजना के तहत स्मार्ट मीटर लगेंगे

लखनऊ, भारत सरकार की अति महत्वकांक्षी आर डी एस एस योजना के अन्तर्गत सम्पूर्ण प्रदेश के समस्त विद्युत उपभोक्ताओं/परिवर्तकों/फीडरों पर स्मार्ट मीटर प्रतिस्थापित करने का कार्य सम्पादित किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत लगभग 3 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाये जाने हैं। जिसमें से अब तक 19 हजार फीडरों एवं 7800 परिवर्तकों पर स्मार्ट मीटर लगा दिये गये है। इस कार्य हेतु उ0प्र0 पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा 4 एजेंसिया नियुक्त की गयी है, जिनके द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में स्मार्ट मीटर प्रतिस्थापित करने का कार्य किया जायेगा। पूरे प्रदेश में अब तक लगभग 2700 सरकारी संयोजनों पर स्मार्ट मीटर स्थापित किये जा चुके है। इसी क्रम में आज दिनांक 22.10.2024 को उ0 प्र0 पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार गोयल के गौतम पल्ली स्थित सरकारी आवासीय परिसर में मध्याचंल वि0वि0नि0लि0द्वारा स्मार्ट मीटर स्थापित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं हेतु लाभप्रद है साथ ही समस्त उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर प्रतिस्थापित करने के कार्य में अपना सहयोग देने की अपील की गयी।

प्राचीन दुर्गा मंदिर में भव्य संकीर्तन का आयोजन किया गया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सोमवार की देर श्याम नगर के मोहल्ला यादव सारय स्थिति प्राचीन दुर्गा मंदिर में भव्य संकीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें मोहल्ले वासियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभा किया, मोहल्ले वासियों ने भगवान शिव, मां पार्वती, गणेश वंदना, लक्ष्मी माता, दुर्गा माता आदि सभी देवी देवताओं के सुंदर-सुंदर भजन सुनाए, भजन कीर्तन के उपरांत भव्य आरती की गई तथा प्रसाद का विमीय प्रसन्न किया गया मुख्य रूप से शिवसेना के जिला प्रभारी वेद प्रकाश यादव, देवेंद्र यादव, काशीनाथ यादव, वेद प्रकाश यादव, रमेश यादव, महेंद्र यादव, राजेंद्र यादव, कविता यादव, सीमा यादव, भगवती यादव, राजो यादव, रजनी, सुरेश्वरी, सुशीला देवी आदि सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

डीएवी पीजी कॉलेज करनाल ने रचा 47वें जोनल युथ फेस्टिवल में इतिहास,22 विधाओं में जीते पुरस्कार

सांस्कृतिक परंपराओं और विरासतों को संजोए रखने का माध्यम है युथ फेस्टिवलस : डॉ आरपी सैनी

करनाल सुखविंदर सोही

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में एसडी पीजी कॉलेज पानीपत में चल रहे तीन दिवसीय करनाल-पानीपत जोन के 47वें युथ फेस्टिवल में डीएवी पीजी कॉलेज करनाल की टीम ने इतिहास रचते हुए 22 से ज्यादा विधाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त किए हैं। प्राचार्य डॉ रामपाल सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 35 से भी ज्यादा श्रेणियों की विधाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय की टीमों ने 22 से ज्यादा विधाओं में पुरस्कार प्राप्त किए। जिनमें क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल सोलो (नॉन प्रिक्युशन), क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल सोलो (प्रिक्युशन), मेहंदी, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, मिमिक्री, वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल सोलो,एकल अभिनय (हिंदी), लूर डांस, हरियाणवी डांस सोलो (महिला वर्ग),फॉक सांग जरनल सोलो, हरियाणवी आर्केस्ट्रा, रिचुअल्स हरियाणवी, कोरियोग्राफी पॉप सांग हरियाणवी,फॉक सांग हरियाणवी (सोलो), हरियाणवी सांग, रसिया डांस, संस्कृत डेक्लेमेशन, इंडियन आर्केस्ट्रा, हरियाणवी नाटिका, वेस्टर्न ग्रुप सांग,ग्रुप डांस हरियाणवी

जैसी बड़ी हरियाणवी विधाएं शामिल हैं।

प्राचार्य डॉ रामपाल सैनी ने कहा कि सांस्कृतिक परंपराओं और विरासतों को संजोए रखने के लिए युथ फेस्टिवल जरूरी है जिनसे विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से रूबरू होने का अवसर मिलता है उन्होंने विद्यार्थियों की ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि युथ फेस्टिवलस से विद्यार्थियों में जहां संस्कृति का प्रचार-प्रसार होता है साथ ही उन्हें।

नगर निगम ने बुढाखेड़ा दनियालपुर ड्रेन व प्रतीमपुरा कॉलोनी से हटाए अवैध कब्जे, निगम की भूमि को कराया कब्जा मुक्त-देवेन्द्र शर्मा, संयुक्त आयुक्त।

करनाल सुखविंदर सोही

नगर निगम आयुक्त नीरज कादियान के निर्देश पर भूमि शाखा के प्रवर्तन दल ने निगम की जमीन पर कब्जा कर अवैध रूप से किए गए निर्माण पर एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। यह कार्रवाई बुढाखेड़ा स्थित दनियालपुर ड्रेन व प्रतीमपुरा कॉलोनी क्षेत्र में की गई। यह जानकारी नगर निगम के संयुक्त आयुक्त देवेन्द्र शर्मा ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि उक्त स्थानों पर कुछ नागरिकों की ओर से नगर निगम की भूमि पर कब्जे कर अवैध रूप से निर्माण किए गए थे। करीब 20 लोगों को निगम की ओर से कब्जा खाली करने के दो-दो नोटिस भी जारी किए गए थे। इसके अतिरिक्त माननीय उच्च न्यायालय की ओर से भी निगम की भूमि को खाली करवाने के आदेश हुए थे। उन्होंने बताया कि नगर निगम अधिनियम 1994 की धारा 408-ए के तहत नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए करीब 1 एकड़ 6 कनाल भूमि को कब्जा मुक्त करवाया गया है। उन्होंने बताया कि नोटिस जारी करने के बावजूद भी उक्त कब्जाधारियों की ओर से कब्जे खाली नहीं किए गए। इसके बाद नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए जे.सी.बी. की मदद से एक नवनिर्मित दुकान, मकानों की नींव, चारदीवारी, रैम्प, शैड व बाड़े इत्यादि को गिराया गया। उन्होंने बताया कि मौके पर कुछ मकानों में लोगों की रिहायश थी। उनके द्वारा लिखित रूप में दिया गया कि उन्हें अपनी तसल्ली करने के लिए निशानदेही करवानी है। इसके लिए लोगों ने 15 दिनों का समय मांगा है। उन्होंने बताया कि इसके बावजूद भी लोग यदि निगम की भूमि से कब्जा नहीं हटाएंगे, तो नगर निगम कार्रवाई कर अपनी भूमि को कब्जा मुक्त करवाएगा। कार्रवाई में नगर निगम की कार्यकारी अभियंता मोनिका शर्मा।

त्यौहारों के सीजन में बाजारों में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी : थाना प्रभारी

लाडवा थाना प्रभारी कुलदीप सिंह जानकारी देते हुए। (डिम्पी)

लाडवा अक्टूबर : लाडवा थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने कहा कि कि त्योहारों के सीजन में किसी भी प्रकार की बाजारों में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। सभी आने-जाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है। लाडवा थाना प्रभारी कुलदीप सिंह सोमवार को थाना में पत्रकारों से बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि दीपावली जैसा बड़ा पर्व नजदीक है। जिसको लेकर लाडवा पुलिस ने पूरी तरह से अपनी कमर कस ली है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि बाजार में बड़े वाहन लेकर जाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा ताकि बाजार में कोई भी जाम अधिक स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि सभी होटल, धर्मशाला वालों से अपील है कि वह अपने संस्थान पर किसी भी अनजान व्यक्ति को कोई भी कैमरा आदि न दें और यदि देते हैं तो उसका आधार कार्ड व आईडी पूर्ण रूप से लेने के बाद ही दें। उन्होंने कहा कि कुछ पुलिसकर्मी बिना वर्दी के भी शहर में घूम रहे हैं, जो हर व्यक्ति पर अपनी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने दुकानदारों से भी अपील की कि वह ज्यादा अधिक सडकों तक अपने सामान को न लगाए।

किसान मेला एवं बीज दिवस का आयोजन पर किसानो के लिए जलेबी ओर भोजन की अवस्था की

करनाल सुखविन्दर सोही

करनाल। भाकृअनुप-भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल के तत्वाधान में दिनांक 19-22 अक्तूबर 2024 के दौरान प्राकृतिक खेती आधारित किसान मेला एवं बीज दिवस का आयोजन किया जा रहा है। गौरतलब है कि इस प्राकृतिक खेती थीम आधारित किसान मेले एवं बीज दिवस को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा है। इस किसान मेले का आगाज 19 अक्तूबर को उद्घाटन सत्र से हुआ था। प्रतिदिन इस किसान मेले में हजारों की संख्या में किसान भाई-बहन शिरकत कर रहे हैं। प्रतिदिन किसानों को क्षेत्रवार संस्थान में बुलाया जा रहा है जिन्हें उन्नत किस्मों के बीज के साथ नव-तकनीकी ज्ञान दिया जा रहा है। भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ ओम प्रकाश अहलावत ने बताया इस किसान मेले एवं बीज दिवस के चौथे दिन 21 अक्तूबर को हरियाणा राज्य से आये आईआईडब्ल्यूबीआरबीज पोर्टल पर पंजीकृत किसानों को गेहूँ की डीबीडब्ल्यू 187, डीबीडब्ल्यू 222, डीबीडब्ल्यू 303, डीबीडब्ल्यू 327, डीबीडब्ल्यू 332, डीबीडब्ल्यू 370, डीबीडब्ल्यू 371, डीबीडब्ल्यू 372 डीबीडब्ल्यू 316 आदि किस्मों एवं जौ की डीडब्ल्यूआरबी 137 किस्म का बीज वितरित किया गया। इस अवसर पर डॉ जोगिंदर सिंह मलिक निदेशक महाराणा प्रताप बागवानी विश्व विधालय करनाल मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को ऐसे आयोजन से फायदा उठाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा वैज्ञानिकों की सलाह को अपनाने की गुजारिश की। किसान मेले में तकनीकी भाषण के दौरान डॉक्टर अनिल खिप्पल ने गेहूं एवं जों की अधिक पैदावार लेने की तकनीक बताई तथा प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी। डॉ प्रेम लाल ने गेहूं एवं जो की बीमारियों व उनके रोकथाम के बारे में विस्तार से बताया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ नीरज कुलश्रेठ ने।

वादा पूरा होने पर चंडीगढ़ पहुंचा समौरा गांव का वह बच्चा शक्ति सिंह जिसने गुल्लक के पैसों से मुख्यमंत्री को भेंट किया था पैन

करनाल, सुखविंदर सोही

करनाल। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी के नेतृत्व में डी.एस.सी. समाज (वंचित अनुसूचित जाति) के लोगों ने सोमवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से उनके आवास पर मिलकर उनका धन्यवाद किया है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर शपथ लेने के बाद पहली कलम से वंचित अनुसूचित जातियों की मांग पूरी की है। हरियाणा की अनुसूचित जातियों में समानुपात आरक्षण का वर्गीकरण वंचित अनुसूचित जातियों के लिए जिनकी 36 उप जातियां हैं, वह लागू किया है। पूर्व मंत्री बिशंबर वाल्मीकि, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, अमरजीत सोलंकी, विधायक कपूर वाल्मीकि, रामअवतार वाल्मीकि, डी.एस.सी. एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजिंद्र सिंह तेजी, दिनेश वाल्मीकि व सुभाष चंद्र सहित सर्व डी.एस.सी. समाज ने सी.एम. का आभार जताया। करनाल जिले के समौरा गांव के बच्चे शक्ति सिंह भी चंडीगढ़ में सी.एम. सैनी को धन्यवाद पत्र सौंपा। बीती 16 अगस्त को इंद्री में जन आशीर्वाद रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को संबोधित करने आना था। तब तेजिंद्र सिंह तेजी के नेतृत्व में प्रदेश भर से डी.एस.सी. समाज के हजारों लोग समौरा से इंद्री तक 9 किलोमीटर बारिश के दौरान पैदल चलकर रैली में पहुंचे और सी.एम. के समक्ष अपनी मांग रखी थी। शक्ति सिंह ने अपनी गुल्लक तोडकर चांदी का पैन खरीदकर सीं.एम को भेंट कर उनकी तकदीर लिखने की अपील की थी। तब बच्चे की भावनाओं पर सीएम का मन पिंघल गया और उन्होंने वादा किया था कि इस काम को अवश्य पूरा करेंगे। वादा पूरा होने पर शक्ति सिंह ने चंडीगढ़ पहुंच सीएम का आभार जताया। तेजी ने कहा कि सी।

विद्यार्थी अपनी प्रतिभा व कौशल का करें उत्कृष्ट प्रदर्शन : प्रो. संजीव शर्मा

दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन करते कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा।

केयू जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एनिमेशन डे पर विभिन्न प्रतियोगिताएं

कुरुक्षेत्र, अक्तूबर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मीडिया एवं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा अंतरराष्ट्रीय एनिमेशन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि कहा कि विद्यार्थी अपनी प्रतिभा व कौशल का करें उत्कृष्ट प्रदर्शन क्योंकि यह जिन्दगी दोबारा नहीं मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग, क्ले आर्ट, डिजिटल पोस्टर की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में रचनात्मकता होती है, ऐसे अवसर उस रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का एक उचित माध्यम होते हैं। विद्यार्थी केवल क्लासरूम तक ही सीमित न रहें, अपने अंदर छुपी प्रतिभा व कौशल को पहचाने व प्रदर्शित करें। उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि संस्थान पिछले चार वर्षों से अंतरराष्ट्रीय एनिमेशन दिवस का नियमित आयोजन कर रहा है जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी अपनी कला व कौशल को दूसरे विद्यार्थियों से साझा कर अपनी पहचान बना रहा है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्थान भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम करता रहेगा जिससे विद्यार्थी न केवल अपने लिए रोजगार प्राप्त करने में सक्षम हों बल्कि वे इतने आत्मनिर्भर बने कि दूसरों को भी रोजगार दे सकें। उन्होंने संस्थान की निदेशिका प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह संस्थान और विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि देश भर से 400 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है जिसके परिणाम आज मंगलवार को घोषित कर विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस आयोजन को और भी बड़े स्तर पर लेकर जाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यक्रम का आयोजन करने वाली विद्यार्थियों की टीम की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि कार्यक्रम की सफलता उनकी अथक मेहनत का परिणाम है।

भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल के कर्मचारियों ने जोधपुर में परचम फहराया

कबड्डी में स्वर्ण पदक साइकिल और लांग जम्प में कांस्य पदक जीता

करनाल। बिटू संधु

करनाल। भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान के कर्मचारियों ने आई सी ए आर द्वारा आयोजित इंटर जौनल स्पोर्ट्स मीट में अपनी जीत का परचम लहराया। यह जानकारी देते हुउए मीडिया संयोजक राजेंद्र शर्मा ने बताया कि जौधपुर में अरयोजित स्पार्ट्स मीट में कबड्डी टीम ने गोल्ड मेडल जीता। इसके अलावा कांस्य पदक भी जीता। संस्थान की कबड्डी टीम में नरेश कुमार कप्तान थे। इस टीम में विनोद कुमार सुनील यूडीसी, रामपाल, सेनील एएओ, सुनील कुंडू, अमर, अंकुर, देश राज, योगेया कुमार, रमेश रामू साहू शामिल थे। इस टीम ने बेहतर प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल जीता। इसके अलावा लांग जम्प में नरेश कुमार ने कांस्य पदक और पांच हजार मीटर की साइकिल रेस में रामू साहा ने कांस्य पदक जीता। खिलाडियों का करनाल पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

जिले की मंडियों में अब तक 6 लाख 81 हजार 593 मीट्रिक टन धान की हुई आवक :उपायुक्त उत्तम सिंह।

करनाल, सुखविंदर सोही

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिला में धान की खरीद का कार्य जारी है। गत दिवस तक जिले की मंडियों में 6 लाख 81 हजार 593 मीट्रिक टन धान की खरीद सरकारी एजेंसी द्वारा की गई। खरीदी गई धान का उठान तुरंत करवाने के आदेश खरीद एजेंसी को दिए गए हैं। उपायुक्त ने बताया कि धान की खरीद का कार्य जिले में 15 मंडी/परचेज सेंटरों पर शुरू कर दिया गया है। अब तक 6 लाख 81 हजार 593 मीट्रिक टन धान मंडियों में आई, जिससे सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा खरीदा गया। इसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 4 लाख 56 हजार 726 मीट्रिक टन धान, हैफेड द्वारा 1 लाख 35 हजार 852 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर हाऊस कापोर्रेशन द्वारा 89 हजार 15 मीट्रिक टन धान खरीदा गया। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे धान को सुखाकर मंडियों में लेकर आएं ताकि उन्हें फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना से आत्मनिर्भर होंगी महिलाएं : उपायुक्त

मातृशक्ति उद्यमिता योजना के तहत महिलाओं को उपलब्ध कराया जाता है 3 लाख का ऋण

करनाल, राजेश जिंदल

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त, स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनके माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता से लेकर स्वरोजगार स्थापित करने में सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की गई है। इस योजना का लाभ 18 से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं को प्रदान किया जाता है जिनकी पारिवारिक आय 5 लाख या फिर इससे कम हो। इसके अतिरिक्त पात्र महिला पूर्व के किसी ऋण मामले में डिफॉल्टर नहीं होनी चाहिए। महिला को हरियाणा का निवासी होना अनिवार्य है। यह योजना महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बेहद कारगर सिद्ध होगी तथा उनके जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। उन्होंने बताया की योजना के माध्यम से महिलाओं को 3 लाख रुपये तक का ऋण 7 प्रतिशत ब्याज दर की छूट पर उपलब्ध करवाया जाता है। इस ऋण के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार स्थापित करके दूसरे नागरिकों को भी रोजगार प्रदान कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि योजना से जुड़ी जानकारी के लिए हरियाणा महिला विकास निगम के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

हरियाणा का मुख्यमंत्री बनने के बाद नायब सिंह सैनी ने की जेपी नड्डा से मुलाकात

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर राज्य को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर मार्गदर्शन मांगा। बैठक के बाद सैनी ने एक्स पर लिखा, "आज दिल्ली में के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की तथा विभिन्न विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।" बैठक का उद्देश्य हरियाणा को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करना था। रविवार को, नई सरकार के शपथ ग्रहण के कुछ ही दिनों बाद, मुख्यमंत्री सैनी ने गृह और वित्त सहित प्रमुख विभागों को अपने पास बरकरार रखा, क्योंकि मंत्रिपरिषद को कैबिनेट विभाग आवंटित किए गए थे। सैनी ने गृह, वित्त, आबकारी और कराधान, योजना, नगर और ग्राम नियोजन, शहरी संपदा, सूचना, जनसंपर्क, भाषा और संस्कृति, न्याय प्रशासन, सामान्य प्रशासन, सभी के लिए आवास, आपराधिक जांच (सीआईडी), कार्मिक और प्रशिक्षण, और कानून और विधायी विभागों की देखरेख की। इस बीच, मंत्री अनिल विज को ऊर्जा, परिवहन और श्रम तथा मंत्री श्रुति चौधरी को महिला एवं बाल विकास के साथ-साथ सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग सौंपा गया। हरियाणा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के तहत नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पंचकूला के सेक्टर 5 स्थित दशहरा मैदान में आयोजित समारोह में सैनी और उनके मंत्रिपरिषद को पद की शपथ दिलाई।

ग्राफिक्स एवं एनिमेशन पर आधारित 14 प्रतियोगिताएं करवाई

दो दिवसीय कार्यक्रम में ग्राफिक्स एवं एनिमेशन पर आधारित 14 प्रतियोगिताएं करवाई जा रही हैं जिनमें शॉर्ट फिल्म, फोटोग्राफी, ब्रैंड डिजाइन, मीम क्रिएशन, 3डी करेक्टर व सीन डिजाइन, इलस्ट्रेशन डिजाइन, स्टॉप मोशन, डिजिटल एवं हैंडमेड पोस्टर प्रतियोगिता, बीजीएमआई मोबाइल गेमिंग, कैप्शन राइटिंग, फेस पेंटिंग एवं क्विज इत्यादि शामिल हैं। इनमें से ब्रैण्ड डिजाइन, फोटोग्राफी, शॉर्ट फिल्म और मीम क्रिएशन चार ऐसी प्रतियोगिताएं हैं जिसके लिए पूरे भारत से प्रतिभागियों ने कृतियां जमा करवा अपनी भागीदारी दशार्यी है। मंच का संचालन ग्राफिक्स एवं एनिमेशन के अध्यापक राहुल ने किया एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के सुचारू योजना करने में संस्थान के अन्य अध्यापकों मोनिका, नितिन मुकेश, सन्नी व अपर्णा ने अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ. मधुदीप सिंह, राजेश, सुनिता, ऋतु, गौरव, सचिन वर्मा, राकेश कुमार, सपना, प्रिति, अमित जांगड़ा, डॉ. रोशन लाल, डॉ अभिनव, जितेन्द्र रोहिला, सतीश राणा, कंवरदीप सहित सभी शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद थे।

दीया डेकोरेशन, बेस्ट आउट आफ वेस्ट व मेहंदी डिजाइन प्रतियोगिता में दिखाई विलक्षण प्रतिभा

प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

रोट्रैक्ट क्लब ने बड़ौंदा सरकारी स्कूल में बांटी पाठ्य स्टेशनरी

रोक्ट्रैक्ट क्लब लाडवा के सदस्य स्कूल में बच्चों में स्टेशनरी वितरित करते हुए। (डिम्पी)

लाडवा अक्टूबर : लाडवा के गांव बड़ौंदा स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में सोमवार को स्कूल में पढ़ने वाले लगभग 80 बच्चों को रोट्रैक्ट क्लब की ओर से स्टेशनरी व रजिस्टर आदि वितरित किए गए। रोट्रैक्ट क्लब के प्रधान प्रशांत गर्ग ने बताया कि रोट्रैक्ट क्लब समय-समय पर ऐसे कार्य करता रहता है और जरूरतमंदों की सेवा व उनकी जरूरतें पूरी करने का प्रयास करने में लगे रहते हैं। उसी कड़ी में लगभग 80 बच्चों को जोकि राजकीय प्राथमिक पाठशाला बड़ौंदा के स्कूल में पढ़ते हैं, उन्हें क्लब की ओर से स्टेशनरी रजिस्टर आदि वितरित किए गए। वहीं स्कूल की प्राचार्य रितु गुप्ता ने रोट्रैक्ट क्लब के पदाधिकारी में सदस्यों का आभार जताया और उनके इस कार्य के लिए उनकी प्रशंसा भी की। इस अवसर पर चिराग मेहता, अनुभव मिगलानी, कलवंत सिंह, रितु रानी, कपिल शर्मा, अक्षय गर्ग, अखिल गर्ग, मयंक मेहता, जसमोहन सिंह सहित स्कूल स्टाफ उपस्थित था।

पुलिस लाइन में मनाया पुलिस स्मृति दिवस

शहीद स्मारक पर शहीद जवानों को दी श्रद्धाजंलि

शहीद स्मारक पर शहीद जवानों को श्रद्धाजंलि देते पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला।

कुरुक्षेत्र, अक्तूबर : जिला पुलिस कुरुक्षेत्र द्वारा जिला में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। पुलिस लाईन स्थित शहीद स्मारक पर देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सभी शहीद जवानों को याद कर श्रद्धाजंलि दी गई। पुलिस अधीक्षक वरूण सिंगला ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा आज विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर शहीदों को याद किया गया। पुलिस शहीद स्मृति दिवस पर पुलिस लाईन स्थित शहीद स्मारक पर पुलिस के शहीद जवानों की स्मृति में पुलिस परेड का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक वरूण सिंगला ने पुलिस ने शहीद स्मारक पर पुष्प-चक्र अर्पित कर शहीद जवानों को श्रद्धाजंलि दी। सलामी गार्द द्वारा शहीद जवानों को सलामी दी गई। पुलिस जवानों द्वारा शहीदों की याद में दो मिनट का मौन धारण किया गया।

सीआरपीएफ के शहीद जवानों की याद में मनाया जाता है पुलिस स्मृति दिवस : 21अक्टूबर को प्रत्येक वर्ष पुलिस स्मृति दिवस के रुप में मनाया जाता है। पूरे देश में पुलिस स्मरण दिवस मनाने के महत्व के बारे में सीआरपीएफ की एक टुकड़ी की बहादुरी का एक किस्सा है। आज से 63 वर्ष पूर्व 21 अक्टूबर 1959 में लद्दाख में सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन की एक कम्पनी को भारत-तिब्बत सीमा की सुरक्षा के लिए लद्दाख के हाट-स्प्रिंग में तैनात किया गया था। कम्पनी को टुकड़ियों में बांटकर चौकसी करने को कहा गया। जब सीआरपीएफ बल के 21 जवानों का गश्ती दल हाट-स्प्रिंग में गश्त कर रहा था तभी चीनी फौज के एक बहुत बड़े दस्ते ने इस गश्ती टुकड़ी पर घात लगाकर आक्रमण कर दिया। तब इस बल के मात्र 21 जवानों ने चीनी आक्रमणकारियों का डटकर मुकाबला किया। मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ते हुए 10 शूरवीर जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। तभी से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उन बहादुर जवानों के बलिदान की याद में हर वर्ष देश के सभी राज्यों की पुलिस व अर्धसैनिक बलों द्वारा 21 अक्तूबर को पुलिस स्मरण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

कुरुक्षेत्र, अक्तूबर : कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ संजीव शर्मा एवं केयू के सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल की वाइस चेयरपर्सन डॉ सुनीता दलाल के निदेर्शानुसार प्रधानाचार्य डॉ सुखविंदर सिंह के मार्गदर्शन में विद्यालय में आने वाले त्योहारों के उपलक्ष्य में शनिवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने दीया डेकोरेशन, दिवाली कार्ड मेकिंग, बेस्ट आउट आफ वेस्ट और मेहंदी डिजाइन प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी विलक्षण प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला छात्रावास की चीफ वार्डन प्रोफेसर कुसुम लता, लॉ संस्थान की निदेशिका डॉ सुशीला देवी, आईएचएस संस्थान की प्रिंसिपल डॉ. रीटा दलाल व प्रोफेसर अमित लुदरी की धर्मपत्नी डॉ. रेनू ने शिरकत की। स्कूल की वाइस चेयरपर्सन डॉ. सुनीता दलाल ने आने वाले सभी त्योहारों की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गतिविधि आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर होने से बच्चों की मानसिक शक्ति का संवर्धन होता है। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य डॉक्टर सुखविंदर सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में पीयूष ने मारी बाजी

केयू सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में आयोजित कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में पीयूष व तन्वी ने प्रथम, जैनिस व साहिल ने द्वितीय तथा आयुषी व पलक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ईशा, द्वितीय स्थान हर्ष व युवराज तथा तृतीय स्थान रिया, महक व आरजू ने हासिल किया। दीया डेकोरेशन में जसमीत कौर व यश ने पहला, द्वितीय स्थान मीनाक्षी व जश्नप्रीत तथा तृतीय स्थान वंशिका व सोनाक्षी ने प्राप्त किया।

देश पर मर मिटने वाले अमर शहीदों स्वतंत्रता सेनानियों अमर सैनिकों एवं वीर सपूतों के सम्मान में बेतिया में स्थापित हो विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युद्ध स्मारक एवं राष्ट्रीय संग्रहालय।

भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद-ए-आजम अशफाक उल्लाह खान की जन्म दिवस पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन ,मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद-ए-आजम अशफाक उल्लाह खान की 124 वी जन्मदिवस पर एक सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया ,जिसमें सभी धर्मों के लोगों ने भाग लिया ।इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय पीस एम्बेसडर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता, डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल चांसलर प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय झारखंड, डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहिया, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक ,सामाजिक कार्यकर्ता नवीदूं चतुवेर्दी ने संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज ही के दिन 22 अक्टूबर 1900 ई 0 को अमर शहीद अशफाक उल्लाह खान का जन्म हुआ था ।सत्याग्रह की जन्मस्थली बेतिया पश्चिम चंपारण से उनका गहरा लगाव रहा ।विभिन्न अवसरों पर राष्ट्रीय आंदोलन को धारदार बनाने के लिए उन्होंने चंद्र शेखर आजाद के साथ चंपारण का दौरा किया था। अंग्रेजी शासन से देश को आजाद कराने के लिए हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूम कर अपने प्राणों की आहुति देने वाले अशफाक उल्लाह खान जंग-ए-आजादी के महानायक थे। निर्भय और प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद अशफाक उल्लाह खान भारत माँ के सच्चे सपूत थे। काकोरी कांड के बाद जब अशफाक उल्लाह को गिरफ्तार कर लिया गया तो अंग्रेजों ने उन्हें सरकारी गवाह बनाने की कोशिश की और कहा कि यदि हिन्दुस्तान आजाद हो भी गया तो उस पर हिन्दुओं का राज होगा तथा मुसलमानों को कुछ नहीं मिलेगा। इसके जवाब में अशफाक ने अंग्रेजों से कहा था- तुम लोग हिन्दू-मुसलमानों में फूट डालकर आजादी की लड़ाई को नहीं दबा सकते। हिन्दुस्तान में क्रांति की ज्वाला भड़क चुकी है जो अंग्रेजी साम्राज्य को जलाकर राख कर देगी। हिंदुस्तान आजाद हो कर रहेगा। अपने दोस्तों के खिलाफ मैं सरकारी गवाह बिल्कुल नहीं बनूंगा। महान स्वतंत्रता सेनानी अशफाक पर महात्मा गांधी का काफी प्रभाव था, लेकिन चौरी-चौरा कांड के बाद जब महात्मा गांधी ने अपना असहयोग आंदोलन वापस ले लिया था, तब हजारों की संख्या में युवा खुद को धोखे का शिकार समझ रहे थे। अशफाक उल्लाह खान उन्हीं में से एक थे। उन्हें लगा अब जल्द से जल्द भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति मिलनी चाहिए। इस उद्देश्य के साथ वह शाहजहांपुर के प्रतिष्ठित और समर्पित क्रांतिकारी राम प्रसाद बिस्मिल और चंद्रशेखर आजाद के साथ जुड़ गए। आर्य समाज के एक सक्रिय सदस्य और समर्पित पंडित राम प्रसाद बिस्मिल अन्य धर्मों के लोगों को भी बराबर सम्मान देते थे। वहीं दूसरी ओर एक मुसलमान परिवार से संबंधित अशफाक उल्लाह खान भी ऐसे ही स्वभाव वाले थे। धर्मों में भिन्नता होने के बावजूद

दोनों का मकसद सिर्फ देश को स्वराज दिलवाना था। यही कारण है कि जल्द ही अशफाक उल्लाह, राम प्रसाद बिस्मिल के विश्वासपात्र बन गए। धीरे-धीरे इनकी दोस्ती भी गहरी होती गई। इन दोनों क्रांतिकारियों की दोस्ती आज भी हिन्दू मुस्लिम-एकता की एक बेहतरीन मिसाल है। अशफाक शाहजहांपुर छोड़कर बनारस चले गए। इसके बाद वो बिहार चले आए और यहां एक इंजीनियरिंग कंपनी में 10 महीने तक काम किया। इसके बाद उन्होंने विदेश जाने की योजना बनाई ताकि क्रांति को जारी रखने के लिए बाहर से मदद करते रहें। इसके लिए वह दिल्ली आकर अपने एक मित्र के संपर्क में आए ,लेकिन इस मित्र ने अंग्रेजों द्वारा घोषित इनाम के लालच में आकर पुलिस को सूचना दे दी। गद्दारी से अशफाकुल्लाह खान पकड़े गए। अशफाक को फैजाबाद जेल भेज दिया गया। जेल में रखकर अशफाक उल्लाह खान को कड़ी यातनाएं दी गईं। अशफाक उल्लाह के वकील भाई रियासतुल्लाह ने बड़ी मजबूती से अशफाक का मुकद्दमा लड़ा, लेकिन अंग्रेज उन्हें फांसी पर चढ़ाने पर आमादा थे और आखिरकार अंग्रेज जज ने डकैती जैसे मामले में काकोरी कांड में चार लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई। जिनमें राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्लाह खां शामिल थे। 19 दिसंबर, 1927 को एक ही दिन एक ही समय लेकिन अलग-अलग जेलों (फैजाबाद और गोरखपुर) में दोनों दोस्तों, राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्लाह खान को फांसी दे दी गई। मरते दम तक दोनों ने अपनी दोस्ती की एक बेहतरीन मिसाल कायम की और एक साथ इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि देश पर मर मिटने वाले अमर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, भारत माता की वीर सपूतों एवं अमर सैनिकों के सम्मान में बेतिया पश्चिमी चंपारण में विश्वविद्यालय ,राष्ट्रीय युद्ध स्मारक एवं राष्ट्रीय संग्रहालय बनाया जाए ताकि नई पीढ़ी देश पर मर मिटने वाले अमर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों ,वीर सैनिकों एवं अपने पुरखों के त्याग एवं बलिदान को नई पीढ़ी जान सके। यही होगी सरकार द्वारा सच्ची श्रद्धांजलि।

पेशेंट स्टेक होल्डर प्लेटफार्म के माध्यम से फाइलेरिया पर जागरूक होंगे समुदाय

बोचहां प्रखंड के पांच एचडब्ल्यूसी में बनेगा पेशेंट स्टेक होल्डर प्लेटफार्म

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

मुजफ्फरपुर। बोचहां प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पेशेंट स्टेक होल्डर प्लेटफार्म बनाने को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमन कुमार ने कहा कि प्रखंड के पटियासा में पहले से पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफार्म के माध्यम से समुदाय में फाइलेरिया के बारे में जागरूकता व प्रचार प्रसार की जा रही है। डॉ रमन ने कहा कि आशा के प्रयास से 40 प्रतिशत लोग एमडीए के दौरान दवाओं का सेवन करते हैं। ऐसे में पंचायत स्तर पर अन्य स्टेक होल्डर का प्रयास इसमें निसंदेह इजाफा करेगा। पटियासा के सीएचओ रंजन जायसवाल ने बताया कि वे अपने एचडब्ल्यूसी पर सभी स्टेक होल्डर के साथ तीन बार मीटिंग कर लिया है। इस पर एमओआईसी ने कहा कि पीएसपी एक अच्छी पहल है। इसमें सभी एक मंच पर आकर फाइलेरिया के बारे में जागरूक करेगें। बोचहां के जिन पांच एचडब्ल्यूसी पर पीएसपी का गठन होगा उनमें हमीदपुर, बासौली, मझौली, मझौलिया, सरफुद्दीन शामिल है। बैठक में एमओआईसी डॉ रमन कुमार, बीएचएम आशीष मिश्रा, बीएचआई संजय रंजन, पिरामल से सृष्टि वर्मा के अलावे सीएचओ रंजन जयसवाल, पूजा रानी, सत्यम कुमार, दिव्या कुमारी, एएनएम समिता कुमारी, मीना कुमारी, नीलम कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जगह-जगह लगें जुआ के फड़, युवा हो रहे बर्वाद

जालौन-उरई । दीपावली के आते ही नगर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जुआ के अड्डे सजने लगे हैं। जगह जगह सजते जुआ के अड्डों पर युवा युवा पीढ़ी बर्बाद हो रहे हैं। इसके बाद भी जिम्मेदार मूक दर्शक बने हुए हैं। अंधकार पर जीत के पर्व दीपावली को अभी एक सप्ताह शेष है। अभी से नगर व ग्रामीण क्षेत्र में जुआ के फड़ जगह जगह सजने लगे हैं। नगर में कोतवाली के पीछे लौना मार्ग पर गोस्थान के पास, हरीपुरा, हिरदेशाह बजरिया, जोशियाना, बालाजी मंदिर के पीछे, औरइया मार्ग, सहावनाका तथा ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम गायर में टावर पास, पहाड़पुरा में बैंक के पास, उरगांव में अस्पताल के पास, पमां माता मंदिर के पास, औरेखी सुढ़ार भदवां, माड़री में बीच गांव में दुकान के पास ,नैनपुरा आदि गांवों में जुआ के फड़ सज रहे हैं। जुआ के खेल में पड़ कर युवा पैसा बर्बाद कर रहे हैं। पैसा हारने के बाद युवक उसकी भरपाई करने के लिए गैर कानूनी काम करने लगते हैं और अपराध बढ़ने लगते हैं। गांव गांव जुआ के फड़ सज रहे हैं। इसके बाद भी पुलिस इन को बंद नहीं करा पा रही है। जुआ के फड़ बंद न होने से पुलिस की छवि धूमिल हो रही है तथा उसकी साख को बट्टा लग रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस जनपद में जुआ के खिलाफ अभियान चला रही है तथा लगातार कार्यवाही की जा रही है उसे और तेज किया जा रहा है।

पानी की टंकियों के आस-पास फैली गंदगी से तहसील आने वाले पानी को परेशान

जालौन-उरई। तहसील में आने वाले लोगों को लिये पेयजल के लिए टंकी बनी हुई है। इसके साथ ही गेट के बगल में पेशाब घर बना हुआ। तहसील परिसर में बनी दोनों जन सुविधाओं के स्थान पर नियमित सफाई न होने से गंदगी बनी रहती है। गंदगी के चलते लोगों को इनका प्रयोग करने में दिक्कत होती है। तहसील परिसर में तहसीलदार कार्यालय के साथ उपजिलाधिकारी कार्यालय, सुलह अधिकारी कार्यालय, राज्य कर्मचारी कल्याण निगम का बिक्री काउंटर संचालित हो रहा है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं। यहां आने वाले लोगों की सुविधा के लिए मुख्य दरवाजे की दाहिनी ओर पेयजल के लिए पानी की टंकी बनी हुई है और बायी ओर पेशाबघर बना हुआ है। पानी की टंकी के आसपास व पेशाब घर में फैली गंदगी के कारण बदबू आती है और लोगों को इसका प्रयोग करने में दिक्कत हो रही है। तहसील परिसर में जन सुविधाओं के पास पसरी गंदगी से जनता परेशान हैं। समाजसेवी अमित सैनी, मनोज रिछारिया, राधेमोहन, रहीस नाना, सुनील त्रिपाठी ने एसडीएम से मांग की है कि पेयजल की टंकी व पेशाबघर में प्रतिदिन सफाई कराई जाए। जिससे आम जनता का इनका उपयोग करने में परेशानी न हो।

मायके आने के बाद महिला ससुराल जाने की बात कहकर घर से लापता

जालौन-उरई । मायके आने के बाद महिला ससुराल जाने की बात कहकर घर से चली गई। लेकिन ससुराल न पहुंचने पर पति ने कोतवाली में तहरीर देकर पत्नी की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। उन्नाव के मोहल्ला कप्पाखेड़ा सिविल लाइंस निवासी दीपक शुक्ला ने पुलिस को बताया कि उसकी ससुराल कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उरगांव में है। उनकी पत्नी सुलेखा को किसी काम के चलते अपने मायके उरगांव जाना था। 15 दिन पूर्व उन्होंने पत्नी को मायके भेज दिया था। चार दिन बाद उन्हें पत्नी को लेने जाना था। जिसके लिए उन्होंने ससुराल में फोन किया। तो सास ने बताया कि सुलेखा एक दिन पहले ही उन्नाव के लिए निकल गई है। लेकिन वह उन्नाव नहीं पहुंची। जिसके बाद उसकी तलाश शुरू की। लेकिन सभी नाते रिश्तेदार और अन्य जगहों पर तलाश करने के बाद भी उसका कहीं पता नहीं चला। पति ने पत्नी की सकुशल बरामदगी की गुहार पुलिस से लगाई है।

हार जीत की बाजी लगाते हुए दो गिरफ्तार

जालौन-उरई। हार जीत की बाजी लगाते हुए छिरिया मलकपुरा चौकी पुलिस ने दो व्यक्तियों को पकड़ा है। जिनके पास से पुलिस ने लगभग 17 हजार रुपये व दो बाइक बरामद की हैं। छिरिया मलकपुरा चौकी प्रभारी राजकुमार पांडेय को सूचना मिली कि सुढार सालाबाद में मंदिर के पास कुछ लोग हार जीत की बाजी लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही वह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। जहां पुलिस को देखते ही कुछ जुआरी मौके से भाग निकले। जबकि पुलिस ने मौके से सुमित कुमार व आकाश को दबोच लिया। जिनके पास से पुलिस ने ताश की गड्डी समेत लगभग 17 हजार रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा पुलिस ने मौके से दो बाइक भी बरामद की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

तीन लोगों ने युवक के साथ की मारपीट

जालौन-उरई। रंजिश के चलते तीन लोगों ने युवक के साथ की मारपीट। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लौना निवासी चरण सिंह ने पुलिस को बताया कि उनके गांव के ही सीताराम उससे रंजिश मानते हैं। अक्सर विवाद करते रहते हैं। सोमवार की सुबह वह घर के बाहर काम कर रहा था। तभी सीताराम व उनके साथी टिंकू व बॉबी आ गए और गाली, गलौज करने लगे। मना करने पर मारपीट कर दी। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी है। पीि?त की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

ऑनलाइन खरीददारी के खिलाफ सपा कांग्रेस ने निकाली ग्राहक जागरुकता यात्रा

■ कोंच

नगर समाजवादी पार्टी एवं कांग्रेस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के विरोध में ग्राहकों को जागरूक करने के लिए नगर में ग्राहक जागरुकता यात्रा निकाली।यात्रा का आह्वान सपा प्रदेश नेतृत्व द्वारा किया गया था। कांग्रेसी भी इस पदयात्रा में शामिल रहे।समाजवादी पार्टी के फ्रंटल संगठन सपा व्यापार सभा द्वारा नगर में ग्राहक जागरूकता पदयात्रा निकाली गई। सुबह लवली चौराहे पर एकत्रित हुए तमाम कार्यकर्ताओं ने सपा नगर अध्यक्ष अमित यादव एवं व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज इकडया ने कहा, पदयात्रा का मकसद ऑनलाइन ट्रेडिंग के खिलाफ उपभोक्ताओं को जागरूक करना है ताकि वह जो भी खरीददारी करें, खुदरा दुकानों से ही करें जिससे बाजारों में बैठे दुकानदारों की घर गृहस्थी चल

में जैसे नारे लगाते हुए चल रहे थे। सभासद व्यापार सभा जिलाध्यक्ष मनोज इकड़या की अगुवाई में मानिक चौक, सर्राफा बाजार, रामगंज, बर्तन बाजार के रास्ते पदयात्रा निकाली। पदयात्रा में शामिल कार्यकर्ता चौपट होता खुदरा व्यापार, जिसका कारण ई-व्यापार और खुदरा व्यापारियों के सम्मान में सपा व्यापार सभा मैदान सके उन्होने कहा, ऑनलाइन मौके पर छात्रसभा जिलाध्यक्ष मार्केटिंग से छोटे-छोटे खुदरा दुकानदारों के सामने रोजी रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इन दुकानदारों के हक और सम्मान की लड़ाई सिर्फ समाजवादी पार्टी ही लड़ रही है। गठबंधन का साथ निभाते हुए कांग्रेस ने इस जागरूकता पदयात्रा में सपा का साथ दिया। कांग्रेस नगर अध्यक्ष रामानंद कुशवाहा, सभासद रघुवीर कुशवाहा, शमसुद्दीन मंसूरी, माजाउल्ला खां गौरी, राजेंद्र निरंजन, ताहिर कुरैशी, भोलानाथ झा, मुलायम कुशवाहा, कांग्रेस नेता रामकिशोर पुरोहित, अजय बरार, अनिल पटैरिया, वेदप्रकाश द्विवेदी, सोबी मंसूरी, ब्रजेश निरंजन, रज्जाक अंसारी आदि मौजूद रहे। राघवेंद्र तिवारी ने कहा कि ऑनलाइन ट्रेडिंग से चौपट हो रहे खुदरा व्यापार को बचाने के लिए सभी उपभोक्ता आगे आएं और अपने बीच के इन दुकानदारों की पीड़ा को समझते हुए ऑनलाइन ट्रेडिंग का वहिष्कार करें और दुकानों से ही खरीदारी करें। इस

एसडीएम ने किया पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण

खामियाँ मिलने पर थमाये नोटिस

■ कोंच

उपजिलाधिकारी ज्योति सिंह ने नगर के तीन पेट्रोल पंपों पर जाकर औचक निरीक्षण किया जिसमें दो पंपों पर पेट्रोलियम पदार्थों की डेंसिटी मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने पर उनके संचालकों को नोटिस थमा दिए।एसडीएम ज्योति सिंह ने आपूर्ति निरीक्षक मनोज कुमार तिवारी एवं बांट माप निरीक्षक के साथ नगर के तीन पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने मिलावट और माप का खासतौर पर निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद एसडीएम ने बताया कि दो पेट्रोल पंपों पर पेट्रोलियम पदार्थों की डेंसिटी मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने पर उनके संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अलावा सफाई युक्त शौचालय, पेय जल, प्राथमिक चिकित्सा सहायता बॉक्स, नोटिस बोर्ड इत्यादि की उपलब्धता बढ़ाने को लेकर निर्देश एवं सख्त हिदायत दी गई है।

विश्वप्रसिद्ध चित्रकार हीरालाल भदरेचा की जीवनी

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

जोधपुर (राजस्थान)। अलणाबाद पाकिस्तान हिन्दू ग्रामीण परिवार मे जन्मे हीरालाल भदरेचा, पिता स्व. श्री जीवाराम जी भदरेचा, समाज व भारत का नाम रोशन करने वाले चित्रकार, आपको इनकी कारीगरी से रूबरू करवाना चाहता है , काष्ठ उत्कीर्ण के जादूगर एवं चित्रकार , हीरालाल भदरेचा , जॉगिड समाज मे जन्मे , प्रताप नगर जोधपुर के रहने वाले हीरालाल भदरेचा को बालअवस्था से कुछ करने का जुनून था , जैसे जैसे उम्र बढ़ती गई वैसे अपनी अलग - अलग कारीगरी मे हाथ आजमाते गए , इन्होने अनगिनत लकड़ी के नमूने अपनी कल्पनाओं से बनाए की सात समुंदर पार भी बेशकीमती श्रेणी मे पहचाने जाने लगे विश्वभर मे हस्तशिल्प कारीगरी के मानचित्र में जोधपुर का नाम दर्ज करवाने की पारंपरिक कला को बारीकी से उकेरने वाले हीरालाल भदरेचा का नाम सबसे पहले लिया जाता है जैसी भी कला हो उसके पीछे हाथ धोकर पड़ जाते , जब तक उस फील्ड मे स्पेस्लिस्ट न हो जाते , आज हीरालाल भदरेचा को (हीरालाल चित्रकार) के नाम से पूरा विश्व जानता है , आज हीरालाल चित्रकार किसीके मोहताज नही है , हीरालाल चित्रकार आज तक लकड़ी में भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति , भगवान गणेश की मूर्तियां , बोटल के अन्दर मंदिर का मॉडल , और लकड़ी की मात्र पोना एम . एम . की कुर्सी बना चुके हैं , जिसे देखने के लिए लेंस का सहारा लेना पड़ता है , राई के दाने पे वर्ल्डकप का चित्र , घोड़े की पूंछ के बाल पे सीनहरी जेसे कई चित्र बना चुके हैं , हाल ही में राई के दाने पर कोरोना वायरस का चित्रण भी बानाया है , हीरालाल चित्रकार की कारीगरी को देखते हुए सन- 2017 मे विश्वकर्मा समाज संस्थान चोहटन बाडमेर द्वारा इन्हे सममित भी किया गया एवम् सन- 2007,8 मै राज्य स्तरीय से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी सम्मानित किया , इन्हें कई अवार्ड्स से सम्मानित भी किया जा चुका है इतना ही नहीं ये मिनिएचर्स का काम भी बैखूबी जानते हैं जेसे ऑयल पेंटिंग वाटर कलर पेंटिंग , पोर्टेट ग्लास पेंटिंग , गोल्ड एम्बोज पेंटिंग , फेब्रिक पेंटिंग , क्लोथ पेंटिंग , वॉल पेंटिंग , थ्री डी पेंटिंग आदि हीरालाल का मानना है कि पैसा कमाना आसान है पर नाम कमाना बहुत कठिन है, इसलिए हीरालाल ने कभी पैसों की तरफ अपना रुख नही मोडा, सिर्फ और सिर्फ अपनी आर्ट और समाज सेवा और बच्चों को निस्वार्थ आर्ट के गुर सिखाने के लिए अपना जीवन लगा दिया। और आज हीरालाल चित्रकार का नाम देश विदेशों मे छाने लगा , इतना ही नहीं हीरालाल को यूएसए से कई इंटरनेशनल अवार्ड्स व गोल्ड मेडल्स भी मिल चुके हैं जैसे कि प्रोफेसर हीरालाल चित्रकर एक संस्थापक, स्वर्ण पदक विजेता, कई विश्व रिकॉर्ड धारक, सामाजिक कार्यकर्ता और विश्व स्तरीय कलाकार हैं। उन्होंने मानवता की अपनी पैंतीस वर्षों की सेवा में कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। वह 25 बार के विश्व रिकॉर्ड धारक, सामाजिक पुरस्कार और यूएसए के स्वर्ण पदक विजेता और विश्व स्तरीय राजदूत हैं। व्हाइट हाउस वाशिंगटन राष्ट्रपति परामर्श व्यापक राज्यों से सम्मान में'। राष्ट्रपति का युवा स्वास्थ्य पुरस्कार, संयुक्त राज्य अमेरिका, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी और शांति स्थापना बल आयरन कमेंडेशन सर्टिफिकेट, एक बार कॉमनवेल्थ ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स गवर्नमेंट इंटरनेशनल यूनाइटेड किंगडम एसोसिएशन का प्रायोजक, क्षेत्रीय प्रचार संयुक्त वैश्विक सेवा का पुरस्कार। इंटरनेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमैनिटी हेल्थ साइंस, यूएसए अवार्ड्स, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी और शांति स्थापना बल एरॉन सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन, अंतर्राष्ट्रीय पुलिस फोरम पुरस्कार पदक यूएसए, यूनिवर्सल रिकॉर्ड फोरम द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ललित कला के लिए वैश्विक पुरस्कार, युवा मंत्री का पत्र। मानव स्वास्थ्य विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, URF ग्लोबल टॉप टैलेंट अवार्ड 2021, वर्ल्ड स्पोर्ट्स मार्शल आर्ट्स काउंसिल, कैलिफोर्निया यूएसए, यूनाइटेड नेशन ग्लोबल सर्विस यूएसए कार्टिफेट ऑफ ऑनर, गेस्ट ऑफ ऑनर यूएसए, URF ग्लोबल टॉप टैलेंट अवार्ड, यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स फोरम, वैश्विक पुरस्कार, प्रेसीडेंट यूथ फिटनेस अवार्ड्स मेडल यूएसए गर्व से मेडल में बना,

यूएसए संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पदक की मुहर,अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक यूएसए, सदस्य संयुक्त राष्ट्र पत्रकार यूएसए इंटरनेशनल ओपन यूनिवर्सिटीज, इंटरनेशनल पुलिस फोरम, यूनीअर्थ मानवता और शांति फाउंडेशन, से इंटरनेशनल डे, पर सम्मान, पॉवरअप उर निर्देश, न्यूयॉर्क यूएसए अवार्ड, रॉयल एकेडमी ऑफ ग्लोबल पीस, कार्टिफिकेट, मुख्यमंत्री द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार, अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ अतिथि, एशिया के सर्वश्रेष्ठ कलाकार पुरस्कार 2022, पुरस्कार या सार्वजनिक सर्विस, भारतीय मानवाधिकार परिषद, राज्य अध्यक्ष, लाईफटाईम अचीवमेंट अवार्ड्स चैन्नई, डॉक्टरेट अवार्ड्स, चैन्नई राष्ट्रीय शांति पुरस्कार, सुभाष चंद्र बोस वीरता पुरस्कार, स्वामी विवेकानंद पुरस्कार, गीता गौरव पुरस्कार, वैश्विक उत्कृष्टता पुरस्कार, भारतीय समाज सेवा रत्न, 2021 राष्ट्रीय गौरव सम्मान 2022 इंडियन आइकन अवार्ड 2022 स्वामी विवेकानंद चेंजमेकर अवार्ड, साहित्य गौरव सम्मान 2022 Samrhya Exilenc पुरस्कार 2022 प्राइड ऑफ इंडिया अवार्ड, अंतर्राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार 2021 भारत माता अभिनंदन सम्मान 202 नवसर्जन कल्ला प्रीविन अवार्ड 2021 नेपाल से कला रत्न अवार्ड ,राष्ट्रीय साहित्य शिरोमणी सम्मान ,समाज सेवा शिरोमणी सम्मान, पद्म चक्र अवार्ड,नोबल आर्टिस्ट अवॉर्ड, नेपाल से फाइन आर्ट्स मे डॉक्टरेट, और प्रोफेसर व बहुत जगह से सम्मानित हो चुके है जिनकी कोई सीमा नही, भारत गणराज्य, ब्यूरो चीफ, पुलिस पब्लिक प्रेस, आजीवन सदस्य संयुक्त राष्ट्र कल्याण और फाउंडेशन, डॉक्टरेट मानद उपाधि। कला और संस्कृति के सिद्धांत, TLWPLIPSM वॉयस प्रेसीडेंट, कला के समूह के राजा, व्यवस्थापक,रॉयल डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और वर्ल्ड पीपल फोरम TWPF में डॉक्टरेट और प्रोफेसर की उपाधि प्राप्त की। इळ अ@ राजनीतिक प्रतिभा संस्थान। वह दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए अपनी कला साझा करते है। द माइंड एरिना एकेडमी की ओर से, सेलिब्रिटी टीवी और मैग्नेटिक एंटरप्रेन्योर इंक ने प्रो. हीरालाल चित्रकार भद्रेचा को सभी के लिए शिक्षा, शांति और एकता को बढ़ावा देने में उनकी सेवा के लिए द माइंड गुरु ग्रेट पर्सनैलिटी अवार्ड 2021 से सम्मानित किया है। इतना ही नहीं अनेक देश विदेशों से भी सम्मान मिल चुका है हालही मे श्री विश्वकर्मा सुथार समाज सेवा समिति से भी सम्मानित हो चुके हैं और भी बहुत संस्थाओं से भी जुडे है प्रोफेसर डॉ. हीरालाल चित्रकार को इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने किया सम्मानित ।

पश्चिम चंपारण में दारोगा सस्पेंड, शराब माफिया से सांठगांठ का है आरोप।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पश्चिम चंपारण। शराब माफिया से सांठगांठ करना एक दारोगा को काफी महंगा पड़ गया है। बेतिया एसपी ने बैरिया थाने में तैनात दारोगा प्रदीप कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अब इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाही की जाएगी। बताया जाता है कि 20 अक्टूबर को बैरिया थाने में तैनात पुलिस अवर निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह को थाने में ही फरार शराब माफिया विशाल चौधरी के साथ घूमते देखा गया था। जिस पर ग्रामीणों ने आपत्ति जतायी थी। इस दौरान शराब माफिया विशाल चौधरी और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गयी और जमकर मारपीट हुई। इस घटना की सूचना ग्रामीणों ने बैरिया थानाध्यक्ष को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंचे थानेदार ने स्थिति को नियंत्रित कर वरीय अधिकारियों को तत्काल इस घटना से अवगत कराया। जिसके बाद मद्य निषेध कांड में फरार वांछित अभियुक्त विशाल चौधरी के साथ साठगांठ रखने के आरोप में बैरिया थाने में पदस्थापित परीक्ष्यमान पुलिस अवर निरीक्षक प्रदीप सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। एसपी डॉ.शौर्य सुमन के निर्देश पर मामले की जांच अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर 2 रजनीश कांत को सौंपी गई है। जांच में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के कारण इनके विरुद्ध विभागीय कारवाई कर दंडित किया जाएगा। पश्चिम चंपारण ज़िला के बैरिया थाना में दर्ज मद्य निषेध कांड संख्या 322/24 में वांछित अभियुक्त विशाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में पुलिस भी काफी गंभीर दिख रही है। यह कांड दूसरे पुलिस वाले के लिए भी सबक है।

सोमवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने नई दिल्ली में रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान फिर से शुरू किया।

गंदेरबल हमले में पाकिस्तान के शामिल होने की आशंका : सिन्हा

● श्रीनगर,

केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि गंदेरबल हमले में पाकिस्तान के शामिल होने की आशंका है ।

सिन्हा ने श्रीनगर के जवान में सशस्त्र पुलिस परिसर में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पड़ोसी देश द्वारा शांति को बाधित करने और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने के प्रयास बंद नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश से उत्पन्न आतंकवाद का खतरा अभी भी बना हुआ है और वह आतंकवादी तत्वों तथा विभिन्न तरीकों से हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करना चाहता है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर जोर दिया तथा पुलिस, सेना और केंद्रीय सुरक्षा बलों से सीमा पार से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कोई नरमी या झिझक नहीं दिखाने का आग्रह किया। उन्होंने भरोसा जताया कि सुरक्षा बल हर आतंकवादी और उनके समर्थकों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, कि आपकी तत्परता, क्षमता और बलिदान की भावना वर्तमान और भविष्य दोनों में जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, कश्मीर में आतंकवादियों और अपराधियों से निपटने के लिए निर्दोषों की रक्षा करना लेकिन दोषियों के भागने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ने जैसी स्पष्ट नीति बनाई गई है। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबद्धता आगे बढ़ती रहनी चाहिए। इसके माध्यम से हम आतंकवाद को उखाड़ फेंकेंगे और नागरिकों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करेंगे। उपराज्यपाल ने जम्मू क्षेत्र में नागरिकों पर हुए कायरतापूर्ण हमलों को भी याद किया।

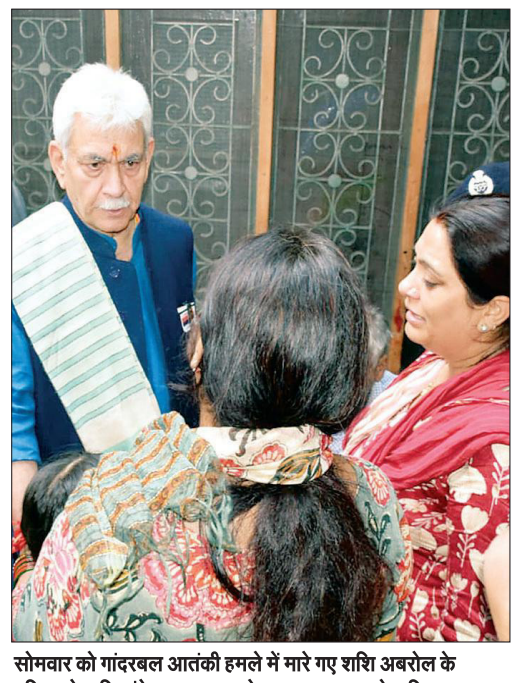

सोमवार को गांदरबल आतंकी हमले में मारे गए शशि अबरोल के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ।

सार संक्षेप

अभिनेत्री शरवरी ने सोशल मीडिया पर दिखाई फिटनेस की झलक

मुंबईः बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी ने सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस की झलक दिखायी है। शरवरी ने सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस की झलक दिखाते हुए इस सोमवार जबरदस्त मोटिवेशन दी है। शरवरी ने इस साल शानदार परफॉर्मेंस दी है। 100 करोड़ की ब्लॉकबस्टर मुंजा में शर्वरी ने सबका दिल जीत लिया, जिसमें उन्होंने साल का सबसे हिट डांस एंथम तरस भी दिया। इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजन ने किया है और इसका निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। वर्ष 2024 में अपनी सफलता की कड़ी जारी रखते हुए, शर्वरी ने वाईआरएफ की ग्लोबल हिट स्ट्रीमिंग फिल्म महाराज में शानदार अभिनय किया और फिर निखिल आडवाणी की वेदा में भी अपनी अदाकारी का जादू बिखेरा। अब, वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म अल्फा की शूटिंग के दौरान, शर्वरी ने एक फिट पेडल खिलाड़ी के रूप में सोशल मीडिया पर अपने फैंस को प्रेरित किया है।

भोजपुरी को मिले भाषा का दर्जा : कल्पना पटवारी

समस्तीपुरः चर्चित लोक गायिका कल्पना पटवारी ने कहा है कि सरकार को भोजपुरी को भाषा का दर्जा देना चाहिये। कल्पना पटवारी ने समस्तीपुर मे युवा कलाश्रम द्वारा आयोजित बाबा थानेश्वर नृत्य महोत्सव के अवसर पर कल रात पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भोजपुरी आमलोगों की भाषा बन गई है। सरकार भोजपुरी को भाषा का दर्जा प्रदान करे। उन्होंने कहा कि पूर्वी भोजपुरी का सम्मान बढ़ाने के लिए सरकार को पहल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में बिहारी ठाकुर जैसे महान लोकगायक हुए लेकिन आज भी सरकार की उदासीनता के कारण भोजपुरी भाषा यहां विकलांग जैसी है। लोक गायिका पटवारी ने असमिया मातृभाषा को क्लासिक भाषा का दर्जा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और असम के मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

नीतीश सरकार के विकास का दावा खोखला : माले

समस्तीपुरः भारत की कम्युनिस्ट पार्टी भाकपा(माले) पोलित ब्यूरो के सदस्य सह मिथिलांचल प्रभारी धीरेंद्र झा ने बिहार की नीतीश सरकार को विफल बताया और कहा कि नीतीश सरकार के विकास का दावा खोखला साबित हुआ है। झा सोमवार को बदलो बिहार न्याय यात्रा के दौरान समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर में आयोजित जन-संवाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नीतीश सरकार सिर्फ झूठे वादों के सहारे चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी के कारण आज यहां के युवा एवं मजदूर रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में पलायन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक समय समस्तीपुर में चीनी मिल एवं ठाकुर पेपर मिल सहित अन्य उधोग-धंधे थे लेकिन आज सभी उधोग-धंधे बंद हो गए।

हाईकोर्ट ने छात्रसंघ चुनाव को लेकर सरकार से मांगा जवाब

नैनीतालः उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने छात्र संघ चुनाव को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को प्रदेश सरकार से दो दिन में स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई 23 अक्टूबर को होगी। ऋषिकेश निवासी महिपाल सिह की ओर से दायर जनहित याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा व न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा की युगलपीठ में हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि लिगदोह कमेटी के अनुसार प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र शुरू होने के आठ सप्ताह के अंदर छात्रसंघ चुनाव संपन्न करा लिए जाने चाहिए लेकिन सरकार ने पिछले साल एक शासनादेश जारी कर विविध और महाविद्यालयों में एक कैलेंडर घोषित कर दिया था। इसके अनुसार अक्टूबर,2024 तक चुनाव कराने को कहा गया। यह भी कहा गया कि छात्र संघ चुनावों में सरकार को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है। कई विवि में चुनाव नहीं हो पाये हैं। यही नहीं श्रीदेव सुमन गढ़वाल विश्वविद्यालय ने अपना परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया है जिससे छात्र संघ चुनाव होना मुमकिन है।

'हरियाणा में जीत स्थिरता का संदेश'

देश ने पिछले 10 साल में उपलब्धियों के नए आयाम तय किए: पीएम मोदी

● नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्थिरता, निरंतरता और समाधान को दुनिया के लिए आज के युग की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए सोमवार को कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी जीत भारत में स्थिरता का संदेश है।

मोदी ने कहा कि हाल में हरियाणा विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लगातार दूसरी सफलता से स्थिरता का यह संदेश और मजबूत हुआ है। वह राजधानी में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2024 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश ने पिछले 10 साल में उपलब्धियों के जो आयाम तय किए हैं ,उसको देखते हुए आज दुनिया भविष्य के समाधानों के लिए भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के हर कार्यक्रम के केंद्र में देश की जनता के विकास के साथ-साथ 'निरंतरता' (स्वस्थ और टिकाऊ विकास) का उद्देश्य स्पष्ट रूप से आगे रखा गया है। इस सत्र में देश विदेश के नामी उद्यमियों और निवेश को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि छह दशक में पहली बार देश के लोगों ने लगातार तीसरी बार किसी सरकार को अपना जनादेश दिया है, यह स्टेबिलिटी (स्थिरता) का संदेश है। अभी हरियाणा में हुए चुनाव में भी भारत की जनता ने स्टेबिलिटी के इस भाव को मजबूती दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि

उनकी सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को देश की जनता का पूरा समर्थन है और 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य भारत की 140 करोड़ जनता का लक्ष्य बन गया है । अब जनता इस लक्ष्य को आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का यह समय मानव इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण समय है। ऐसे में आज के युग की बड़ी ज़रूरतें हैं, स्टेबिलिटी, सस्टेनेबिलिटी और सॉल्यूशंस (स्थिरता, निरंतरता और समस्याओं के समाधान)। यह मानव के भविष्य के लिए सबसे जरूरी शर्तें हैं और भारत आज यही हासिल करने का प्रयास कर रहा है। इसमें भारत की जनता का एक निश्चित समाधान है।'' श्री मोदी ने कहा कि आज भारत आकांक्षाओं से परिपूर्ण देश है। उन्होंने इसे एस्पिरेशनल इंडिया (एआई) बताते हुए कहा कि जब एस्पिरेशनल इंडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की ताकत मिल जाती है, तब विकास की गति भी तेज होने स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन शानदार रहा है और वैश्विक एजेंसियों ने भारत की वृद्धि दर के अनुमानों में सुधार किए हैं। मोदी ने कहा कि भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प भी इसी सोच को दिखाता है।

हरिद्वार की तर्ज पर उज्जैन में भी संतो के लिए स्थाई आश्रमः यादव

कहा - उज्जैन की पहचान साधु संतों से है

● उज्जैन,

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि उज्जैन के नैसर्गिक धार्मिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए यहां स्थायी रूप से अधोसंरचना विकास के कार्य किए जाएंगे और हरिद्वार की तर्ज पर साधु संतों, महंत, अखाड़ा प्रमुखों, महामंडलेश्वर इत्यादि को स्थाई आश्रम बनाने की अनुमति दी जाएगी।

डॉ यादव ने यहां मेला कार्यालय के ऑडिटोरियम में सिंहस्थ के संबंध में आयोजित प्रेस-वार्ता को संबोधित करते हुए संवाददाताओं से कहा कि उज्जैन की पहचान साधु संतों से है। 12 वर्षों में एक बार आयोजित होने वाला सिहस्थ का आयोजन 2028 में किया जाएगा। साधु संतों को उज्जैन में आने, ठहरने, कथा, भागवत इत्यादि अन्य आयोजन के लिए पर्याप्त रूप से भूमि की आवश्यकता पड़ती है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा साधु-संतों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्थायी आश्रम बनाए जाने की योजना

बनाई गई हैं। निजी होटल्स में साधु संतों और श्रद्धालुओं को इस प्रकार के आयोजनों के लिए चुनौतियां आती हैं और वो महंगा भी पड़ता है।

उन्होंने कहा कि हरिद्वार में जिस प्रकार साधु-संतों के अच्छे आश्रम बने हुए हैं, उसी प्रकार विकास के क्रम को जारी रखते हुए उज्जैन में भी साधु संतों के स्थायी आश्रम बनाने के प्रयास किए जाएंगे। उज्जैन विकास प्राधिकरण के माध्यम से इस बड़ी योजना को आकार दिया जाएगा। सिहस्थ के दृष्टिगत सड़क, बिजली, पेयजल, जल निकासी इत्यादि मूलभूत सुविधाओं के लिए भी स्थाई अधोसंरचना का निर्माण किया जाएगा, ताकि अस्थाई निर्माण से होने वाली समस्याएं निर्मित ना हो।

बांग्लादेश में डेंगू के 50 हजार मामले

ढाकाः बंगलादेश में अक्टूबर माह में डेंगू संबंधित बीमारी से करीब 84 लोगों की मौत हो चुकी है, जो इस साल में सबसे ज्यादा हैं। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) की सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह करीब आठ बजे तक करीब 1,298 नये मामलों की पुष्टि हुयी, जिससे इस महीने कुल मामलों की संख्या बढ़कर 18,942 हो गई और देश भर में रविवार तक करीब 49,880 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। डीजीएचएस ने रविवार को छह डेंगू मरीजों की मौत की पुष्टि की, जिससे अब यह संख्या बढ़कर 247 हो गयी है। डीजीएचएस के अनुसार, सितंबर में 80 मरीजों की, अगस्त में 27, जुलाई में 12 और जून में आठ लोगों की डेंगू बीमारी से मौत हो चुकी है।

बंबीहा-बिश्नोई गैंग के चार गुर्गे गिरफ्तार

मोगाः एक बड़ी सफलता में पंजाब में मोगा पुलिस ने रंगदारी के लिये यहां एक व्यवसायी को निशाना बनाने की योजना बना रहे चार गिरोहबाजों को हथियारों सहित गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने बंबीहा गिरोह से जुड़े विदेश स्थित लकी पटियाल के एक सहयोगी को तीन अवैध हथियारों के साथ और मनप्रीत सिह उर्फ ??मनी भिडर के तीन सहयोगियों को तीन अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। भिडर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा हुआ है। यादव ने कहा कि ये आरोपी रंगदारी के लिये मोगा में व्यवसायी को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे । उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी हैं और बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिकेज स्थापित करने के लिये जांच जारी है।

जल्द स्थापित हों कुसुम के सौर संयंत्र सोलर

जयपुरः राजस्थान में डिस्कॉम्स की अध्यक्ष एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने कुसुम-सी योजना के तहत स्वीकृत सौर ऊर्जा संयंत्रों को शीघ्र स्थापित करने के निर्देश दिये हैं। डोगरा ने सोमवार को जयपुर डिस्कॉम के अधिकारियों से कहा कि अवॉर्ड जारी करने के बाद ऊर्जा क्रय अनुबंध पर अंतिम निर्णय लेने, प्रेषण लाइन और मीटर लगाने सहित विभिन्न आवश्यक स्वीकृतियों के काम निर्धारित समयावधि में पूरे किये जाये। इसके लिये डिस्कॉम के स्तर पर एसओपी तैयार की जायेगी। डोगरा जयपुर डिस्कॉम क्षेत्र में लगाये जा रहे इन संयंत्रों की प्रगति की विद्युत भवन में समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने किसानों, डेवलपर और निगम के अभियंताओं से संयंत्र स्थापित करने की दिशा में अब तक की प्रगति और बाधाओं के बारे में जानकारी ली।

सोमवार को दिल्ली में आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन का निरीक्षण करते हुए केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल।

सिद्धांतों के खिलाफ है गंदेरबल हमलाः मीरवाइज

कहा- मूर्खतापूर्ण हिंसा लोगों के लिए केवल दुख और त्रासदी लाती है

● श्रीनगर,

अलगाववादी नेता एवं ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने गंदेरबल जिले में आतंकवादी हमले की निंदा की और इसे इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ बताया है।

मीरवाइज ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि गगनगीर में हुई नृशंस हत्याओं से बहुत दुख हुआ। सभी धर्मों की तरह इस्लाम भी इस तरह के अमानवीय व्यवहार की निंदा करता है। हर जीवन कीमती है, और इस तरह से खोना बेहद दर्दनाक है। यह घटना हिंसा और अनिश्चितता के अंतहीन

चक्र की एक और भयावह याद दिलाती है जिसे हम दशकों से झेल रहे हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने तथा मारे गए लोगों के परिजनों को सब्र (धैर्य) प्रदान करने के लिए अल्लाह से प्रार्थना करता हूं। इस बीच अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने इस हमले को मौजूदा शांति को भंग करने का प्रयास बताया। बुखारी ने अपने बयान में कहा कि ये मजदूर यहाँ केवल अपने परिवारों का पेट पालने के लिए आजीविका कमाने आए थे। असहाय और कमजोर व्यक्तियों पर क्रूर हमला कायरता का सबसे खराब रूप दर्शाता है। अपराधियों ने मानव जीवन के प्रति पूर्ण उपेक्षा प्रदर्शित की है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह आतंकवादी हमला जम्मू-कश्मीर में मौजूदा शांति को बाधित करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की मूर्खतापूर्ण हिंसा लोगों के लिए केवल दुख और त्रासदी लाती है, जिन्होंने पिछले तीन दशकों में मौतों और विनाश का सामना करते हुए पहले ही अपार पीड़ा झेली है। वे इस धरती पर और अधिक रक्तपात और विनाश बर्दाश्त नहीं कर सकते। वर्षों के संघर्ष के बाद, जम्मू-कश्मीर को निरंतर शांति और स्थिरता की आवश्यकता है।

उड़ान योजना 10 साल और बढ़ेगीः नायडू

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री बोले- वर्ष 2016 में उड़ान योजना 10 वर्ष के लिए की गयी थी शुरू

● नई दिल्ली,

सरकार ने देश के छोटे शहरों एवं कस्बों को हवाई सेवा से जोड़ने के लिये चल रही उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना को 2026 से अगले 10 साल और बढ़ाने की घोषणा की है।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने सोमवार को उड़ान योजना के आठ वर्ष पूरे होने के मौके पर राजीव गांधी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। नायडू ने कहा कि वर्ष 2016 में राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति में भारत के महानगरों के अलग टियर 2 और टियर3 श्रेणी के शहरों एवं कस्बों को हवाई सेवाओं से जोड़ने के लिये उड़ान योजना क्रियान्वित की,

जिसका लाभ यह हुआ कि देश मे 86 नये हवाई अड्डे, दो वाटरड्रम एवं 30 हेलीपोर्ट विकसित किये गये। 601 नये मार्ग शुरू हुये जिन पर दो लाख 84 हजार अतिरिक्त उड़ानें हुईं और एक करोड़ 44 लाख यात्रियों ने हवाई यात्रा की। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत कम परिचालन वाले हवाई अड्डों पर विमान सेवाओं के लिये सरकार ने राज्यों के साथ मिल कर वीजीएफ यानी व्यवहार्यता सहायता प्रदान करने की नीति लागू की जिसका नतीजा यह है कि आज देश में 157 हवाई अड्डे परिचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति मिली, स्थानीय लोगों के लिये रोज़गार सृजित हुआ और पर्यटन सहित विभिन्न उद्योगों को बढ़ावा मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का जो सपना देखा है, उसमें नागरिक उड्डयन मंत्रालय और उड़ान योजना का भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। नायडू ने कहा कि वर्ष 2016 में उड़ान योजना 10 वर्ष के लिए शुरू की गयी थी। देश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में सालाना 10 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि मैं साझा करना चाहता हूं कि कैसे हमने सी प्लेन के दिशानिर्देशों को बदल दिया है, हमने सी प्लेन नेटवर्क में भी बदलाव कर दिया है, उड़ान पर भी हम हेलीपोर्ट नेटवर्क में मदद ला रहे हैं। इसलिये हमें लगता है कि उड़ान के तहत हेलीकॉप्टर संचालन में भी क्रांति होने जा रही है।

सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी.नड्डा ने नई दिल्ली में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की।

संपादकीय

कश्मीर में फिर हमला

ऐसा लगता है, जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हमले नियति बन गए हैं। वहां केंद्र की सरकार हो या कोई चुनी हुई सरकार, आतंकवाद खत्म नहीं होता। रविवार को जम्मू-कश्मीर के गांदरबल ज़िले में एक निर्माणाधीन सुरंग के पास हमला हुआ, जिसमें एक डॉक्टर और छह मजदूरों समेत कुल सात लोगों की मौत हुई है। यह हमला तब किया गया, जब गांदरबल में सोनमर्ग इलाके के गुंड में सुरंग परियोजना पर काम कर रहे मजदूर और अन्य कर्मचारी देर शाम अपने शिविर में लौट आए थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि इस हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। हर हमले के बाद गृहमंत्री का इसी तरह का बयान आता है, लेकिन बात बयान से नहीं बनेगी। आठ अक्तूबर को जम्मू-कश्मीर चुनाव के नतीजे आए थे और सरकार गठन के बाद यह पहला मौका है जब इतना बड़ा हमला हुआ है। इससे पहले 18 अक्तूबर को शोपियां ज़िले में अशोक चौहान का शव मिला था। उनके शरीर पर गोलियों के निशान थे। अब जम्मू कश्मीर की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के हवाले है, इसलिए आतंकवादी हमले न रोक पाने का जिम्मेदार भी केंद्र सरकार को ही ठहराया जाएगा। भले ही जम्मू कश्मीर में चुनी हुई सरकार आई हो, लेकिन उसके अधिकार सीमित हैं और उसे हर काम के लिए उपराज्यपाल का मुंह देखना होगा। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी और फारूक अब्दुल्लाह से सवाल पूछे हैं। गिरिराज सिंह को सवाल गृहमंत्री अमित शाह से पूछने चाहिए, क्योंकि पिछले दस साल से जम्मू कश्मीर की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के हवाले है। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनयम के मुताबिक, राज्य में अभी सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामले उपराज्यपाल के अधीन आते हैं। उपराज्यपाल केंद्र सरकार का नुमाइंदा होता है। इसलिए सवाल उपराज्यपाल से भी पूछे जाने चाहिए। पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है और दिल्ली की तरह ही वहां की कानून व्यवस्था भी केंद्र सरकार के हाथ में है। बहस इस पर शुरू हो गई कि जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह ने हमले को आतंकवादी हमला न बताकर उग्रवादी हमला बता दिया है। हमला किसी का भी हो, सच तो यह है कि लोग मरे हैं और जम्मू कश्मीर में यह नई बात नहीं है। उग्रवाद और आतंकवाद के नाम पर केंद्र सरकार के साथ डबल गेम नहीं खेले। बेहतर हो जम्मू कश्मीर सरकार के साथ मिलकर काम करे।

पिछले दस साल से जम्मू कश्मीर की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के हवाले है। आतंकवादी हमला होने कठघरे में केंद्र सरकार आएगी। सवाल उसी से पूछे जाएंगे।

पाठकवाणी

बम की धमकी बच्चों का खेल

इन दिनों भारतीय विमान सेवाएं बम से उड़ने की धमकियों से खौफजदा हैं। देश में अस्थिरता फैलाने और प्रशासन और सरकार को फिजूल सांसत में डालने के लिए धमकी भरे मेल का इस्तेमाल हो रहा है। पिछले तीन-चार दिनों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर चल रहीं दर्जन भर भारतीय उड़ानों को बम से उड़ाने की झूठी खबर से यात्री चिंता में हैं। जांच दल भी ऐसी ही पड़ताल में लगे हैं, लेकिन ना तो मेल भेजने वाले गिरफ्त में आ रहे हैं न ही दहशत का माहौल कम हो पा रहा है। दिल्ली, गुजरात, राजस्थान में शैक्षणिक संस्थाओं और अस्पतालों में बम की धमकी के बाद अब विमान सेवाओं में दहशत पैदा करने की कोशिश की जा रही है। गौर करने वाली बात यह भी है कि जब से भारत सरकार के कनाडा से संबंधों में खटास बढ़ी है, इन धमकियों का सिलसिला लगातार बना हुआ है? बम निरोधी दस्ते और पुलिस को फिलहाल कुछ हासिल नहीं हुआ है। यह एक नई चुनौती है। इससे न सिर्फ समय जाया हो रहा है बल्कि ये धमकियां बच्चों के खेल सी बन गई है। जब देखो तब कहीं ना कहीं से मेल भेज कर सरकार और प्रशासन को परेशान किया जा रहा है बावजूद इसके सरकार को ऐसे मामले को गंभीरता से लेना चाहिए क्या जाने कब अनहोनी हो जाए? सरकार को इस पर गंभीर होना चाहिए।

-**अमृतलाल मारू 'रवि'**, इंदौर, मध्य प्रदेश

कुछ खास

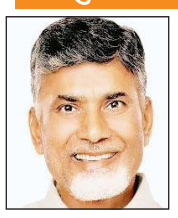

अतीत में मैंने जनसंख्या नियंत्रण की वकालत की थी, लेकिन अब हमें भविष्य के लिए जन्म दर बढ़ाने की जरूरत है। राज्य सरकार एक कानून लाने की योजना बना रही है, जिसके तहत दो या उससे अधिक बच्चों वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे।

-**चंद्रबाबू नायडू**, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री

आज का ट्वीट

''योगेन्द्र यादव जैसे आदमी पर वंचित बहुजन अघाड़ी के कार्यकर्ताओं द्वारा हमला निंदनीय है। योगेन्द्र जी बड़ी से बड़ी असहमति पर आपा नहीं खोते हैं, कभी भड़काऊ बात नहीं करते।''

-**अशोक कुमार पांडेय**

साइबरवर्ल्ड

घट गई गुटनिरपेक्ष भारत की साख

एक गुटनिरपेक्ष देश के बाशिंदे आज गुटों में बंट गए हैं। सरकार खुद कन्फ्यूज है दुनिया में वो किसके साथ रहे? इस कन्फ्यूजन का कारण हमने अपने मित्रों को खो दिया। हमारी विदेश नीति के धागे खुल कर उलझ चुके हैं। कई दशकों के परिश्रम से बनी हमारी पहचान, हमारी य एसपी बिखर चुकी है। फर्जी गर्व के सहारे कर्ज में डूबे हिंदुस्तान का भविष्य दांव पर लगा है। इतिहास गवाह है पंडित नेहरू ने दो गुटों में बंटे दुनिया मे एक तीसरा विकल्प तैयार किया था तटस्थ रहने का। एक गुट निरपेक्षक मंच तैयार किया और दुनिया को भी यह विकल्प पसंद आया। इस मंच से 121 देश जुड़ गए। दुनिया के किसी भी विवाद मे हम मध्यस्थ की भूमिका में होते थे। हमारा मान सम्मान बढ़ा और एक तटस्थ और मजबूत विचारधारा के कारण हमारी इज्जत थी जो किसी मीडिया या इवेंट मैनेजमेंट के कारण नहीं थी। एक तरह से हम वास्तविक विश्वगुरू बन गए थे। अपनी भीतरी चुनौतियों से हम खुद निपट रहे थे। खराब आर्थिक हालात से उबर रहे थे। एक लुटा पिटा देश विश्व पटल पर छा रहा था। रशिया जैसे स्थाई मित्र भी ये जानते थे कि उनके विवादों में भारत तटस्थ ही रहेगा फिर भी वो हमारे मित्र थे। दुनिया के दो देश चाइना और भारत ऐसे बाजार हैं, जो किसी भी विकसित देश को हमारे खिलाफ नहीं जाने देते। हम अपने जनसंख्या के कारण दुनिया को आकर्षित करने में सक्षम हैं। लेकिन 2014 के बाद हमारी इस छवि को धक्का लगा है। हमें अमेरिका का पिछलग्गू बना दिया गया। मित्र देश भी हम पर शक करने लगे। आज हम माफियाओं, गैंगेस्टरों से अपने मसले हल करवाने के कारण दुनिया में बदनाम हो रहे हैं। कनाडा और आस्ट्रेलिया जैसे देश जो कभी हमारे विद्यार्थियों के लिए हरदम दरवाजे खुला रखते थे आज उन्होंने भी अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। एक गुट निरपेक्ष देश एक कन्फ्यूज नेतृत्व के कारण अपनी साख खो रहा है।

-**मनीष श्रीवास्तव** की फेसबुक वॉल से

सभी अवैध धार्मिक स्थल हटें

शाहीन सबा

हिमाचल प्रदेश जैसा शांत , सुरम्य और छोटा से राज्य पिछले कुछ दिनों से सुलग रहा है और कारण है शिमला के संजोली और अन्य कुछ स्थानों पर ऐसे मस्जिदें, जो कथित रूप से अवैध हैं। दिल्ली में भी कुछ मंदिरों को हटाने पर अदालती दांव पेंच चल रहे हैं। शायद ही कोई ऐसा दिन जाता हो जब देश के किसी न किसी धार्मिक स्थल को हटाने पर विवाद की खबरें न आती हों। दुर्भाग्य यह है कि देश की सरकारें अदालती आदेशों को अपने सियासी हितों के मुताबिक लागू करती हैं और दबा कर भी रख लेती हैं। सन 2009 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि सार्वजनिक या सरकारी जमीन पर, बगैर मंजूरी वाले सभी धार्मिक स्थल अवैध हैं और इन्हें हटाया जाएं। उस समय हर राज्य ने अपने अधिकार क्षेत्र में अवैध धार्मिक स्थलों की सूची भी पेश की थी। सितंबर-2010 में सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी को हटाने का दो हफ्ते का समय दिया, लेकिन 14 साल बीत जाने पर उनमें से गिने-चुने स्थल ही हटे, हां उससे कई गुणा बढ़ जरूर गए।

दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने अभी 14 अक्तूबर 2024 को राज्य के विभागों और निकायों को पत्र भेज कर सितम्बर-2009 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अलोक में अवैध धार्मिक स्थलों की सूची तैयार कर उन्हें हटाने के निर्देश दिए हैं। अचानक यह आदेश क्यों आया? हो सकता है कि इसके पीछे कोई सियासती चालबाजी हो, लेकिन हकीकत तो यह है कि देश में स्कूलों से कहीं अधिक संख्या धार्मिक स्थलों की है। कोई 24 लाख मंदिर-मस्जिद-गुरुद्वारे-गिरजे आदि देश के चप्पे-चप्पे में फैले हैं। इनमें से कई की आय तो किसी राज्य के सालाना बजट के बराबर होती है, लेकिन कड़वी सच्चाई यही है कि इनमें से अधिकांश सार्वजनिक भूमि पर, बगैर कोई नक्शा पास किए, मनमाने तरीके से बने हैं। अकेले दिल्ली में ही अवैध धार्मिक स्थलों की संख्या 60 हजार से अधिक है। तमिलनाडु ऐसे अतिक्रमणों के लिए शीर्ष पर है और सन 2009 में प्रस्तुत हलफनामे में यह संख्या 77450 थी, राजस्थान में 58253, मध्यप्रदेश में 52923, उत्तर प्रदेश में 45000, गुजरात में 15000 धार्मिक स्थल अवैध चिन्हित किये गए थे।

आज समय की मांग है कि देशभर के अवैध धार्मिक स्थलों को धार्मिक संस्थाएं खुद हटाए और देश के सौहार्द और विकास के रास्ते को गति दें। वैसे भी किसी भव्य प्रासाद में आस्था और विश्वास की परात्मा या अद्दश्य शक्ति एक ही कमरे में रहती हैं, बाकी में तो दिखावा और वैभव ही रहता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मध्य प्रदेश में राजधानी भोपाल में 1493 धार्मिक स्थल गैरकानूनी पाए गए, लेकिन उनमें से मात्र 50 को हटाया, लेकिन उसके बाद वहां 500 नए कब्जे हो गए। प्रदेश के मंदसौर में 6344, उज्जैन में 5746, धार में 1540, ग्वालियर में 1752 गैरकानूनी धार्मिक स्थल फलते-फूलते अब और अधिक जगह घेर चुके हैं। उत्तर प्रदेश में सरकारी हलफनामे के मुताबिक 14 साल पहले 45152 अवैध कब्जे धर्म के नाम पर थे। गिने-चुने स्थल ही हटे। अकेले लखनऊ में 971 बेशकीमती स्थान धर्म के नाम पर घेरे गए हैं। सिद्धार्थ नगर में सर्वाधिक 4706, मुजफ्फरनगर में 4023 झांसी में 1101 सहित हर जिले में ऐसा अवैध कारोबार फलत फूलता सरकारी निगाह में है। याद होगा कुछ साल पहले ग्रेटर नोएडा में कादलपुर गांव में ग्राम सभा की जमीन पर निर्माणाधीन मस्जिद गिराने पर दुर्गा शक्ति नागपाल चर्चा में आई थीं। हकीकत यह है कि राज्य का कोई भी पंचायत इस तरह के अवैध निर्माण से अछूता नहीं है। उत्तर प्रदेश में 25 सितंबर 2013 से ले कर जुलाई 23 तक हाई कोर्ट में अलग-अलग कम से काम पांच मामलों में ऐसे निर्माण हटाने के आदेश किसी लाल बस्ते में बहानों के साथ बंद हैं।

"पांच मार्च 2020 को उत्तराखंड हाई कोर्ट ने 29 सितंबर 2009 के बाद अवैध तरीके से बने धार्मिक स्थलों का चिह्निकरण कर उन्हें हटाने के लिए निर्देश दिया था। सरकार के हलफनामे के अनुसार कोर्ट के आदेश पर राज्य के सभी 13 जिलों में अवैध रूप से बने मंदिर, मस्जिद, चर्च व गुरुद्वारा की जांच की गई। सरकार ने साफ किया है कि हरिद्वार में सर्वाधिक 171, टिहरी गढ़वाल में 96, नैनीताल में नौ, चंपावत में 23, चमोली में तीन, अल्मोड़ा में पांच, पिथौरागढ़ में छह, पौड़ी गढ़वाल में 15, उत्तरकाशी में दो, रुद्रप्रयाग में सात, ऊधमसिंह नगर में 412, हरिद्वार में 171 व देहरादून में 21 धार्मिक स्थल सार्वजनिक व सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए हैं। लेकिन कार्यवाही के नाम पर सरकार ने कोई सख्त कदम उठाए नहीं। मध्य प्रदेश में तो अदालती आदेश का अनुपालन न होने को ले कर अदालत की अवमानना का मामला भी चल रहा है। अदालतें भी अब ऐसे मामलों में लंबी तारीखें लगाती हैं और गुंजाइश छोड़ देती हैं है कि राज्य सरकार पर कोई सख्ती न हो।

अभी 30 मई 2024 को केरल हाई कोर्ट के जस्टिस जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन ने सांप्रदायिक सद्भाव को बनाए रखने और भारत के संविधान की प्रस्तावना में निहित 'संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' के रूप में देश को मजबूत करने के लिए सरकारी या सार्वजनिक भूमि से अनधिकृत और अवैध धार्मिक संरचनाओं की पहचान करने और उन्हें हटाने के निर्देश जारी किए। उन्होंने अपने आदेश में लिखा कि हिंदुओं, ईसाइयों, मुसलमानों या किसी अन्य धर्म द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध धार्मिक-स्थलों के निर्माण की अनुमति नहीं दी जा सकती। इससे राज्य में धार्मिक वैमनस्य पैदा होगा। इसलिए मेरा विचार है कि सरकारी भूमि पर कोई भी अवैध धार्मिक स्थल नहीं होना चाहिए, चाहे वह हिंदू, ईसाई, मुस्लिम या किसी अन्य धर्म का हो।

बुलडोजर कार्यवाही पर रोक के 01 अक्टूबर 2024 वाले आदेश में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने भी कहा है कि सार्वजनिक जगहों पर स्थित किसी भी धार्मिक ढांचे को, चाहे वह दरगाह हो या मंदिर, उसे हटाना होगा क्योंकि जनहित सबसे ऊपर है। भारत धर्मनिरपेक्ष देश है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि हम जो भी तय कर रहे हैं वह सभी नागरिकों, संस्थानों के लिए है, सिर्फ किसी विशेष समुदाय के लिए नहीं। किसी विशेष धर्म के लिए अलग कानून नहीं हो सकता।

यह भी एक सच्चाई है कि इन दिनों देश के अलग-अलग स्थानों पर अल्पसंख्यकों, खासकर मुसलमानों के धार्मिक स्थलों को ले कर विवाद ज्यादा खड़े किए जा रहे हैं। ऐसे मामलों का संविधान या आस्था से कोई वास्ता नहीं, यह महज राजनीतिक दांव पेंच हैं। आस्था, धार्मिकता, अध्यात्म हमारे देश की संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसमें भेदभाव की कोई गुंजाइश नहीं हैं। देश विकसशीलता और विकसितता के जिस संक्रमण काल से गुजर रहा है, उसमें धर्म के नाम पर क्षुद्र राजनीति देश हित में तो कतई नहीं है। आज समय की मांग है कि देशभर के अवैध धार्मिक स्थलों को धार्मिक संस्थाएं खुद हटाए और देश के सौहार्द और विकास के रास्ते को गति दें। वैसे भी किसी भव्य प्रासाद में आस्था और विश्वास की परात्मा या अद्दश्य शक्ति एक ही कमरे में रहती हैं, बाकी में तो दिखावा और वैभव ही रहता है।

अमृतवाणी

दूसरों के भरोसे

एक गांव के पास एक खेत में सारस पक्षी का एक जोड़ा रहता था। वहीं उनके अंडे थे। अंडे से समय पर बच्चे निकले। लेकिन बच्चों के बड़े होकर उड़ने योग्य होने से पहले ही खेत की फसल पक गई। सारस बड़ी चिंता में थी कि किसान खेत काटने आवे, इससे पहले ही बच्चों के साथ उसे वहां से चले जाना चाहिए तब बच्चे उड़ भी नहीं सकते थे। एक दिन जब सारस चारा लेकर शाम को बच्चों के पास लौटा तो बच्चों ने कहा कि आज किसान आया था और गांव वालों से फसल कटवाने की कह रहा था। कई दिन बाद जब एक दिन सारस शाम को बच्चों के पास आए तो बच्चे बहुत घबराए थे- वे कहने लगे कि अब हम लोगों को यह खेत झटपट छोड़ देना चाहिए। आज किसान फिर आया था, वह कहता था, कि गांव वाले स्वार्थी हैं। कल मैं अपने भाइयों को भेजकर खेत कटवा लूंगा। सारस बोला, अभी तो खेत कटता नहीं दो-चार दिन में तुम लोग ठीक-ठीक उड़ने लगोगे। कई दिन और बीत गए सारस के बच्चे उड़ने लगे थे और निर्भय हो गए थे। एक दिन शाम को सारस से वे कहने लगे, यह किसान हम लोगों को झूठा डराता है। इसका खेत तो कटेगा नहीं, वह आज भी आया था और कहता कि मेरे भाई बात नहीं सुनते, फसल सूखकर झर रही है। कल बड़े सवेरे में आऊंगा और खेत काट लूंगा। सारस घबराकर बोला-चलो जल्दी करो! दूसरे स्थान पर उड़ चलो। कल खेत अवश्य कट जाएगा। किसान जब तक गांव वालों और भाइयों के भरोसे था। खेत के कटने की आशा नहीं थी। जो दूसरों के भरोसे कोई काम छोड़ता है, उसका काम नहीं होता, लेकिन जो स्वयं काम करने को तैयार होता है उसका काम रुका नहीं रहता। किसान कल स्वयं फसल काटने आएगा। सारस अपने बच्चों के साथ वहां से चला गया।

तीखी नजर

भ्रष्टाचार के साए में दीपावली

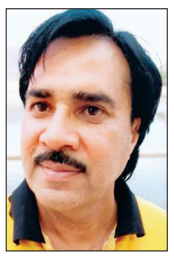

राम विलास जांगिड़

हमेशा की तरह चोर, अफसर और एक बाबू अपने-अपने भ्रष्टाचारी तरीके से दीपावली का त्योहार को मनाने की तैयारी कर रहे थे। भ्रष्टाचार की मिठाई चखते हुए, नए नोटों की झालर लगाकर और झूठ कु फुलझड़ियों में मस्त होकर एक ऐसी दीपावली मना रहे थे, जिसे देखकर राह चलते हुए कोई भी लक्ष्मी जी अपना माथा पीट लें। चोर कई दिनों से ही दीपावली की तैयारी में जुटा था। उसने सोचा, आज का दिन बड़ा शुभ है। लक्ष्मी जी तो वैसे भी चोरी की गाड़ी में बैठकर आती हैं, तो क्यों न मैं भी कुछ घरों में जाकर उनकी सवारी कर लूं? उसने पुराने औजारों की जगह नए चमचमाते औजार खरीदे। जब लोग पटाखे फोड़ रहे होंगे, तब वह घरों के ताले फोड़ रहा होगा। फिर उसने एक बड़ा पिटारा खोला, जिसमें हर तरफ नए नोट थे। उसने उन नोटों को दीपों की तरह सजाया।

उधर अफसर जी की दीपावली तैयारी भी जोर-शोर से चल रही थी। सरकारी फाइलें एक ओर पड़ी थीं और फाइलों के नीचे से नोटों की गड्डियां झांक रही थीं। वह अपने चपरासी से कह रहे थे, देखो, इस बार के सारे घोटालों की फाइलें बंद करो। ये दीपावली हमारे लिए खास है। अफसर जी ने सरकारी गाड़ी में घूमते हुए शहर के हर कोने को देखा, जहां उनके इशारे पर ठेकेदारी चलती थी। वह हर जगह जाकर इस बात की तसल्ली कर रहे थे कि उनके दिए आदेशों का पालन ठीक से हो रहा है या नहीं। उनकी दीपावली की तैयारी का मुख्य आकर्षण रहा, शहर की सड़कों पर लगे सजावटी बल्ब, जो उन्होंने 'कमीशन' से खरीदे थे।

बाबू जी की दीपावली का रंग भी निराला था। वो दफ्तर में फाइलों के बीच बैठे थे, लेकिन मन उनके दिमाग में नोटों वाली लक्ष्मी के प्रति पूरी तरह समर्पित था। फाइलों पर मंत्री जी की सिफारिश लगी है, इसमें रोकड़ा नहीं मिलेगा। इसलिए उसने सिफारिश वाली फाइलों को एक किनारे रखा और तुरंत अपने अलमारी से मिठाई का डिब्बा निकाला। ये असली मिठाई तो वो है, जो सरकारी सिस्टम से मिलती है। बाकी लोग तो मिठाई के डिब्बे में खील-बताशे डालकर आते हैं, लेकिन असली आनंद तो नोटों का है। उनके पास हर साल की तरह इस बार भी गिफ्ट का ढेर लग गया था। वह इस भ्रष्टाचारी फेस्टिवल को बड़े शान से मना रहा था। उन्होंने एक हाथ से फाइलों पर हस्ताक्षर किए और दूसरे हाथ से मिठाई खाते हुए कहा, लक्ष्मी जी के स्वागत का सही तरीका तो यही है!

बाबू जी ने अपने घर को सरकारी टेंडर के बचे हुए माल से सजाया। दीपावली की रात को जब सब अपने-अपने घरों में लक्ष्मी पूजा कर रहे थे, तब ये तीनों भ्रष्टाचारी अपने तरीके से लक्ष्मी जी का स्वागत कर रहे थे। चोर ने अपने लूट के पैसे लेकर खूब आतिशबाजी की। अफसर जी ने अपने सरकारी ठेकों के पैसों से पार्टी दी और बाबू ने सरकारी गिफ्ट्स का भव्य आयोजन किया। चोर ने कहा, हम चोरों की दुनिया में हैं। यही हमारा त्योहार है। अफसर बोला, अरे भाई, हम तो अफसर हैं। भ्रष्टाचार पर पहला हक हमारा है।

नजरिया

अदम गोंडवी ने चलाए अपनों पर भी तंज के तीर

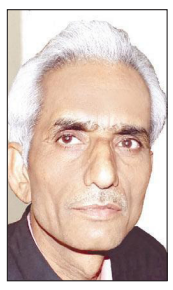

कृष्ण प्रताप सिंह

अदम के लिए शायरी में ईमानदार होना शब्दों के चमत्कार से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण था। वे अपने शुरुआती दौर में ही सामंतों व सवर्णों को दलितों के कठिन जीवन का ताप महसूस कराने के उद्देश्य से 'चमारों की गली' लिखकर अपने 'बंधु-बांधवों' को दुश्मन बना चुके थे।

जनकवि अदम गोंडवी '22 अक्टूबर, 1947-18 दिसम्बर, 2011) को आमतौर पर इस बात के लिए याद किया जाता है कि वे जीवन भर दलित व वंचित तबकों की आवाज बने रहकर और बेबाक होकर सत्ताओं से उनके सवाल पूछते रहे। इसके लिए जरूरी हुआ तो अभिव्यक्ति के सारे खतरे उठाने, मठ व गढ़ सब तोड़ने, यहां तक कि 'अपनों' को नाराज करने से भी परहेज नहीं किया। इसीलिए कहा जाता है कि गोपालदास 'नीरज' ने अपने एक गीत में कभी जो यह बात लिखी थीः *जिनका दुःख लिखने की खातिर मिली न इतिहासों को स्याही, कानूनों को नाखुश करके मैंने उनकी भरी गवाही...जले उमर भर फिर भी जिनकी अर्थी उठी अंधेरे में ही, खुशियों की नौकरी छोड़कर मैं उनका बन गया सिपाही...चमचम चूनर चोली पर तो लाखों ही थे मरने वाले, मेरी मगर ढिठाई मैंने फटी कमीजों के गुन गाये...यह उनसे ज्यादा अदम कह जिन्दगी पर चस्पां होती हैं।*

याद कीजिए, अपने वक्त में अदम का सबसे बड़ा और सबसे तल्ख सवाल कौन-सा था? *सौ में सत्तर आदमी जब देश में नाशाद है, दिल पे रखकर हाथ कहिये देश ये आजाद है?* उनकी विशेषता यह कि वे इसे दूसरों से ही पूछकर नहीं रह गए थे, खुद से भी पूछा था और जल्दी ही इस निष्कर्ष पर पहुंच गए थे कि सौ में सत्तर आदमी इसलिए नाशाद हैं, क्योंकि जिस रामराज्य का वे सपना देख रहे थे, उसका भेष बदलकर किसी और आंगन में उतार लिया गया है। तब उन्होंने लिखाः *काजू भुने पलेट में ह्विस्की गिलास में, उतरा है रामराज विधायक निवास में।* यह लिखना उनके द्वारा खुद को भी आईना दिखाना था, क्योंकि ह्विस्की की लत उन्हें भी थी। दरअसल, उनके कवि का बड़प्पन ही इसी बात में है कि उसने दारुण से दारुण परिस्थितियों में भी न अपने सवाल बदले, न ही उन्हें पूछने के अपने उसूल से समझौता नहीं किया। कोई अपना उसके सपनों का 'दुश्मन' बनकर सामने आ खड़ा हुआ तो भी न हकलाया, न ही कमजोर होकर उसकी लप्पो-चप्पो पर उतरा।

यही कारण है कि अदम की प्रश्नाकुलता ने चिराग तले का कतई कोई अंधेरा सृजित नहीं किया। इतना ही नहीं, जो महानुभाव उनकी बहुत इज्जत करते, अपनी सोहबत में रखते, उनकी दुर्दशा पर रहम करते, दया दिखाते और साथ खाते-पीते या उन्हें खिलाते-पिलाते थे, उनके 'अंधेरों' के प्रति भी नरम नहीं अल्कि निर्मम रुख ही अपनाया। मिसाल के तौर पर, उत्तर प्रदेश के जिस गोंडा जिले में उनका घर था, उसके एक 'सिन्हा' टाइटिल वाले जिलाधिकारी उनके मित्र थे और यह सोचकर अपने स्याह-सफेद की परदेदारी किए बिना उन्हें अपने ड्राइंग रूम में बैठाते थे कि भले आदमी हैं वे, कवि तो हैं ही, फिर

चौकी की बात चौके में क्यों करेंगे? लेकिन अदम ने उनके ड्राइंगरूम में जो कुछ भी देखा उसे बेबाकी से लिख और अपने श्रोताओं तक पहुंचा डालाः *महज तनख्वाह से निपटेंगे क्या नखरे लुगाई के, हजारों रास्ते हैं सिन्हा साहब की कमाई के। ये सूखे की निशानी उनके ड्राइंगरूम में देखो, जो टीवी का नया सेट है रखा ऊपर तिपाई के। मिसेज सिन्हा के हाथों में जो बेमौसम खनकते हैं, पिछली बाढ़ के तोहफे हैं, वे कंगन कलाई के।*

दरअसल, अदम के लिए अपनी शायरी में ईमानदार व जनोन्मुख होना शब्दों के चमत्कार से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण था और वे अपने शुरुआती दौर में ही सामंतों व सवर्णों को दलितों के कठिन जीवन का ताप महसूस कराने के उद्देश्य से 'चमारों की गली' शीर्षक लम्बी मर्मभेदी रचना लिखकर अपने 'बंधु-बांधवों' को दुश्मन बना चुके थे। बात अधूरी रह जाएगी, अगर 1986 के अदम के उस आगाज का जिक्र न किया जाए, जिसने उन्हें रातो-रात राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध कर दिया। दरअसल, उस साल प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना के पचास साल पूरे हुए थे और लखनऊ में हो रहे उसके सम्मेलन में रात को आयोजित कवि सम्मेलन में स्मृतिशेष मुल्कराज आनंद, तांबा, नागार्जुन, त्रिलोचन और कैफी आजमी वगैरह के साथ कई दूसरी भारतीय व विदेशी भाषाओं के कवि भी उपस्थित थे। कवि सम्मेलन शुरू हुआ और संचालक ने परम्परा के अनुसार वरिष्ठों को पेश करने से पहले, स्थानीय छुटभैये कवि यशः प्रार्थियों को उपकृत करना शुरू किया तो काव्य-संसार में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्षरत अदम भी उन्हीं के बीच जा बैठे। वे स्थानीय नहीं थे, लेकिन उन्होंने संचालक से वायदा करा लिया था कि वह वरिष्ठ कवियों से पहले उनका कवितापाठ करा देगा।

लेकिन ऐन वक्त पर संचालक अपना वायदा भूल गया और याद दिलाने पर झिड़ककर कह दिया कि अब वक्त कहां बचा? फिर तरस खाते हुए से कहा-चलो, नाम पुकार देता हूं तुम्हारा, लेकिन एक ही कविता सुनाकर बैठ जाना। उसकी बात मानकर अदम माइक पर पहुंचे तो किसी उद्दंड श्रोता को कहते सुना, 'लगता है कि अभी-अभी हल जोतकर आ रहा है!'

दरअसल, नजाकत व नफासतपसंद लखनऊ के लोग किसान अदम की कुर्ता-धोती व गमछे वाली देहाती वेशभूषा का मजाक उड़ाने पर उतर आए थे। लेकिन अदम ने अपने आत्मविश्वास को कमजोर नहीं पड़ने दिया और गजल सुनानी शुरू कीः *जितने हरामखोर थे कुर्ब-ओ-जवार में, परधान बनके आ गए अगली कतार में।...जब दस मिनट की पूजा में घंटों गुजार दें, समझो कोई गरीब फंसा है शिकार में!*

फिर तो चमत्कार हो गया! उनका मजाक उड़ा रहे श्रोताओं की संवेदनाएं इस कदर झंकृत हो उठीं कि अदम वही गजल सुनाकर जाने लगे तो हंगामा बरपाकर संचालक को उन्हें दोबारा बुलाने को मजबूर कर दिया और फिर भी तृप्त नहीं हुए। अदम साहित्याकाश में छाए तो आखिरी सांस तक छाए ही रहे।

सार संक्षेप

बतौर अनकैप्ड प्लेयर शामिल हो सकते हैं धौनी

चेन्नई : चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ कासी विश्वनाथन ने बताया कि टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी ने अब तक कन्फर्म नहीं किया है कि वे अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं। फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि धौनी उपलब्ध होंगे और बतौर अनकैप्ड प्लेयर उनको रिटेन किया जा सकेगा। आईपीएल के नए नियम के मुताबिक 43 वर्षीय एम एस धौनी को चेन्नई अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर खरीद सकती है। हालांकि अभी इसको लेकर टीम की तरफ से कोई अपडेट नहीं आया है। धौनी ने साल 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ कासी विश्वनाथन ने मीडिया को बताया कि उन्हें अब तक यह जानकारी नहीं हैं कि धौनी अगले सीजन खेलेंगे या नहीं। आईपीएल का मेगा ऑक्शन नवंबर के आखिरी में हो सकता है। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने मीडिया को बताया कि उन्हें अब तक यह जानकारी नहीं हैं कि धौनी अगले सीजन खेलेंगे या नहीं। चेन्नई मैनेजमेंट चाहता है कि धौनी अगले सीजन भी इस लीग में खेलें और टीम उन्हें रिटेन करने के लिए तैयार है, लेकिन इस पर आखिरी फैसला धौनी को ही करना है। हम यही चाहते हैं कि वे खेलें और उन्होंने कहा है कि वे हमें इस बारे में 31 अक्टूबर से पहले बता देंगे। 31 अक्टूबर ही आईपीएल 2025 में टीमों के प्लेयर रिटेन लिस्ट की आखिरी तारीख है। पिछले सीजन ऋतुराज गायकवाड ने कप्तानी की थी धौनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2023 का खिताब जीता था। इसके बाद अगले सीजन के लिए कप्तानी ऋतुराज गायकवाड को सौंप दी थी। बीते सीजन में चेन्नई की टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाइ नहीं कर पाई थी। चेन्नई को अपने आखिरी लीग मैच में टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हाथों हार मिली थी।

मल्लिका नड्डा ने स्पेशल ओलंपिक भारत की जर्सी का किया अनावरण

नई दिल्ली : स्पेशल ओलंपिक भारत की अध्यक्ष मल्लिका नड्डा, चेयरमैन अमित भल्ला और महासचिव डीजी चौधरी ने सोमवार को 18 से 23 नवंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले स्पेशल ओलंपिक एशिया पैसिफिक के लिए भारतीय टीम की जर्सी का अनावरण किया। यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान मीडिया सदस्यों के साथ स्पेशल ओलंपिक खेलों के अनुभव को साझा करने के लिए बोचे और बॉलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वैश्विक स्तर पर होने वाली इस प्रतियोगिता में 22 वर्ष से अधिक उम्र के बौद्धिक और विकासात्मक दिव्यांग (आईडीडी) वाले बुजुर्ग के लिए पदक जीतने का अवसर होगा। 12वें स्पेशल ओलंपिक कार्यक्रमों में पूर्वी एशिया, यूरोप, यूरेशिया और एशिया प्रांत से 100 से अधिक एथलीट हिस्सा लेंगे। स्पेशल ओलंपिक्स भारत एक राष्ट्रीय खेल महासंघ है और यह अमेरिका द्वारा मान्यता प्राप्त है। नड्डा ने कहा कि आज हमें स्पेशल ओलंपिक भारत की जर्सी का अनावरण करने और शिवानी को हमारे एथलीट ब्रांड एंबेसडर के रूप में घोषित करने का मौका मिला है। यह प्रतियोगिता केवल खेल तक सीमित नहीं है, यह मानवीय भावना, दृढ़ संकल्प और एकता की शक्ति का उत्सव है। पूरे एक सप्ताह तक, हम साहस, दृढ़ संकल्प और पदक विजेता की संघर्ष के बारे में जानेंगे क्योंकि एथलीट, उनके परिवार और समर्थक साथ मिलकर एकता और दोस्ती का बेहतरीन उदाहरण पेश करेंगे।

सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के लिए तैयार है रामगढ़ताल

गोरखपुर : पिछले साल खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तहत रोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता की सफल मेजबानी करने वाले गोरखपुर का रामगढ़ताल में यहां सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप खेली जाएगी। 26 अक्टूबर तक होने वाली इस चैंपियनशिप का उद्घाटन 22 अक्टूबर को होगा जबकि खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा का शुभारंभ 23 अक्टूबर को खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव की उपस्थिति में होगा। 26 अक्टूबर को चैंपियनशिप के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी मौजूद रहेंगे। सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में 20 राज्यों की टीमें प्रतिभाग कर रही है।

कृष्ण दास के कीर्तन में शामिल हुए विराट-अनुष्का

पहला टेस्ट हारने के बाद बेंगलुरु से मुंबई पहुंचे, मैच में 70 रन बनाए

मुंबई, वार्ता : टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा रविवार रात अमेरिकी गायक कृष्ण दास के कीर्तन में शामिल हुए। वे न्यूजीलैंड से बेंगलुरु टेस्ट हारने के बाद सीधे मुंबई के लिए रवाना हुए और समारोह में हिस्सा लिया।

इस समारोह के आयोजकों ने सोशल मीडिया में फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि 'विराट और अनुष्का मुंबई में कृष्णा दास लाइव में हमारे साथ शामिल हुए, आशीर्वाद लिया और शांत वातावरण का आनंद लिया। उनकी उपस्थिति ने सामूहिक भक्ति को और बढ़ा दिया, जिससे यह सभा और भी खास हो गई।' विराट कोहली ने बेंगलुरु टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में 70 रन बनाए थे। वे तीसरे दिन की आखिरी बॉल पर आउट हुए थे। पहली पारी में वे खाता भी नहीं खोल सके थे। लंदन में भी कृष्ण दास कीर्तन में शामिल हुए थे यह पहला मौका नहीं है, जब विराट और अनुष्का कृष्ण दास कीर्तन के लाइव शो में शामिल हुए हैं। इससे पहले वे जुलाई में लंदन में आयोजित शो में शामिल हुए चुके हैं।

पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कोहली की तारीफ की

बोले- मैं विराट कोहली का फैन हूं, उनकी लीडरशिप क्वालिटी शानदार

नई दिल्ली, वार्ता : पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री डेविड कैमरन ने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। वर्ल्ड समिट में बोलते हुए कैमरन ने कहा कि मैं विराट कोहली का फैन हूं। उनकी लीडरशिप क्वालिटी शानदार है। द इंडिया सेंचुरी के इस समिट में जब कैमरन से उनके फेवरेट क्रिकेटर को लेकर सवाल पूछा गया तब उन्होंने कहा कि जब मैं बड़ा हो रहा था तो मुझे भारत के बिशन सिंह बेदी काफी पंसद थे। इसके बाद मुझे राहुल द्रविड़ की भी बल्लेबाजी काफी पसंद थी। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक जमाया था। मुझे यह काफी अच्छे से याद है।

तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकता है भारत

24 से शुरू होगा दूसरा टेस्ट, पुणे की पिच होगी स्लो टर्निंग ट्रैक, काली मिट्टी का हुआ है इस्तेमाल

भारतीय टीम पुणे में एक मैच जीती है और एक हारी है

पुणे, वार्ता : भारत और न्यूजीलैंड के बीच पुणे में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट की पिच स्लो टर्नर हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक पिच के लिए काली मिट्टी का इस्तेमाल हुआ है। इस वजह से बेंगलुरु की तुलना में पुणे में कम बाउंस देखने को मिल सकता है। पुणे टेस्ट 24 अक्टूबर से शुरू होगा।

बेंगलुरु में पहले टेस्ट मैच में मिली हार की वजह से रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम पर सीरीज जीतने और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी को मजबूत बनाए रखने का दबाव है। इसके लिए भारत का न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले दोनों टेस्ट मैच जीतना जरूरी है। पुणे में भारतीय टीम तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकती है। ऐसे में एक बार फिर से रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव की तिकड़ी एक साथ खेल सकती है। बेंगलुरु के लिए भी टीम ने कुछ इसी प्रकार की स्ट्रैटिजी तैयार की थी लेकिन बादल छाए रहने (ओवरकास्ट कंडीशंस) और बीच-बीच में बारिश होने के चलते एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पहले दो दिनों में तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो गई थी। इसी वजह से भारत पहली पारी में 46 रन पर ऑलआउट हो गया था। बेंगलुरु में पहले दिन का खेल बारिश में धुल गया था। पुणे में अब तक 2

टेस्ट मैच हुए महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम, पुणे में खेला जाने वाला यह तीसरा टेस्ट होगा। यहां पहला टेस्ट 2016-17 में खेला गया था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन टी ब्रेक होने से पहले 333 रनों के बड़े अंडर से भारत को हराया था। इस मैच की पिच में छोटी दरारें थीं और पिच ने पहले दिन से ही टर्न लेना शुरू कर दिया था। मैच में 40 में से 31 विकेट स्पिनर्स ने चटकाए थे, जिसके बाद मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने पिच को खराब रेट किया था। पुणे में दूसरा टेस्ट 2019 में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया था, जिसमें विराट कोहली ने दोहरा शतक लगाते हुए 254 रन की पारी खेली थी। भारत ने मैच को पारी और 137 रन से जीता था। इस मैच में भी स्पिनर्स को पहले दिन से ही टर्न मिलने लगा था। रिपोर्ट के मुताबिक टॉस के लगभग एक घंटे बाद ही पिच से सीम मूवमेंट खत्म हो जाएगी। ड्राई सरफेस होने के चलते यहां रिवर्स स्विंग मिल सकती है। ऐसी सिचुएशन में टॉस एक बार फिर महत्वपूर्ण हो सकता है। टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है। महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में भारत का हाईएस्ट स्कोर 601 रन महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में अब तक 2 मैच हुए हैं। इसमें भारत ने ही सबसे ज्यादा और सबसे कम रन बनाया है। इसमें हाईएस्ट स्कोर 601 रन है जो भारत ने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली इनिंग में बनाया था, वहीं लोएस्ट स्कोर 105 रन है जो भारत ने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे और तीसरे मैच के लिए भारतीय टीम के स्क्वॉड में बदलाव हुआ है। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने रविवार को यह जानकारी दी। सुंदर दूसरे टेस्ट से पहले पुणे में टीम से जुड़ेंगे। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में में 8 विकेट से हार झेलनी पड़ी है। स्क्वॉड में आर अश्विन, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव तीन स्पिनर पहले से मौजूद हैं।

वर्षा बाधित मैच में श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

● पल्लेकेले, वार्ता

श्रीलंका ने वर्षा बाधित एकदिवसीय मुकाबले में वेंस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

खेले गये मुकाबले में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने आठवें ओवर में ब्रैंडन किंग (14) का विकेट गवां दिया। वेस्टइंडीज ने 25 ओवर में 100 रन स्कोर तक अपने चार विकेट गवां दिए थे। केसी कार्टी (37), ऐलेक ऐथनेज (10) और शो होप (05) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शरफेन रदरफोर्ड और रॉस्टन चेज ने धीकी गति से रन बनाए और विकेट नहीं गिरने दिया। शरफेन रदरफोर्ड ने (नाबाद 77) और रॉस्टन चेज ने (नाबाद 33) रन बनाए। बारिश के कारण ओवरों की संख्या घटा दी गई। वेस्टइंडीज ने 38.3 ओवर में चार विकेट पर 185 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत भी बेहद खराब रही और महज 45 रन के स्कोर पर उसके तीन बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। अविष्का फर्नांडो

(05), कुसल मेंडिस (13) और सदीरा समरविक्रमा (18) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सलामी बल्लेबाज निशान मदुश्का और कप्तान चैरिथ असलांका ने मिलकर पारी को संभाला। श्रीलंका की टीम ने महज 31.5 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। चैरिथ असलांका ने सबसे ज्यादा (77) रनों की आतिशी पारी में आठ चौके और तीन छक्के जड़ें। वहीं निशान मदुश्का ने (69) रन बनाए। जतिन लियागे (18) और कामिंदु मेंडिस (30)रन बनाकर नाबाद रहे।

दक्षिण अफ्रीका को 34 रन की बढ़त

रबाडा ने झटके तीन विकेट पहली पारी में बांग्लादेश 106 रन पर ढेर

तैजुल इस्लाम ने झटके पांच विकेट, द. अफ्रीका ने पहली पारी में छह विकेट पर बनाए 140 रन

मीरपुर, वार्ता : कगिसो रबाडा, वियान मुल्डर और केशव महाराज की घातक गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों के जूझारू प्रदर्शन के दम पर द. अफ्रीका ने सोमवार को पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ पहली पारी में छह विकेट पर 140 रन बनाकर 34 रनों की बढ़त बना ली है।

बांग्लादेश को 106 के स्कोर पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान एडन मारक्रम (6) का विकेट गवां दिया। उन्हें हसन महमूद ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद तैजुल इस्लाम ने दक्षिण अफ्रीका के किसी भी बल्लेबाज को पिच पर अधिक देर टिकने नहीं दिया। ट्रिस्टन स्टब्स (23), डेविड बेडिंघम (11), टोनी डीजॉर्जी (30), मैथ्यू ब्रीत्जके (00) और रायन रिकलटन (27) रन बनाकर आउट हुये। इन पांचों बल्लेबाजों को तैजुल इस्लाम ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने पर दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 140 रन बना लिए है और काइल वेरेन (नाबाद 18) और वियान मुल्डर (नाबाद 17) क्रीज पर मौजूद थे। बांग्लादेश ने लिए तैजुल इस्लाम ने पांच विकेट लिए। हसन महमूद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खबरा रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम (00) का विकेट गवां दिया। उन्हें मुल्डर ने मारक्रम के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद तो बांग्लादेश की टीम ताश के पत्तों की ढह गई। चौथे ओवर में मोमिनुल हक (04) भी मुल्डर का शिकार बने। कप्तान नजमुल शान्तो (07) को मुल्डर ने आउट कर बांग्लादेश को बैकफुट पर ला दिया। 14वें ओवर में कगिसो रबाड़ा ने मुशफिकुर रहीम (11) को बोल्डकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद लिटन कुमार दास (01) भी रबाडा का शिकार बने। मेहदी हसन (13) को महाराज ने पगबाधा आउट किया। महमुदुल बांग्लादेश के शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने (30) रनों की पारी खेली।

दिल्ली ने उत्तर प्रदेश पर कसा शिकंजा

कर्नल सीके नॉयडू ट्रॉफी : यूपी ने सात विकेट खोकर बनाए 204 रन, अभी भी 150 रन पीछे

मेरठ

भामाशाह पार्क के क्रिकेट मैदान पर चल रही कर्नल सीके नॉयडू अंडर-23 ट्रॉफी के लिए खेले जा रहे मैच में उत्तर प्रदेश की टीम का लचर प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। यूपी के लिये बल्लेबाजी में आदर्श सिंह, शुभम मिश्रा और विजय यादव को छोड़कर शेष बल्लेबाज कोई कमाल नहीं दिखा सके। दिल्ली द्वारा बनाए गए 354 रन का पीछा कर रही यूपी का दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर स्कोर 68 ओवर में 7 विकेट पर 204 रन रहा। दिल्ली के गेंदबाज ने रौनक वाघेल तीन और प्रियांश ने दो विकेट लेकर मैच में दिल्ली की पकड़ मजबूत करने में योगदान दिया।

दूसरे दिन पिच पर पहुंचे दिल्ली के नॉट आउट बैट्समैन मयंक गौंसाई और रौनक वघेल ने टीम के स्कोर 6 विकेट पर 312 रनों को आगे बढ़ाना शुरू किया। सुबह की नमी का फायदा लेते हुए यूपी की सौराष्ट्र पर जीत के हीरो शुभम मिश्रा ने वापसी करते हुए दिल्ली के खिलाड़ियों को पवेलियन की राह दिखाने का क्रम शुरू किया। उन्होंने ने शतक की ओर बढ़ रहे मयंक गोसाई के स्टंप बिखेरते हुए यूपी को सातवीं सफलता दिलाई। शुभम के अगले शिकार रौनक वघेला(27) बने तो वहीं दूसरी ओर से शुभम का साथ निभाते हुए प्रशांतवीर ने अखिल चौधरी को कुनाल त्यागी के हाथों कैच कराकर टीम को नौवी सफलता दिलाई। दिल्ली का

आखिरी विकेट शुभम मिश्रा ने यतिश सिंह (00) का लिया। दिविज मेहरा 5 रन बनाकर नॉट आउट लौटे। यूपी की पारी की शुरूआत करने उतरे सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह ने एक बार फिर अपने नाम के अनुरूप सधी और आक्रमक शुरूआत टीम के लिए की। पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी (67) रनों की खेलकर नॉन स्ट्राईकर एंड बैट्समैन शोएब सिद्दीकी(17) पारी के 21वें ओवर क आखिरी गेंद्र पर रौनक वाघेला द्वारा पगबाधा आउट किए गए। दूसरे विकेट के रूप में खेलने उतरे ऋतुराज शर्मा (06) प्रियांश आर्य के हाथों कॉट एंड बोल्ड आउट हुए। यूपी का तीसरा विकेट 12 चौको और एक छक्के की मदद से 76 रनों आक्रमक पारी खेल रहे आदर्श सिंह के रूप में रौनक वघेला की गेंद पर आयुष डूसेजा द्वारा कैच आउट हुआ। इस वक्त टीम का स्कोर 107 रन था। इसके बाद कप्तान आराध्य यादव(4) रन, समीर रिजवी (14), यशोवर्द्धन सिंह(16) और प्रंशातवीर(8) रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौट गये। एक समय 44 ओवरों में सात विकेट गंवाकर 143 रन बनाकर गहरे फालोऑन का संकट से जूझ रही टीम को संकट से उबारने के लिए मैदान पर उतरे शुभम मिश्रा ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी में भी संकटमोचक की भूमिका निभाने का काम किया। उन्होंने विजय यादव के साथ मिलकर आठवे विकेट के लिये 142 गेंदो में 56 रनों की साझेदारी की। यूपी अभी लक्ष्य से 150 रन दूर है।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली पहली पारी	रन	गेंद	4	6
अर्पित पगबाधा बो यशोवर्द्धन	61	114	9	0
प्रियांश पगबाधा बो यशोवद्धन	74	100	9	2
सूजल का शुभम बो प्रशांत	45	97	6	1
हार्दिक का आदर्श बो यशोवद्धन	01	10	0	0
आयुष का शोएब बो प्रशांतवीर	45	92	3	1
मयंक गोसांई बो शुभम	75	128	9	0
क्रिश का अराध्य बो कुनाल	07	13	1	0
रौनक वाघेला पगबाधा शुभम	27	83	03	0
दिविज मेहरा नाबाद	05	27	00	0
अखिल का कुनाल बो प्रशांत	05	04	01	0
यतिश सिंह पगबाधा बो शुभम	00	04	00	0
कुल : 112 ओवर में 352 रन पर ऑलआउट				
अतिरिक्त : 09 रन				
विकेट पतन 1-139, 2-140, 3-142, 4-209, 5-248, 6-263, 7-333, 8-346, 9-353, 10-354				

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
कुणाल त्यागी	14	02	57	01
रोहित द्विवेदी	08	02	34	00
विजय यादव	22	02	84	00
शुभम मिश्रा	29	07	90	03
यशोवर्द्धन सिंह	14	03	33	03

प्रशांतवीर	21	04	43	03

यूपी पहली पारी	रन	गेंद	4	6
आदर्श का आयुष बो रौनक	76	91	12	01
शोएब सिद्दीकी पगबाधा रौनक	17	58	02	00
ऋतुराज शर्मा का एंड बो प्रियांश	06	17	01	00
आराध्या का कृष बो प्रियांश	04	11	01	00
समीर रिजवी बो रौनक वाघेला	14	17	02	00
यशोवर्धन सिंह बो दिविज मेहरा	16	29	02	00
प्रशांत वीर का कृष बो अखिल	08	24	0 0	00
विजय यादव नाबाद	20	75	01	00
शुभम मिश्रा नाबाद	39	86	02	01
अतिरिक्त : 04 रन				
कुल : 68 ओवर में सात विकेट पर 204 रन				
विकेट पतन : 1-67, 2 -99, 3-107, 4-115, 5-134, 6-140 , 7-148				

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
दिविज मेहरा	11	01	21	01
अखिल चौधरी	8	02	38	01
अर्पित राणा	5	02	05	00
रौनक वाघेला	24	05	75	03
यतीश सिंह	13	02	35	00
प्रियांश आर्य	5	00	20	02
हार्दिक शर्मा	2	00	06	00

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)